ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • रांची • श्रावण कृष्ण पक्ष 14 • विक्रम संवत 2080 • रविवार, 16 जुलाई 2023 • वर्ष-24 • अंक- 163 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

पंकज त्रिपाठी अभिनीत मैं अटल हूं' की ... पेज 12 पर

NEWS इन ब्रीफ

टिंकल-भगवान भगत को ईडी ने कोर्ट में किया पेश, भेजा जेल

रांची। अवैध खनन मामले में दो पत्थर कारोबारियों टिंकल भगत और भगवान भगत को ईडी की पांच दिनों की पूछताछ के बाद कोर्ट में शनिवार को पेश किया गया। ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट ने दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक आतिश कुमार ने बहस की।

तनवीर की बेल याचिका पर सुनवाई एक अगस्त को

रांची। लव जिहाद और यौन शोषण के आरोप में जेल में बंद कोचिंग संचालक तनवीर अख्तर की जमानत याचिका पर मंगलवार को अपर न्यायायुक्त दिनेश कुमार की अदालत में सुनवाई हुई थी। पिछली सुनवाई में अदालत ने पुलिस से केस डायरी मांगी थी लेकिन अब तक केस डायरी जमा नहीं की गई है। इसपर अदालत ने एक बार फिर केस डायरी तलब करते हुए तनवीर की बेल पर अगली सुनवाई के लिए एक अगस्त की तारीख निर्धारित की है।

दिनेश गोप की दोनों पत्नियों से ईडी करेगी पूछताछ

रांची। प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआई (पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया) के सुप्रीमो दिनेश गोप के करोड़ों के अवैध निवेश पर ईडी की टीम अब उसकी दो पत्नियों हीरा देवी और शकुंतला कुमारी से पूछताछ करेगी। रांची स्थित पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग) कोर्ट ने इनसे दो दिनों की पूछताछ की अनुमति दे दी है। एनआईए की विशेष टीम ने दिनेश गोप की दोनों पत्नियों को कोलकाता से लगभग एक साल पहले गिरफ्तार किया था। उनके पास से लाखों रुपए बरामद किए गए थे। इसके बाद दोनों रांची के बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल में बंद हैं। दो दशकों तक मोस्ट वांटेड रहे दिनेश को एनआईए ने बीते 21 मई को नेपाल से गिरफ्तार किया था। दिनेश गोप पर झारखंड, बिहार, ओडिशा में 102 वारदात दर्ज हैं और उसने आतंक फैलाकर करोड़ों की अवैध उगाही की है। ईडी की टीम दिनेश से इसी महीने की शुरूआत में जेल में कई दिनों तक पूछताछ कर चुकी है। दिनेश गोप की दोनों पत्नियों हीरा देवी और शकुंतला कुमारी को एनआईए ने 30 जनवरी 2022 को गिरफ्तार किया था। दोनों के खिलाफ लेवी-रंगदारी के रुपयों को शेल कंपनियों में निवेश करने के आरोपों की पुष्टि हो चुकी है। अब तक दो दर्जन से अधिक बैंकों में दिनेश गोप के पारिवारिक सदस्यों और दोनों पत्नियों के माध्यम से करोड़ों के निवेश की जानकारी भी मिल चुकी है।

मुफलिसी में जिए व गुमनामी में मर गए इंटरनेशनल फुटबॉलर प्रभाकर मिश्रा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

प्रभाकर मिश्र- इस नाम से आज के लोग भले वाकिफ न हों, लेकिन यह शख्स 1960-1970 के दशक में देश के फुटबॉल जगत का एक चमकता सितारा हुआ करता था। वह पिछले बीस सालों से मुफलिसी की जिंदगी काटते रहे और अब गुमनामी के बीच बीमारियों से जूझते हुए उन्होंने हमेशा के लिए आंखें मूंद लीं। रांची के धुर्वा इलाके में एक छोटे से घर में रह रहे प्रभाकर मिश्र को उचित इलाज तो नहीं ही मिला, उन्हें मौत के बाद एक सम्मानजनक आखिरी विदाई तक हासिल नहीं हो सकी। वह अपने पीछे पत्नी और सात-आठ साल के बेटे को छोड़ गए हैं, जिनके सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि उनकी आगे की जिंदगी कैसे कटेगी? प्रभाकर मिश्रा ने फुटबॉल के मैदान में अपना करियर 1966 में बिहार के मुंगेर से शुरू किया था। भागलपुर यूनिवर्सिटी टीम की ओर से खेलते हुए वह इतने लोकप्रिय हुए कि उन्हें उस वक्त बिहार का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर माना जाता था। वह 1977 में देश की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम की ओर से खेले। 1976 में देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट संतोष ट्रॉफी के थर्ड टॉप स्कोरर रहे। इस टूर्नामेंट में उन्होंने छह गोल दागे थे। इसके पहले वह कोलकाता के मशहूर फुटबॉल क्लब मोहम्मडन स्पोर्टिंग, खिदिरपुर स्पोर्टिंग, एरियंस स्पोर्टिंग क्लब की ओर से खेलते रहे। कुछ वक्त तक उन्होंने

बांग्लादेश में भी क्लब फुटबॉल खेला। 1980 के दशक में उन्हें रांची स्थित पब्लिक सेक्टर की कंपनी एचईसी (हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन) में स्पोर्ट्स कोटे से नौकरी कर ली। कंपनी की ओर से वह 1994 तक खेलते रहे और इस दौरान रांची में फुटबॉल से जुड़े कई बड़े आयोजनों में उनकी अहम भागीदारी रही। राज्य की फुटबॉल सेलेक्शन कमिटी में भी कुछ वर्षों तक शामिल रहे। जब तक सक्रिय रहे, वह रांची में नवोदित फुटबॉलरों को गैरे पेशेवर तरीके से कोचिंग देते रहे।

वरिष्ठ खेल पत्रकार अजय कुकरेती बताते हैं कि 2002 में एचईसी से रिटायरमेंट के बाद प्रभाकर मिश्रा की माली हालत खराब होती गई। दरअसल एचईसी की खुद की आर्थिक स्थिति खराब होती गई। उन्हें यहां से पेंशन के तौर पर मात्र छह-सात सौ रुपए मिलते थे। पिछले कुछ सालों से उनकी तबीयत बेहद खराब थी, लेकिन उसके पास इलाज तक को पैसे नहीं थे। वर्ष 2018 में राज्य के तत्कालीन खेल मंत्री अमर बाऊरी ने उनकी कुछ मदद जरूर की थी, लेकिन इसके बाद कोई उनका पुरसाहाल नहीं रहा। फुटबॉल के प्रति जुनून के चलते उन्हें घर-परिवार की भी खास सुध नहीं रही। शादी उन्होंने बहुत देर से की। परिवार के नाम पर पत्नी और एक नाबालिग बेटा है। मुश्किल ये है कि उनके सामने जीवन-यापन का कोई जरिया नहीं है। शुक्रवार को प्रभाकर मिश्र का अंतिम संस्कार उनके दोस्तों ओमप्रकाश ठाकुर, आशीष बोस, इम्तियाज आलम, मोहम्मद फरीद आसिफ आदि ने मिलकर धुर्वा के स्थानीय श्मशान घाट पर किया। राज्य सरकार के खेल विभाग ने भी उनकी खबर न तो जीते-जी ली, न ही उनकी मौत पर किसी राजनेता का कोई शोक संदेश आया।

सीएम बीआईटी मेसरा के 69वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए, कहा

सरकार शिक्षा पर कर रही फोकस

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि जब भी मैं बीआईटी मेसरा के परिसर में आता हूं, अलग ही अहसास होता है। मैं आज यहां बतौर मुख्यमंत्री आपके समक्ष उपस्थित हूं। मैं यहां का छात्र रहा हूं और आज बीआईटी मेसरा के वाइस चांसलर मुझे चीफ मिनिस्टर साहब कह कर संबोधित कर रहे हैं। यह एक ऐसा अनुभव है जिसको मैं स्वयं ही समझ सकता हूं। हमने ऐसा वक्त इस परिसर में बिताया है जब हमारा देश एक बड़े रिफॉर्म्स की और बढ़ रहा था। सभी राज्य वासियों के लिए गौरव की बात है कि वर्ष 1952 में देश का यह तीसरा तकनीकी संस्थान झारखंड प्रदेश में स्थापित हुआ। मुझे लगता है कि देश आजाद होने के बाद इस राज्य को इंडस्ट्रियलिस्ट हो या साइंटिस्ट हो चाहे नई ऊंचाइयों को छूने की चाह रखने वाले लोग हों सभी ने अलग-अलग तरीके और नजरों से सजाने और संवारने का प्रयास किया है।

ये बातें मुख्यमंत्री ने शनिवार को बीआईटी मेसरा के 69वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि बीआईटी मेसरा देश का तीसरा बड़ा तकनीकी संस्थान है। इसी प्रकार का देश का भारी उद्योग इंडस्ट्री संस्थान एचईसी, देश का पहला फर्टिलाइजर इंडस्ट्री इसी राज्य में बना। एशिया का सबसे बड़ा स्टील इंडस्ट्री बोकारो स्टील प्लांट भी इसी राज्य में बना। इसी राज्य में देश का पहला माइनिंग इंस्टिट्यूट खुला। झारखंड प्रदेश एक ऐसा प्रदेश है जहां नेतरहाट स्कूल है। इस स्कूल से बड़ी संख्या में आईएएस एवं आईपीएस भी बनकर लोग बाहर निकले हैं। कल ही देश ने एक चंद्रयान रवाना किया है और इस चंद्रयान का प्लेटफार्म एचईसी से बनकर गया है। इस तरह इस राज्य को अपने संस्थानों पर पूरा गर्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआईटी मेसरा आज नए आयाम को छू रहा है और इसके पीछे कारण यह है कि इसके साथ जुड़े हुए लोग और उनका कठिन परिश्रम और ईमानदार प्रयास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआईटी के लगभग 10 हजार बच्चे अलग-अलग इकाइयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, हजारों की संख्या में उससे जुड़े टीचिंग, नॉन टीचिंग सदस्य कई चुनौतियां और समस्याओं का समाधान निकालते हुए संस्थान को बुलंदियों तक पहुंचा रहे हैं। आज शायद कॉलेज में छुट्टियां चल रही हैं नहीं तो इस हॉल में बैठने का जगह तक नहीं मिलता। यह संस्थान निरंतर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि आज एक छात्र होने के नाते भी मैं यहां पर हूं और यह कह सकता हूं कि आज एक गार्जियन के रूप में भी आप सभी के बीच में मौजूद हूं। दोनों जिम्मेवारी मुझे निभाने का मौका मिला है। मैं आज इस मंच से कहता हूं कि बीआईटी मेसरा से संबंधित जो भी समस्याएं हैं उसका समाधान अवश्य होगा। इसके लिए राज्य सरकार सिंगल विंडो बनाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शिक्षा की बेहतरी के लिए हमारी सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। हमने राज्य भर में 80 स्कूल ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए हैं। यहां आईआईएम से प्रशिक्षित शिक्षकों को बहाल किया जा रहा है ताकि हम यहां के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य है जहां आदिवासी, दलित, और अल्पसंख्यकों के वैसे छात्र-छात्राएं जो उच्च शिक्षा के लिए विदेशों में पढ़ाई करना चाहते हैं उनका सारा खर्च सरकार वहन कर रही है।

सीएम ने 3 पदाधिकारियों के खिलाफ पीई दर्ज करने की दी स्वीकृति

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कोडरमा जिला में शिक्षक नियुक्ति में गड़बड़ी और अनियमितता मामले में तीन पदाधिकारियों के खिलाफ पीई दर्ज करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। आरोपित पदेन पदाधिकारियों में जिला शिक्षा अधीक्षक, कोडरमा पुरेन्द्र विक्रम शाही और जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय के प्रधान सहायक अजीत कुमार एवं सहायक धर्मेंद्र कुमार शामिल हैं। इनके खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) हजारीबाग की ओर से 27 जून, 2019 को दर्ज आईआर की विस्तृत जांच के लिए पीई दर्ज करने के प्रस्ताव मुख्यमंत्री को भेजा गया था। इस पर मुख्यमंत्री ने स्वीकृति दे दी है।

यह है पूरा मामला

कोडरमा जिला अंतर्गत शिक्षक नियुक्ति मामले में जिला शिक्षा अधीक्षक, कोडरमा पुरेन्द्र विक्रम शाही की ओर से प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, मरकच्चो एवं प्रधान सहायक अजीत कुमार और लिपिक धर्मेंद्र कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय, चतरा (प्रतिनियुक्ति अपर समाहर्ता कार्यालय, चतरा) की मिलीभगत से महिलाओं के लिए निर्धारित क्षैतिज आरक्षण का लाभ शिक्षण कार्य के लिए निर्गत आवासीय प्रमाण पत्र के आधार पर देने, मेधा सूची में अंकों की हेराफेरी कर चार अभ्यर्थियों का चयन करने, विज्ञापन की अनदेखी करते हुए नर्सरी शिक्षक प्रमाण पत्र के आधार पर प्रारंभिक/मध्य विद्यालय में शिक्षक नियुक्ति के लिए अभ्यर्थियों का चयन करने, फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर प्रारंभिक/मध्य विद्यालय में शिक्षक नियुक्ति के लिए अभ्यर्थियों का चयन करने और विभागीय अनुमति के बिना परीक्षण में सम्मिलित होकर उच्च शिक्षा का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने वाले कुछ पारा शिक्षकों की भी नियुक्ति करने का आरोप है। इस मामले में एसीबी ने वर्ष 2019 में दर्ज आईआर का सत्यापन करने के पश्चात विस्तृत जांच के लिए पीई दर्ज करने की अनुमति मांगी थी।

बाबूलाल मरांडी ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का पदभार संभाला, कहा

फतह करेंगे 2024 का चुनावी रण

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को पूजा और हवन कर विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया। हरमू स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय में निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने उन्हें पदभार ग्रहण कराया। साथ ही उनको पगड़ी और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। इसके बाद कार्निवल बैंक्वेट हॉल में आयोजित स्नेह मिलन समारोह के मौके पर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बीते तीन सालों से प्रदेश भाजपा की टीम ने बेहतर काम किया है। संगठन को मजबूत करने की दिशा में मेरा पुरजोर प्रयास रहेगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में इस बार सभी 14 सीटें जीतने का लक्ष्य है। साथ ही विधानसभा चुनाव में बेहतर परिणाम लाएंगे और सरकार बनायेंगे।

मरांडी ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व ने जिस उम्मीद और विश्वास से उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दी है, सभी के सहयोग से उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। सभी के सहयोग से ही 2024 को हम सबों को फतह करना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिस प्रकार सभी का सहयोग पार्टी को मिलता रहा है, हमें भी सभी का सहयोग मिलता रहेगा। दीपक प्रकाश जी के माध्यम से ही हमें अध्यक्ष बनने की सूचना मिली।

मरांडी ने कहा है चुनाव में असली लड़ाई बूथों पर होती है होती हैं इसलिए जहां बूथों का गठन अधूरा है उसे संगठन महामंत्री द्वारा दिए गए समय सीमा के अंदर पूरा करना है। बूथ हम जीते तो लोकसभा और विधानसभा भी हम जीतेंगे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, विधायक, सांसद आदि द्वारा कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन बैठक संपन्न करने की बात दुहराई। मरांडी ने कहा कि यह देवों के देव महादेव जी के सावन का पवित्र महीना है। यह खेती बारी का भी मौसम है। दुनियां में जितना भी कल्चर है उसके ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

गैंगस्टर अमन साव जेल से ऑपरेट कर रहा गैंग

दुमका जेल में बंद अमन को मिला फर्जी तरीके से सिम

रांची में आधा दर्जन कारोबारियों से मांगी रंगदारी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

गैंगस्टर अमन साव जेल में रहते हुए भी झारखंड पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ है।दुमका जेल से ही अमन साव कारोबारियो को टारगेट कर रहा है। अमन के नाम पर लगातार कारोबारियो को धमकी मिल रही है, जो धमकी को नजर अंदाज कर रहे है उनपर गोलियां चल रही है। राज्य के रांची, हजारीबाग, रामगढ़, चतरा और लातेहार जैसे जिलों में काम करने वाले कोयला कारोबारी दहसत में में है।

डीजीपी के आदेश के बाद एटीएस और सीआईडी संयुक्त रुप से अमन साव गिरोह पर नकेल कसने की कोशिश कर रही है।अमन साव और उसके गैंग की गतिविधियों की समीक्षा के बाद यह पाया गया है कि अमन साव ने गिरिडीह के एक व्यक्ति के पते पर फर्जी तरीके से सिम हासिल किया गया और फिर उसी सिम कार्ड का इस्तेमाल दुमका जेल से किया जा रहा। जांच में यह बात भी सामने आई है कि दुमका जेल के लोकेशन पर एक्टिव सिम से ही मयंक सिंह के नाम पर फेसबुक पेज ऑपरेट किया जा रहा है। सीआईडी के द्वारा इस मामले की ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

ब्लॉक कॉर्डिनेटर सिराज हत्याकांड में मामला दर्ज

पलामू। पलामू प्रमंडल के गढ़वा जिले के भवनाथपुर के ब्लॉक कॉर्डिनेटर सिराज अहमद की हुई हत्या मामले में मृतक के भाई इसरार अंसारी ने घटना के 24 घंटे बाद नगर ऊंटारी थाने में एफआईआर दर्ज करायी है। इसरार अंसारी ने थाने को दिये आवेदन में आरोप लगाया है कि सिराज की पत्नी सिम्मी बानो, ससुर नजीबुल्लाह अंसारी, सास बेबी खातून, भाई टीपू सुल्तान, सुलेमान अंसारी और इमरान अंसारी ने मिलकर षडयंत्र के तहत सिराज की हत्या की है। आवेदन में कहा है कि 2020 के बाद सिराज की पत्नी का व्यवहार गलत होने लगा। इस बीच सिराज के ससुराल वालों ने घर पर आकर सिराज के साथ मारपीट करते हुए उसकी पत्नी सिम्मी बानो को अपने घर ले गये। साथ ही दहेज में दिये स्विफ्ट कार भी साथ ले गये। इसके बाद सिराज के ससुराल वालों ने इस बीच कई बार सिराज के साथ मारपीट की, जिसकी प्राथमिकी न्यायालय में दर्ज करायी गई।

मॉनसून की बेरुखी से राज्य में सूखे की आशंका, अब तक मात्र 10 फीसदी बुआई

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मॉनसून की बेरुखी से झारखंड में एक बार फिर सूखे की आशंका गहराने लगी है। राज्य में अब तक औसत मॉनूसन की तुलना में 46.50 फीसदी कम बारिश हुई है। कई जिलों और इलाकों में तो खरीफ फसल की बुआई भी शुरू नहीं हुई है। खेतों में दरारें जैसे-जैसे बढ़ रही हैं, किसानों की उम्मीदें भी भरभराने लगी हैं। चतरा और धनबाद जिले में सबसे कम बारिश हुई है। चतरा में अब तक मात्र 71.2 और धनबाद में 86.9 एमएम बारिश हुई है, जो औसत से तकरीबन 75 फीसदी कम है। हजारीबाग, रामगढ़, पलामू, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, गिरिडीह, बोकारो, जामताड़ा, देवघर, रांची आदि

जिलों में भी 40 से 45 फीसदी कम बारिश ने चिंता बढ़ा दी है। राज्य में अब तक सबसे ज्यादा बारिश साहिबगंज जिले में 471 एमएम रिकॉर्ड की गई है, जो औसत से 15 फीसदी ज्यादा है। सरकार के पास जो रिपोर्ट है, उसके मुताबिक अब तक पूरे राज्य में मात्र दस फीसदी बुआई हुई है। इस वर्ष राज्य में कुल 28 लाख 27 हजार 469 हेक्टेयर में खरीफ की फसल लगाने का लक्ष्य तय किया गया है, जबकि आज की तारीख तक मात्र दो लाख 66 हजार 828 हेक्टेयर में ही बुआई हो सकी है।

मौसम विभाग की मानें तो 16 जुलाई से राज्य के ज्यादातर जिलों में बारिश शुरू होने के आसार हैं। वैसे इसके पहले भी मौसम विभाग ने अच्छी बारिश की भविष्यवाणी की थी। लेकिन, छिटपुट फुहारों से किसी तरह धरती ही भीग पाई है। खेत इस तरह तैयार नहीं हुए हैं कि बुआई की जा सके।

दागी विधायकों की औसत संपत्ति 16.36 करोड़ रुपये से अधिक है

देश के 70 फीसदी विधायकों पर है केस

ब्यूरो। नई दिल्ली

जो लोग हमारे लिए नियम कायदे बनाते हैं, उन विधायकों, सांसदों में से कितने प्रतिशत ऐसे हैं जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, यह जानकर बहुतों को अचरज होगा। पहले बात करते हैं विधायकों की। देश देशभर के विधानसभाओं में जो विधायक हैं, इनमें से 44 प्रतिशत विधायक ऐसे हैं, जिनके विरूद्ध आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से सबसे ज्यादा केरल में 70 प्रतिशत विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। ये आंकड़े एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा किए गए एक हालिया विश्लेषण से सामने आए हैं। इसके लिए एडीआर ने 4,033

विधायकों में से 4,001 के हलफनामों का विश्लेषण किया है। एडीआर और नेशनल इलेक्शन वॉच (एनईडब्ल्यू) द्वारा किए गए विश्लेषण में देशभर में राज्य विधानसभाओं और केंद्र शासित प्रदेशों में मौजूदा विधायकों के हलफनामों की जांच की गई। यह डेटा विधायकों द्वारा उनके हालिया चुनाव लड़ने से पहले दायर किए गए हलफनामों से निकाला गया था। विश्लेषण में 28 राज्य विधानसभाओं और दो केंद्र शासित प्रदेशों के मौजूदा 4,033 विधायकों में से कुल 4,001 को शामिल किया गया। विश्लेषण किए गए विधायकों में से 1,136 या लगभग 28 प्रतिशत ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े गंभीर आरोप शामिल हैं। राज्यवार आंकड़े देखें तो केरल में 135 में से 95 विधायकों यानी 70 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले होने की जानकारी दी है। इसी तरह बिहार में 242 विधायकों में से 161 (67प्रतिशत), दिल्ली में 70 में से 44 विधायक (63 प्रतिशत), महाराष्ट्र में 284 में से 175 विधायक (62 प्रतिशत), तेलंगाना में 118 में से 72 विधायक विधायकों (61 प्रतिशत) और तमिलनाडु में 224 विधायकों में से 134 (60 प्रतिशत) ने अपने हलफनामों में खुद के खिलाफ केस दर्ज होने की जानकारी दी है। रिपोर्ट में महिलाओं के खिलाफ अपराधों से जुड़े परेशान करने वाले आंकड़े भी सामने आए। रिपोर्ट के अनुसार, कुल 114 विधायकों ने महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े मामलों की घोषणा की है। इनमें से 14 विधायकों के खिलाफ तो दुष्कर्म (आईपीसी धारा-376) से संबंधित मामले दर्ज हैं।

विश्लेषण में आपराधिक रिकॉर्ड के अलावा विधायकों की संपत्ति की भी जांच की गई। राज्य विधानसभाओं में प्रति विधायक औसत संपत्ति 13.63 करोड़ रुपये पाई गई। हालांकि, दागी विधायकों की औसत संपत्ति 16.36 करोड़ रुपये से अधिक है, जबकि बिना आपराधिक ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

मानसून की बेरुखी पर बीएयू वैज्ञानिकों की सलाह

बिना बिचड़ा ही धान की सीधी बोवाई करें किसान : कुलपति

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्य में लगातार दूसरे वर्ष मानसून की बेरुखी से चिंतित किसानों के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने बिना बिचड़ा ही धान की सीधी बोवाई करने को कहा है। बीएयू कुलपति एवं ख्याति प्राप्त धान विशेषज्ञ डॉ ओंकार नाथ सिंह ने चिंताजनक वर्षा की स्थिति में राज्य के किसानों को ऊपरी (टांड़) एवं मध्यम भूमि (दोन झ 3) में कम अवधि (100-110 दिनों) की अवधि वाली सुखा रोधी धान किस्मों जैसे झ बिरसा विकास धान झ 109, बिरसा विकास धान झ 110, बिरसा विकास धान -111, वंदना, अंजलि, ललाट, नरेंद्र झ 97 एवं आईआर 64 (डीआरटी 1) की सीधी बोवाई करने की सलाह दी

है। कहा कि यह तकनीक कम पानी वाले खेतों में बिना कीचड़ और बिना बिचड़ा ही धान की खेती में उपयोगी साबित होगी और उपज भी रोपाई विधि के समान ही होगी। मजदूरों की कमी एवं वर्षा की असमानता की स्थिति में पंजाब एवं हरियाणा जैसे राज्यों में भी एरोबिक विधि से धान की खेती प्रचलित हो रही है। विवि के तीन प्रायोगिक शोध प्रक्षेत्रों में इस विधि से 23 दिन पहले लगायी गयी धान फसल लहलहा रही है। वैज्ञानिकों के मुताबिक फसल प्रदर्शन भी काफी बेहतर है। इन शोध प्रक्षेत्रों में इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टिट्यूट (आईआरआरआई), हैदराबाद से प्राप्त देश भर के 150 से अधिक उन्नत धान किस्मों का परीक्षण किया जा रहा है। परियोजना अन्वेषक (आईआरआरआई) डॉ. कृष्णा प्रसाद बताते है कि धान की सीधी बुवाई की एरोबिक विधि में जरुरत के मुताबिक सिंचाई और खेतों में जल जमाव नहीं रखा जाता है। जबकि दुसरे विधि में खेतों में पानी बांध कर रखा जा सकता है, इससे खर-पतवार में आसानी होती है। नमी होने पर खेत की जुताई कर अनुशंसित धान बीज की बुवाई सीड एंड फर्टिलाइजर सीड ड्रील से करनी चाहिए। सीड ड्रील नहीं होने पर छिटकवां विधि से बुवाई की जा सकती है। एक एकड़ में 10 कि। ग्रा। बीज की आवश्यकता होती है।

आदेश का पालन न करने पर कोर्ट ने जल संसाधन सचिव को किया तलब

नवीन मेल संवाददाता। रांची

दुमका जल संसाधन विभाग के कनीय अभियंता जगन्नाथ प्रसाद साह की सजा का आदेश रद्द कर बकाया भुगतान करने के आदेश का पालन न करने पर झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस राजेश शंकर की कोर्ट ने नाराजगी जताई। शनिवार को कोर्ट ने कहा, ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कोर्ट का आदेश अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। इस पर कोर्ट ने जल संसाधन सचिव को कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया। अगली सुनवाई 21 जुलाई को होगी। मामले में जगन्नाथ ने अवमानना याचिका दाखिल की है। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने जल संसाधन विभाग के उप सचिव को कोर्ट में सशरीर हाजिर होने का निर्देश दिया

था, लेकिन उपसचिव कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। जगन्नाथ पर दुमका में पदस्थापन के दौरान अनुपस्थित रहने पर विभागीय कार्रवाई की गई थी। उनकी बेसिक सैलेरी कम कर दी गई। सुनवाई में प्रार्थी ने कहा था कि पत्नी की तबीयत खराब थी। इसलिए वे कुछ दिन अनुपस्थित थे। योगदान देने पर उनका ट्रांसफर किया गया था। वहां विभाग मर्ज कर दिया गया था। अदालत ने सजा का आदेश निरस्त कर बकाया भुगतान करने का आदेश दिया था।

श्री श्याम भंडारे का हुआ वितरण

रांची। शनिवार को श्री श्याम मंदिर में 71वें भंडारे का हुआ आयोजन। इस मौके पर श्याम भंडारे का वितरण किया गया। प्रत्येक शनिवार को निरंतर श्री श्याम भंडारा होता है। श्री श्याम मित्र मंडल के पहले महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया व उप मंत्री अनिल नारनौली की अगुवाई में भंडारे के यजमान श्री परिवार मुरारी लाल अग्रवाल, मंजू देवी अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, खाटू नरेश, लड्डू गोपाल, शालिग्राम जी, शिव परिवार, हनुमान जी व गुरुजनों को भंडारे का प्रसाद अर्पित कर परिवार के लिए खुशहाली की प्रार्थना की। भोग लगे प्रसाद को विशाल भंडारे में मिश्रित करके महाप्रसाद बनाया गया। यजमान श्री अग्रवाल परिवार ने मंदिर के आचार्य को भंडारे का प्रसाद खिलाकर दक्षिण प्रदान कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी की निगरानी में मंदिर में ही खाटू नरेश का प्रिय भोग चूरमा खीर, वेजिटेबल पुलाव, राजमा मखाने की दाल, चिप्स का प्रसाद निर्मित किया गया था। इसके अतिरिक्त आम रस व टाफी भी भंडारे में रखा गया था। प्रसाद वितरण का समय होते-होते मंदिर परिसर भक्तों से अट गया, हरमू रोड में भक्तों की लंबी-लंबी कतारें लग गई।

स्वर्णकार भवन का उद्घाटन आज

रांची। पहाड़ी क्षेत्र कन्याकुब्ज स्वर्णकार संघ की प्रेस वार्ता स्वर्णकार भवन मधुकम तलाब, रांची में आयोजित की गई। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए गोपाल प्रसाद सोनी संरक्षक और जितेंद्र कुमार अध्यक्ष ने कहा कि रविवार को मधुकम स्थित नवनिर्मित पहाडी क्षेत्र कन्याकुब्ज स्वर्णकार भवन का उद्घाटन विधायक नविन जयस्वाल के कर कमलो द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश के महामंत्री प्रदीप शर्मा के साथ-साथ समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। जिसमें प्रमुख रूप से पूर्व विधायक जय प्रकाश गुप्ता, महाधिवक्ता अजीत कुमार सहित स्वर्णकार समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति रहेंगे । इस भवन के उदघाटन होने से इस क्षेत्र के लोगो मे काफी उत्साह है। संघ का कहना है कि इस स्वर्ण भवन के माध्यम से क्षेत्र का सर्वांगिन विकास होगा। जैसे बच्चा के लिए संस्कार केन्द्र चलाना, स्वास्थ्य कैम्प लगाना, कौशल विकाश के लिए, हुनर सिखाना जैसे कार्य संस्था की ओर से किए जाएंगे।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में दोषी युवक को 10 साल की कैद

रांची। पोक्सो मामले के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने शनिवार को शादी का झांसा देकर नाबालिग से यौन संबंध बनाने के जुर्म में दोषी करार संदीप कुमार उर्फ संदीप साव को 10 साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 10 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया है। जुमार्ने की राशि भुगतान नहीं करने पर उसे अतिरिक्त एक साल जेल काटनी होगी। अदालत ने अभियुक्त को 11 जुलाई को दोषी ठहराया था। अभियुक्त हजारीबाग के छोटकी बरही निवासी है। वह सदर थाना क्षेत्र में पीड़िता के घर में किराए पर रहता था। पहले उसके साथ जबरदस्ती की। इसके बाद शादी का झांसा देकर यौन संबंध बनाता रहा। पीड़िता ने उक्त आरोप में सदर थाने में 23 फरवरी 2020 को नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले में सुनवाई के दौरान एपीपी परमानंद यादव ने पीड़िता समेत तीन गवाहों को प्रस्तुत किया था।

अभाविप ने आईए में एडमिशन को लेकर प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

अचानक इंटरमीडिएट की पढ़ाई बंद होना चिंताजनक

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बेड़ो नगर के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को करमचंद भगत महाविद्यालय बेड़ो के प्राचार्य डॉ राजा अजीत कुमार को विद्यार्थियों के व्यापक हित में इंटरमीडिएट में शीघ्र नामांकन शुरू करने के लिए एक ज्ञापन सौपा। साथ ही वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए कहा कि करमचंद भगत कॉलेज ग्रामीण क्षेत्र में अवस्थित है। यहां हजारों की संख्या में विद्यार्थी इंटरमीडिएट (कला - विज्ञान व वाणिज्य) में अध्ययन करते हैं। अचानक यहां इंटरमीडिएट की पढ़ाई बंद होना अत्यंत चिंताजनक व दुखद है। जिससे यहां के मैट्रिक पास विद्यार्थी अत्यंत चिंतित व परेशान हैं। इनका नामांकन नहीं होने से हजारों विद्यार्थियों का शैक्षणिक भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। विद्यार्थियों

ने कहा कि झारखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग एवं विश्व विद्यालय प्रशासन के आदेशानुसार अब जल्द ही इंटर में नामांकन प्रारंभ होना है। विद्यार्थियों के व्यापक हित में अभाविप बेड़ो के कार्यकर्ताओं ने कॉलेज के प्राचार्य से इंटरमीडिएट 11वीं कक्षा में शीघ्र ही नामांकन शुरू करने की मांग किया। वहीं मौके पर अभाविप के प्रतिनिधि मंडल में मुख्यरूप से विक्रम कुमार महतो,गौतम कुमार, दिवाकर महतो,सोनम कुमारी, जयनंद लोहरा,योगेश कुमार, कुमारी तनु प्रिया व दिव्या कृति मौजूद थे। यह जानकारी एबीवीपी के मीडिया प्रभारी पारस ठाकुर ने दी है।

आदिवासियों की हो रही है अनदेखी : संजय वर्मा

खूंटी। कर्रा प्रखंड के जरियागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत चांपी गांव में शनिवार को सनातन धर्मावलंबियों की एक विशेष बैठक सुधीर सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य रूप से हिंदू जागरण मंच झारखंड प्रदेश परावर्तन प्रमुख संजय वर्मा एवं विश्व हिंदू परिषद खूंटी जिला मंत्री वीरेंद्र सोनी शामिल हुए। बैठक में गांव के दिवरी पतरा स्थित पुरातन शिवलिंग में सावन की पहली सोमवारी को पूजा-अर्चना करने गए सनातन धर्मावलंबियों को दूसरे समुदाय के लोगों द्वारा जलाभिषेक करने से रोके जाने की घटना की एक स्वर से निंदा की गई। साथ ही जिला प्रशासन से आपसी भाईचारा को बिगाड़ने वाले ऐसे अप्रिय घटना में शामिल लोगों के विरुद्ध अविलंब कार्रवाई करने तथा साजिश के तहत उत्पन्न किए जा रहे इस विवाद का स्थायी समाधान करने की मांग की गई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि सावन की दूसरे सोमवारी को दिवरी पतरा स्थित उक्त पुरातन शिवलिंग में सामूहिक रूप से जलाभिषेक व पूजा-अर्चना की जाएगी। मुख्य अतिथि संजय वर्मा ने कहा कि एक साजिश के तहत लगातार सनातन धर्म व संस्कृति पर हमला किया जा रहा है।

भाजपा नेता के प्रतिनिधि ने बोदा गांव में मृतक परिवार को अनाज देकर की सहायता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली पंचायत के बोदा गांव में मांडर विधानसभा क्षेत्र के युवा भाजपा नेता सन्नी टोप्पो के प्रतिनिधि महादेव कुजर ने मृतक के परिवार को अनाज मुहैया कराया। महादेव कुजूर ने कहा कि हमारे भाजपा नेता सन्नी टोप्पो गरीबों के मसीहा हैं। ये हमेशा अपने मांडर विधान सभा क्षेत्र के लोगों की मदद व सुख दुख में हमेशा तैयार रहते हैं। वहीं मौके पर रंजन गुप्ता, सुनील ओहदार,सुदामा ओहदार, पंसस फुलमनी देवी,रमेश उरांव, नारायण महली व बुदू उरांव समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

सभी श्रमिक अपना रजिस्ट्रेशन ई-श्रम पोर्टल में जरूर करायें : श्रम अधीक्षक

खूंटी। स्वयंसेवी संस्था सिन्दुआरटोला ग्रामोदय विकास विद्यालय खूंटी, जतन रांची तथा श्रम विभाग खूंटी के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को श्रम विभाग कार्यालय खूंटी के सभागार में सुरक्षित पलायन एवं महिलाओं के कानूनी अधिकार पर एक दिवसीय प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन श्रम अधीक्षक बबन कुमार सिंह, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अल्ताब और संस्था के सचिव राजेन कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। संस्था के सचिव राजेन कुमार ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विषय प्रवेश कराया और खूंटी जिले में हो रही बाल तस्करी, बाल विवाह, बाल यौन शोषण और महिलाओं के कानूनी अधिकार को कैसे सुरक्षित रखा जाए, उस पर प्रकाश डाला। जिला बाल संरक्षण इकाई खूंटी के अल्ताफ ने कहा की बच्चों का संरक्षण बहुत जरूरी है। उन्होंने बाल तस्करी, बाल विवाह बाल, यौन शोषण, बाल मजदूरी से कैसे बच्चों को सुरक्षित रखें, पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार से बच्चे शोषित होते हैं, तो वह बच्चे या उनके अभिभावक जिला बाल संरक्षण इकाई और बाल कल्याण समिति में शिकायत दर्ज कर सकते हैं। ग्राम स्तर पर बाल संरक्षण समिति बनी हुई है उसको सभी लोग अपने गांव में उस समिति को सशक्त करें और अपने बच्चों को सुरक्षित रखें। श्रम अधीक्षक बबन कुमार सिंह ने कहा कि पलायन को सुरक्षित बनाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आप जहां कार्य करने जा रहे हैं, उस कार्य का क्या स्वरूप है, कितना पैसा मिलेगा, कैसे मिलेगा, उसे सुनिश्चित कर ले। उन्होंने कहा कि जिन ठेकेदार या काम दिलाने वाले के साथ आप जा रहे हैं, उसका भी रजिस्ट्रेशन जरूर कराएं और आप अपना भी रजिस्ट्रेशन ई-श्रम पोर्टल में जाकर कर सकते हैं।

विहिप ने 56 वर्षीय अनाथ प्रतिमा की देह को दी मुखाग्नि

नवीन मेल संवाददाता। रांची

आज यह बात चरितार्थ हो गई कि जिसका कोई नहीं उसका भगवान होता है। भगवान उनका स्वयं कोई ना कोई रास्ता बना देते हैं। रांची जेल रोड़ स्थित निर्मल हृदय नाम की संस्था में आज पिछले 12-13 वर्षों से रहने वाली प्रतिमा नाम की महिला का रात्रि के अंतिम पहर में प्राकृतिक कारणों से 56 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। सभी लोग बहुत बेचैन थे कि उनका दाह संस्कार कैसे किया जाएगा।

आश्रम वासियों ने तत्काल विश्व हिंदू परिषद रांची महानगर के अध्यक्ष कैलाश कुमार केसरी से संपर्क किया और केसरी यह सुनकर बहुत द्रवित हो उठे। विश्व हिंदू परिषद के सभी कार्यकर्ताओं को सूचित किया कि कोई भी हिंदू यदि इस प्रकार स्वाभाविक मृत्यु को प्राप्त होता है तो उसके पार्थिव शरीर को पंचतत्व में विलीन करने का

दायित्व हम सबका है। अतः इसी को देखते हुए विश्व हिंदू परिषद के सेवा विभाग के प्रांत सह सेवा प्रमुख अशोक कुमार अग्रवाल और रांची विभाग सेवा प्रमुख राजेंद्र प्रसाद सिंह मुंडा ने तत्काल मारवाड़ी सहायक समिति से संपर्क कर मुक्तिधाम हरमू में उनके दाह संस्कार की व्यवस्था की गई। दोपहर 3 बजे मुक्तिधाम में संत सुपन समाज रांची (डोम समुदाय) के प्रमुख रंजीत कुमार राम, अरुण कुमार राम की देखरेख में कैलाश केसरी ने दिवंगत प्रतिमा के पार्थिव देह को पंडित भीम पान्डे जी के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मुखाग्नि देकर पंचतत्व में विलीन किया।

पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण का संकल्प लें : तुषारकांति शीट

रांची। पेड़-पौधे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। पर्यावरण को स्वच्छ रखते हैं। इसलिए पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण करना हमारा नैतिक कर्तव्य बनता है। उक्त बातें सामाजिक संस्था श्री रामकृष्ण सेवा संघ के सहायक सचिव और जाने-माने समाजसेवी तुषार कांति शीट ने कही। उन्होंने कहा कि सावन के महीने में भगवान शिव की उपासना के साथ ही प्रकृति के संरक्षण व संवर्धन का भी संकल्प लें। सावन माह में शिव की उपासना की विशेष महत्ता है। सावन के महीने में वर्षा के कारण खेतों की भरपूर सिंचाई होती है और प्रकृति भी अपने पूरे हरे-भरे रूप में नजर आती है। ऐसे में वर्षा के महीने में हम अधिक से अधिक जल संरक्षण और पौधारोपण कर हरियाली के सिमटते दायरे और जलाशयों के सूखने के संकट से छुटकारा पा सकते हैं। अपने भविष्य को सुरक्षित और जीवन को खुशहाल बना सकते हैं।

केसीबी कॉलेज बेड़ो में विदाई समारोह का हुआ आयोजन

विद्यार्थियों का व्यक्तित्व व चरित्र शिक्षा से ही होगा संभव : प्राचार्य

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो

कॉलेज का अस्तित्व विद्यार्थियों से ही टिका है। उक्त बातें प्राचार्य डॉ राजा अजीत कुमार ने शनिवार को करमचंद भगत महाविद्यालय बेड़ो के सभागार में एम ए इतिहास विभाग के तत्वावधान में आयोजित विदाई समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने उपस्थित अतिथियों के साथ मिलकर दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का व्यक्तित्व, चरित्र और उच्चतम आदर्श का निर्माण कॉलेज में ही संभव है। समारोह में शिक्षकों में डॉ मथुरा राम उस्ताद, प्रो नवल किशोर शाही, प्रो इन्द्र मोहन राय व प्रो विंध्याचल राम ने अपने विचार

रखे। समारोह में शिक्षिका डॉ अल्पना ने गीत प्रस्तुत कर शिक्षकों व विद्यार्थियों को अभिभूत कर दिया। वहीं विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद विदाई समारोह में एम.ए. के पास आउट हुए छात्र व छात्राओं के विदाई में कार्यक्रम प्रस्तुत कर पास आउट हुए छात्रों के उपहार भेंट कर सम्मानित किया और भावभीनी विदाई दी। वहीं समारोह को सफल बनाने के लिए दर्जनों विद्यार्थियों ने सराहनीय योगदान दिया। समारोह का संचालन छात्र विजय कुमार और धन्यवाद ज्ञापन डॉ अल्पना ने किया।

कामयाबी | **कांग्रेस कमेटी के कार्यकारिणी अध्यक्ष ने कहा-**

चन्द्रयान-3 का लॉन्चिंग गर्व का क्षण

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पूर्व मंत्री, झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य और झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि चन्द्रयान-3 की सफलता पूर्वक लॉन्चिंग पूरे देश के लिये गर्व का क्षण है लेकिन झारखण्ड के परिप्रेक्ष्य में हमारी खुशियां बहुत ही खास है। श्री तिर्की ने कहा कि चन्द्रयान-3 को जिस एसएलपी-सेकेंड लॉन्चिंग पैड से अंतरिक्ष में सफलता के साथ भेजा गया है उसकी डिजाइन टर्न-की प्रोजेक्ट के आधार पर रांची के मेटालर्जिकल एंड इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (मेकॉन) द्वारा तैयार किया गया था जबकि उसका निर्माण रांची में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम मदर इंडस्ट्रीज हेवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड (एचईसी) में किया गया। उन्होंने कहा कि देशहित में एचईसी और मेकॉन ने आज फिर से अपनी सार्थकता एवं उपयोगिता प्रमाणित कर दी है।

श्री तिर्की ने कहा कि झारखण्ड के सवा तीन करोड़ लोगों के साथ ही झारखण्ड में अवस्थित सार्वजनिक व निजी क्षेत्र

देशहित में एचईसी और मेकॉन ने आज फिर से अपनी सार्थकता एवं उपयोगिता प्रमाणित कर दी है

केवल रांची या झारखण्ड बल्कि देश भर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों-उपक्रमों के साथ उपेक्षापूर्ण रवैया अपना रही है जिसका खामियाजा झारखण्ड के औद्योगिक क्षेत्र को भुगतना पड़ रहा है। श्री तिर्की ने कहा कि केन्द्र सरकार की उपेक्षित, राष्ट्र विरोधी और अदूरदर्शिता नीति के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को अनेक स्तर पर परेशानियों एवं चुनौतियां का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों के झारखण्ड के उद्योगों और उससे जुड़े अधिकारियों, अभियंताओं, कर्मचारियों, श्रमिकों के अलावा आम आम लोगों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि वर्तमान समय में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को निजी क्षेत्र से तीव्र प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है और केन्द्र सरकार की सकारात्मक एवं अनुकूल औद्योगिक नीति नहीं होने के कारण कुल मिलाकर देश में आर्थिक एवं औद्योगिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है पर इस स्थिति में भी वही एचईसी, देश का गर्व, सम्मान और अभिमान बढ़ा रहा है जिसके पास अपने अधिकारियों, कर्मचारियों और श्रमिकों को वेतन देने तक की राशि का अभाव है। श्री तिर्की ने कहा कि जिस प्रकार से चन्द्रयान-3 की सफलतापूर्वक लॉन्चिंग की गयी है उसको देखते हुए केन्द्र सरकार को एचईसी, मेकॉन जैसे उपक्रमों के सम्बन्ध में अविलंब सकारात्मक निर्णय लेना चाहिये और देश हित में औद्योगिक नीति का पुर्ननिर्धारण करना चाहिये जिससे मदर इंडस्ट्री कही जानेवाली एचईसी के साथ ही इंडस्ट्रियल कंसलटेंसी एवं डिजाइनिंग के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना झंडा गाड़ चुके मेकॉन जैसे उपक्रमों को नकारात्मकता और उपेक्षा का शिकार नहीं होना पड़े।

झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस एसएन पाठक ने मंदिर में की पूजा-अर्चना

खूंटी। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस डॉ एसएन पाठक शनिवार को खूंटी पहुंचे और कर्रा प्रखंड स्थित सोनमेर माता-मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने मंदिर परिसर में कल्पतरू, रुद्राक्ष, रक्त चंदन आदि के पौधों का रोपण किया। बाद में न्यायमूर्ति ने राजकीय उच्च विद्यालय कर्रा में विधिक साक्षरता क्लब का उद्घाटन किया। इस दौरान कानूनी साक्षरता शिविर का शुभारंभ न्यायमूर्ति डॉ एसएन पाठक, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा खूंटी के अध्यक्ष सत्य प्रकाश, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, उप विकास आयुक्त नीतीश कुमार सिंह, डीएफओ कुलदीप मीणा, एसडीओ अनिकेत सचान सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। न्यायाधीश पाठक ने साक्षरता क्लब में उपलब्ध कानून संबंधी पुस्तकों, पर्चों का अवलोकन किया। पुस्तकें डालसा, खूंटी द्वारा उपलब्ध करायी गई हैं। मौके पर न्यायाधीश ने विद्यार्थियों से सवाल पूछे, जिनके उत्तर छात्र-छात्राओं ने आत्मविश्वास के साथ दिया।

आदिवासी समाज पर हो रहा राजनीतिक हमला : प्रेम शाही

नवीन मेल संवाददाता। रांची

शनिवार को आदिवासी जन परिषद की बैठक प्रेम शाही मुंडा की अध्यक्षता मे संपन्न हुई। इसका संचालन महासचिव प्रकाश मुंडा ने की। इस बैठक को संबोधित करते हुए प्रेम शाही मुंडा ने कहा कि आदिवासी समाज को चारों तरफ से राजनीतिक हमला किया जा रहा है और आदिवासियों का राजनीतिक इस्तेमाल भी किया जाता रहा है। राज्य के सभी राजनीतिक दल यूनिफॉर्म सिविल कोड पर स्थिति स्पष्ट करें। संविधानिक अधिकार के साथ-साथ हमारा जमीन की लूट पुरजोर तरीके लूट चल रही है। यह आदिवासी सरकार है' परंतु हेमंत सरकार के द्वारा में कोई काम नहीं हो पा रहा है। नहीं नौकरी मिल पा रहा है न हीं कारोबार पर अधिकारमिल पा रहा है जमीन लूट के खिलाफ सरकार पर फिसड्डी साबित हुई है। बैठक में जो निर्णय लिया गया उसमें मुख्य रूप से यूनिफार्म सिविल कोड का हर स्तर पर विरोध किया जाएगा यूसीसी आने से धर्म- संस्कृति एवं संविधानिक अधिकार पांचवी अनुसूची, छठी

अनुसूची, सीएनटी एक्ट एसपीटी एक्ट कानून समाप्त हो जाए' आंदोलन को तेज करने के लिए राष्ट्रव्यापी आदिवासियों की बैठक 30 जुलाई 2023 को विधानसभा सभागार में आहूत की गई है उसमें आदिवासी जन परिषद के कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। आदिवासी जन परिषद हेमंत सोरेन सरकार से मांग करती है कि राज्य में सर्वदलीय यूसीसी के खिलाफ सरकार सर्वदलीय बैठक बुलाकर के हेमंत सरकार सहमति बनाएं। 3 से 9 अगस्त 2023 को आदिवासी जन परिषद के द्वारा आदिवासी दिवस धूमकुड़िया करम टोली रांची में हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। आदिवासियों की जमीन लूट के खिलाफ आदिवासी जन परिषद आंदोलन तेज करेगी और रैयतो को दखल दिखाने दिलवाएगी। यूनिफॉर्म सिविल कोड के खिलाफ झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस, वाम दल राष्ट्रीय जनता दल के सदस्य स्थिति स्पष्ट करें। लेबर कार्ड आदिवासियों के विकास में ट्राईबल सब प्लान की योजनाओं को विकास के लिए जागरूकता अभियान चलाएगी और आदिवासियों के विकास के लिए अभियान चलाएगी। इस बैठक में अभय भुट कुवर प्रधान महासचिव प्रकाश मुंडा, महासचिव प्रदीप करमाली, युवा अध्यक्ष आदिवासी जन परिषद सिदाम सिंह पांच परगना क्षेत्रीय कमेटी सावना सिंह मुंडा रांची जिला अध्यक्ष ,एमआर माझी, सिकंदर मुंडा सुरेश मुंडा अक्षय कुमार भोक्ता आदि शामिल हुए।

बीआईटी मेसरा के 68वें स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित

सभी क्षेत्रों में हैं चुनौतियां : राज्यपाल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि तेजी से विकसित हो रही दुनिया में पिछले दशकों के सिद्ध मॉडल निरर्थक होते जा रहे हैं। सभी क्षेत्रों में चुनौतियां हैं, जिनका आधुनिक समाधान जरूरी है। मुझे विश्वास है कि इस संस्थान के छात्र इन चुनौतियों से निपटने और विशिष्टता के साथ देश और पेशे की सेवा करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं। राज्यपाल शनिवार को बीआईटी मेसरा के 68वें स्थापना दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीआईटी मेसरा उच्च शिक्षा का एक संस्थान बनाने की दृष्टि से शुरू हुआ था जो न केवल ज्ञान प्रदान करेगा, बल्कि नवाचार और समग्र विकास को भी बढ़ावा देगा। यह दृष्टिकोण कार्य में परिवर्तित हो गया और संस्थान को भारत के विश्वविद्यालयों में बेहतरीन तकनीकी संस्थानों में से एक बना दिया। उन्होंने कहा कि अतीत के गौरवशाली इतिहास को आगे बढ़ाते हुए भविष्य की आकांक्षाओं में बाधा नहीं बननी चाहिए। राज्यपाल ने उम्मीद जतायी कि बीआईटी मेसरा झारखंड राज्य और देश के लोगों की भलाई के साथ आर्थिक समृद्धि के लिए इंटेलिजेंस, अंतरिक्ष इंजीनियरिंग, सैटेलाइट संचार, बिजली उत्पादन और वितरण, जल संसाधन प्रबंधन और कई अन्य क्षेत्रों में योगदान देगा। दुनिया आने वाले वर्षों में पर्यावरणीय चुनौतियों के लिए उत्सुकता से तकनीकी समाधान तलाश रही है। ऐसे में भारत के युवा इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को चाहिए कि इस कार्य में सफलता हासिल करने में मदद करें। उन्होंने कहा कि हमने 21वीं सदी की सबसे विनाशकारी महामारी यानी कोविड-19 पर काबू पा लिया है और अपनी भविष्य की यात्रा की ओर आगे बढ़ गए हैं। हमने महामारी के दौरान तकनीकी नवाचार भी देखा। आर्थिक गतिविधियां अब पटरी पर हैं। विकास दर बढ़ रही है। रोजगार के अधिक अवसर पैदा हो रहे हैं। स्टार्ट-अप को सरकार समर्थन दे रही है। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के पूर्ण कार्यान्वयन से एक आदर्श बदलाव आएगा। राज्यपाल ने कहा कि मैं यहां सिर्फ भारतीय शिक्षण संस्थानों जैसे कि नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला और भी कई संस्थानों के बारे में याद दिलाना चाहता हूं। बाणभट्ट की कादंबरी, लगभग 1400 साल पहले के नालंदा के शुरूआती चरण के समकालीन, एक सच्चे शिक्षित व्यक्ति का वर्णन करती है। इसने कई कलाओं या कलाओं में महारत हासिल की है।

के बीच मारपीट के मामले में जांच कमेटी गठित

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने विगत शुक्रवार को हुई छात्रों के बीच मारपीट की घटना पर त्वरित संज्ञान लेते हुए विश्वविद्यालय स्तर पर प्रॉक्टर की अध्यक्षता में एक जांच कमेटी गठित की है। कुलपति ने शनिवार को एक आपात बैठक आयोजित कर कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर गठित कमेटी गहनता से यह जांच करेगी कि इस घटना में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की संलिप्तता है या बाहरी तत्वों की सहभागिता। उन्होंने कहा कि साक्ष्य में इस बात की अस्पष्टता है कि घटना विश्वविद्यालय परिसर में घटी या बाहर। कमेटी इन सारे तथ्यों का बारीकी से मूल्यांकन कर जल्द अपनी रिपोर्ट विश्वविद्यालय को सौंपेगी। जांच में अगर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के शामिल होने की पुष्टि होगी। तो उन विद्यार्थियों पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में शिक्षण गतिविधियों के अलावा किसी और असामाजिक गतिविधियों को प्रश्रय नहीं दिया जाएगा।

मांगों को लेकर भाकपा और बस सेवा के कर्मचारियों ने किया निगम का घेराव

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाकपा और जवाहर लाल नेहरू बस सेवा के कर्मचारियों ने शनिवार को संयुक्त रूप से रांची नगर निगम का घेराव किया। घेराव करने से पूर्व सभी भाकपा नेता और बस कर्मचारी राज्य कार्यालय अल्बर्ट एक्का चौक में एकत्रित हुए। इसके बाद रैली के रूप में मेन रोड शहीद चौक होते हुए रांची नगर निगम पहुंचे। नेताओं और बस कर्मचारियों ने तीन घंटे तक नगर निगम के मुख्य गेट में तालाबंदी कर बंद रखा। इस दौरान नेताओं और कर्मचारियों ने नगर निगम प्रबंधन से मिलने की इच्छा जाहिर की लेकिन पहले से समय तय नहीं होने के कारण नगर निगम की ओर से 17 जुलाई को मिलने का समय दिया गया। इसके बाद घेराव कार्यक्रम स्थगित किया गया। निगम कर्मियों की मांगों की जानकारी देते हुए भाकपा नेता अजय सिंह ने बताया कि नगर निगम की ओर से 2010 से अभी तक कार्य कर रहे कर्मचारियों का वेरिफिकेशन नगर आयुक्त अपनी उपस्थिति में करायें। नियमावली की अनुसार शहर में बसों का संचालन हो, सभी बसों में भाड़ा निर्धारित किया जायें। रेट चार्ट लगायें और टिकट उपलब्ध कराया जायें। महिला बस पर महिला कर्मचारी सुनिश्चित कराया जायें। सभी कर्मचारियों का वेतन भुगतान बैंक अकाउंट में किया जायें। इस मौके पर सिमरन मिंज,किरण कुमारी, राजेश यादव,विनय ओझा, जीत, धरमवीर सिंह, अजय चौधरी, निरंजन भारती सहित अन्य लोग मौजूद थे।

उपायुक्त ने कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा

पदाधिकारियों को दिये निर्देश

नवीन मेल संवाददाता। रांची

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने शनिवार को कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक में संबंधित सभी अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना (चिकित्सा अनुदान), शहीद ग्राम विकास योजना, प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम की समीक्षा की। उपायुक्त ने कहा कि जिन प्रखंडों में बिरसा आवास योजना का कार्य होना लंबित है, वैसे मामलों पर जोर देकर इसे पूरा कराना सुनिश्चित करें। विशेष रूप से बुंडू, खलारी, तमाड़ प्रखंड में जो आवास पूरा नहीं हुआ हैं, उसे तीन माह के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही लाभुकों का आइडेंटिफाई एवं एकरारनामा कार्य पूर्ण कराने को कहा गया। कार्य पूर्ण नहीं होने पर इसपर कार्रवाई की जायेगी। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारी से पूछा कि सरना, मसना, हड़गड़ी और जाहेरस्थान घेराबंदी योजना से संबंधित राशि मिल जाती हैं। किसी प्रकार की कोई समस्या तो नही हैं। इस योजना का पूरा होने पर ध्यान देने का निर्देश देते हुए रांची जिला के सभी प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी को कार्य स्थल पर जाकर निरीक्षण और इस कार्य की मॉनिटरिंग पर ध्यान देने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि लंबित कार्य को छह माह में पूरा कराये। उपायुक्त ने कल्याण विभाग की ओर से संचालित मिलने वाली पोस्ट मैट्रिक/प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति के बारे में संबंधित अधिकारी से जानकारी लेते हुए छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति का भुगतान ससमय हो इसपर ध्यान देने का निर्देश दिया।

जन शिकायत एवं जन सूचना कोषांग का निरीक्षण

रांची। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने शनिवार को जन शिकायत एवं जन सूचना कोषांग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त द्वारा प्रभारी पदाधिकारी जन सूचना कोषांग डॉक्टर प्रभात शंकर एवं प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग श्रीमती ब्रजलता को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा द्वारा जन शिकायत एवं जन सूचना कोषांग में कार्यरत कर्मियों से उनकी ओर से निष्पादित किए जाने वाले कार्यों तथा अभिलेख के रख-रखाव की जानकारी ली गयी। आगत-निर्गत पंजी का अवलोकन करते हुए उपायुक्त ने प्राप्त शिकायतों/आवेदनों को लेकर संबंधित विभाग से ससमय पत्राचार करने के निदेश दिये। उन्होंने कहा कि इस बात का विशेष ध्यान रखें कि शिकायत निवारण की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो। जन सूचना के कोषांग के कार्यों की बारीकी से समीक्षा करते हुए भी उपायुक्त ने सूचना के अधिकार के तहत मांगी गयी जानकारी ससमय आवेदक को उपलब्ध कराने के निदेश दिये।

नामांकन नहीं होने पर बिरसा कॉलेज में तालाबंदी करेगा विद्यार्थी परिषद

रांची। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को बिरसा महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर चेतावनी दी कि विश्वविद्यालय एवं उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के आदेश के बाद भी इंटरमीडिएट में सोमवार से नामांकन नहीं किया गया, तो परिषद बिरसा कॉलेज में तालाबंदी करेगी। जिला संयोजक कमलेश महतो ने कहा की विद्यार्थी नामांकन के लिए रोज कॉलेज का चक्कर काट रहे हैं। इस मौके पर नगर मंत्री राहुल कुमार, अनामिका कुमारी, प्रकाश टूटी, विशाल कुमार, सहिंदर महतो, चंदन कुमार सहति अन्य उपस्थित थे।

बर्थडे पार्टी में अपने दोस्त के साथ चार लड़कों ने किया सामूहिक दुष्कर्म

सड़क पर छोड़ हुए फरार, पुलिस ने दबोचा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजधानी रांची के सदर इलाके में रहने वाली एक स्कूली छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। नबालिग का आरोप है कि शुक्रवार देर रात जब वह एक जन्मदिन की पार्टी से लौट रही थी, तभी पार्टी में शामिल चार लड़के सुनसान जगह देख कर उसे सड़क के किनारे ले गए और फिर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। बर्थडे पार्टी के बाद दुष्कर्म रांची में एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। रांची के कोकर थाना इलाके की रहने वाली एक नाबालिग छात्रा के साथ चार लड़कों ने गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया गया है। छात्रा के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देने वाले चारों लड़कों में से दो नाबालिग हैं। चारों छात्रा के मोहल्ले के ही रहने वाले हैं। छात्रा ने पुलिस को दिए बयान में बताया है कि विगत शुक्रवार की शाम वह अपने चारों दोस्तों के साथ बर्थडे पार्टी मनाने के लिए सदर इलाके के एक रेस्टोरेंट में गई हुई थी। जन्मदिन की पार्टी खत्म होने के बाद जब वह घर लौटने लगी उस दौरान चारों लड़के भी उसी के साथ लौट रहे थे। अचानक एक सुनसान जगह पर चारों उसके साथ छेड़खानी करने लगे। विरोध करने पर चारों उसे पास ही एक सुनसान जगह ले गए और बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म करने के बाद चारों मौके से फरार हो गए।

हीमोफीलिया ट्रीटमेंट सोसाइटी की छठी वर्षगांठ मनी

रांची। रिम्स में हिमोफीलिया ट्रीटमेंट सोसाइटी ने शनिवार को अपनी छठी वर्षगांठ मनाई। मौके पर एचएसआरसी-एचटीसी डे केयर के चेयरमैन डॉ गोविंद सहाय ने इलाज की व्यवस्था पर प्रकाश डाला। डॉ मिनी रानी अखौरी व डॉ पार्था चौधरी ने मरीजों के साथ व्यवहार व उपचार की व्यवस्था पर चर्चा की।

पूर्व विधायक हरिहर नारायण प्रभाकर का निधन

नवीन मेल मेल संवाददाता। रांची

पूर्व विधायक हरिहर नारायण प्रभाकर का शनिवार को रांची के रिम्स में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। प्रभाकर राज धनवार विधानसभा क्षेत्र से 1977, 1985 और 1990 में बिहार विधानसभा के सदस्य चुने गए थे। झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो ने प्रभाकर के निधन पर शोक प्रकट करते हुए कहा कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे एवं उनके परिवारजनों को इस दुख की घड़ी में सहन शक्ति प्रदान करें। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी है।

सरकार पर वादाखिलाफी का लगाया आरोप

वेतनमान की मांग को लेकर सड़क पर उतरे पारा शिक्षक

नवीन मेल संवाददाता। रांची

एक ओर जहां राज्य सरकार सहायक अध्यापक नियुक्ति में टेट पास सफल अभ्यर्थियों के लिए सीटें आरक्षित कर शिक्षकों का नियमित नियुक्ति करने की तैयारी में है। वहीं दूसरी ओर टेट पास सहायक अध्यापक वेतनमान की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। वेतनमान की मांग को लेकर राज्य भर के पारा शिक्षक जो सहायक अध्यापक के रुप में जाने जाते हैं, शनिवार को सीएम आवास का घेराव करने रांची पहुंचे। मोरहाबादी मैदान से सीएम आवास की ओर न्याय मार्च निकाला। लेकिन इन सहायक अध्यापकों को बीच में ही मोरहाबादी मुख्य सड़क पर पुलिस बैरिकेडिंग के समक्ष रोक दिया गया। इस दौरान सहायक अध्यापक पुलिस से बैरिकेडिंग हटाने की मांग करते रहे। टेट पास सहायक अध्यापक समन्वय समिति के बैनर तले सड़क पर उतरे ये पारा शिक्षक सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की।सहायक आचार्य परीक्षा में शामिल नहीं होंगे पारा शिक्षक: वेतनमान की मांग कर रहे आंदोलनरत पारा शिक्षकों ने सरकार द्वारा आयोजित होने वाली सहायक आचार्य परीक्षा में शामिल नहीं होने की धमकी दी है। सरकार की वादाखिलाफी से नाराज पारा शिक्षकों का कहना है कि पिछले 15 से 20 वर्षों से वे सरकारी स्कूल में पढ़ा रहे हैं और अब सरकार परीक्षा लेकर हमें नियमित करने की बात कह रही है जो न्याय संगत नहीं है। उन्होंने कहा कि वेतनमान देकर नियमित नहीं किया जाता है तो पारा शिक्षक आने वाले समय में राज्य सरकार के खिलाफ उलगुलान करेंगे और पूरे राज्यभर में नाकेबंदी कर देंगे। टेट पास पारा शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिस समय समझौता हो रहा था तो उस समय मुख्यमंत्री ने यह कहा था कि 3 महीने के अंदर वेतनमान दी जाएगी मगर आज तक यह नहीं हुआ। ऐसे में पारा शिक्षक अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। हम न्याय मार्च के जरिए मुख्यमंत्री के समक्ष गुहार लगाने आये हैं कि हमारी मांगों को जल्द से जल्द वह सरकार माने नहीं तो राज्य के करीब 15 हजार पारा शिक्षक आने वाले समय में उग्र आंदोलन करेंगे।

डेंगू रोधी माह
(जुलाई 2023)

डेंगू/चिकनगुनिया संक्रमित एडिस मच्छर के काटने से होता है

याद रखें- प्रत्येक रविवार दिन में 10 बजे, 20 मिनट- अपने घर एवं आस पास मच्छरों के प्रजनन को रोकने हेतु आवश्यक उपाय करें।

क्या करें

- डेंगू/चिकनगुनिया फैलाने वाले एडिस मच्छर साफ पानी में ही पनपते हैं, इसलिए पानी के बर्तनों, पानी की टंकी आदि को ढक कर रखें। घर के आस-पास सफाई रखें।
- जब भी सोयें, मच्छरदानी के अंदर ही सोयें।
- एडिस मच्छर हमेशा दिन के समय काटते हैं, इसलिए पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें।
- डेंगू/चिकनगुनिया बुखार के उपचार के लिए कोई विशेष दवा नहीं है। अगर डेंगू/चिकनगुनिया के लक्षण दिखाई दे, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।
- मच्छरों से बचाव के लिए घर की खिड़की तथा दरवाजे पर जाली लगवायें

क्या नहीं करें

- घर के आस-पास या छत पर प्रयोग में न आने वाले बर्तन, टायर आदि न रखें एवं घर में कूलर, बाल्टी, फूलदान, फ्रिज ट्रे में पानी जमा नहीं होने दें।
- टूटे हुए बर्तन, प्रयोग में नहीं आने वाली बोतलें, टिन, बेकार के टायरों को जमा न रखें, क्योंकि बारिश के मौसम में इन्हीं में पानी जमा होता है, जिसमें एडिस मच्छर पनपते हैं।
- बिना मच्छरदानी के नहीं सोयें।
- शरीर को पूरी तरह न ढकने वाले कपड़ों का प्रयोग नहीं करें।
- बुखार होने पर उसे अनदेखा नहीं करें।
- बगैर जाली लगे खिड़की तथा दरवाजे शाम एवं सुबह में खुले न रखें, क्योंकि इस समय मच्छरों का प्रकोप अधिक रहता है।

PR No. 302426 (Health Med Edu and Family Welfare) 2023-24

तेज बुखार, जोड़ों एवं मांसपेशियों में दर्द को अनदेखा न करें, यह डेंगू/चिकनगुनिया हो सकता है।

ये लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। 104 डायल करें

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार

NEWS इन ब्रीफ

बंद घर से 70 हजार नगद समेत लाखों के जेवरात उड़ाए

धनबाद। गुरुवार की रात बरवाअड्डा में लूट का तांडव मचाने के बाद अपराधियों ने शुक्रवार 14 जुलाई की रात सरायढेला थाना क्षेत्र के शक्ति विहार कॉलोनी में एक बंद घर से चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम देकर पुलिसिया व्यवस्था का मखौल बना दिया. शक्ति विहार कॉलोनी निवासी सुरेंद्र कुमार सिंह का पूरा परिवार इलाज के लिए कोलकाता गया था. इसी का फायदा उठाकर अपराधी घर का ताला तोड़ कर घर में दाखिल हुए और 70 हजार नगदी समेत लाखों के जेवरात लेकर चंपत हो गये. घटना की जानकारी शनिवार 15 जुलाई की सुबह सुरेंद्र कुमार सिंह को उनके पड़ोसियों ने दी. जिसके बाद उनका भतीजा मनीष कुमार मौके पर पहुंचे और सरायढेला थाना को घटना की जानकारी दी. पुलिस मौके पर पहुंच कर छानबीन में जुट गई. मनीष कुमार ने बताया कि उनके चाचा सुरेंद्र कुमार सिंह एक रिटायर्ड बीसीओ है और कैंसर के इलाज के लिए घर में ताला लगा कर कोलकाता गए हैं.

पूर्व विधायक हरिहर नारायण प्रभाकर का निधन, शोक

गिरिडीह। धनवार की राजनीति के धुरी माने जाने वाले हरिहर नारायण प्रभाकर का 15 जुलाई को निधन हो गया. वे 93 वर्ष के थे. उनकी राजनीतिक सफर की शुरूआत जनसंघ के समय से हुई थी. एकीकृत बिहार में धनवार विधानसभा से वे 1977 में विधायक बने थे. दो बार भारतीय जनता पार्टी के विधायक रहे. 1990 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए और 1990 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी के विधायक बने. उसके बाद उनके जीवन में राजनीतिक उठापटक चलती रही. इसी बीच वे समरेश सिंह के साथ जुड़ गए और बाद में वह अंतिम बार चुनाव लोजपा से लड़े. उसके बाद उनकी घर वापसी भाजपा में हुई और अंततः वह भाजपा से जुड़े रहे. इनके निधन की खबर सुनकर हजारों की संख्या में लोग पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी. वे अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र और पुत्री छोड़ गए हैं.

मनोहरपुर : अज्ञात शव की हुई शिनाख्त आरोपी गिरफ्तार

चाईबासा। मनोहरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत उर्किया हत्याकांड का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है. अज्ञात मृतक कि शिनाख्त 57 वर्षीय मंगरू उरांव के रूप में की गई है जो बरंगा पंचायत के उर्किया मुंडा पूर्ति टोला का रहने वाला है. इस हत्याकांड में संलिप्त अभियुक्त लोरका उरांव उर्किया भी उसी गांव का रहने वाला है. पुलिस शनिवार सुबह उसके घर से गिरफ्तार किया है तथा उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त टांगी को बरामद कर लिया है. थाने में पूछ-ताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस के समक्ष अपना अपराध स्वीकार किया है तथा इस हत्या का मुख्य कारण मृतक के साथ अपनी पत्नी का प्रेम प्रसंग बताया है. मनोहरपुर पुलिस ने पूछताछ के बाद शनिवार को न्यायिक अभिरक्षा में चाईबासा जेल भेज दिया.

भूमिगत खदान को बंद करने के विरोध में बीसीकेयू का प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। निरसा में ईसीएल मुगमा एरिया के चापापुर कोलियरी कालीमाटी खदान के समक्ष शनिवार 15 जुलाई को बिहार कोलियरी कामगार यूनियन ने प्रदर्शन किया. प्रदर्शन को संबोधित करते हुए केंद्रीय सचिव सह मुगमा क्षेत्रीय अध्यक्ष आगम राम ने कहा कि कालीमाटी खदान के अंदर से मेहताडीह अंडरग्राउंड खदान चलता है. दोनों ही खदानों में उत्पादन की व्यापक संभावनाएं हैं. मेनपावर की कमी के कारण सिर्फ.दो पाली में खदान चलाई जा रही है. फिर भी उत्पादन में काफी सुधार हुआ है. लेकिन प्रबंधन इस अंडरग्राउंड खदान को बंद कर ओसीपी को आउटसोर्सिंग में चलाना चाहता है. प्रबंधन वहां

से उत्पादन कार्य में लगे मजदूरों को ट्रांसफर करना चाहता है. उन्होंने कहा कि ओसीपी खोलने के लिए चापापुर में पर्याप्त जगह है. अंडरग्राउंड खदान को बंदकर ओसीपी खोलना कहीं से भी तर्कसंगत और उचित नहीं है. उन्होंने कहा कि खदान बंद के फैसले के खिलाफ बीसीकेयू जोरदार आंदोलन करेगा. भूमिगत खदान को किसी भी कीमत पर बंद नहीं होने दिया जाएगा. प्रदर्शन को अमित मुखर्जी, परेश सोरेन, बुद्धिराम, डी मानिकपुरी, शिबू महतो, उपेंद्र महतो, मोहम्मद सलीम, सोमेन चक्रवर्ती ने संबोधित किया. मौके पर कासिम अंसारी, मनभूल खान, सुबल तिवारी, फटिक मोदी, प्रसनजीत कर सहित अन्य उपस्थित थे.

रात में मनाया बेटे का जन्मदिन, सुबह फांसी लगाकर की आत्महत्या

बोकारो। तेनुघाट न्यू मार्केट निवासी 35 वर्षीय रितेश गुप्ता ने अपने आवास में 15 जुलाई की सुबह फांसी लगाकर जान दे दी. वह प्राइवेट वाहन का चालक था। हादसा के समय उसकी पत्नी घर पर ही थी. रितेश के पिता उमाशंकर गुप्ता ने बताया कि रात को रितेश के बड़े बेटे का बर्थडे था. इस अवसर पर आसपास के लोगों को बुलाकर मिठाई भी खिलाई. इसी बीच पति और पत्नी के बीच कुछ कहासुनी हो गई. इसके बाद रात को ही रितेश अपने निजी कार्य से चचेरे भाई दीपक गुप्ता के साथ हजारीबाग चला गया. सुबह करीब पांच छह बजे वह घर वापस लौटा. लेकिन रात का विवाद खत्म नहीं हुआ था। इसके बाद वह अपने कमरे में चला गया और फांसी के फंदे पर झूल गया. आनन-फानन में परिजन उसे फंदे से उतारकर तेनुघाट अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की जानकारी पर पुलिस भी पहुंची.

परीक्षा पर चर्चा विषय में शामिल होने वाले छात्र को दिया प्रशस्ति पत्र, विद्यालय ने किया सम्मानित

बरही । बीते अप्रैल माह में प्रधानमंत्री पर चर्चा कार्यक्रम में भामाशाह सरस्वती विद्या मंदिर से कक्षा दशमी भैया राहुल ने भाग लिया था. जिसे प्रधानमंत्री कार्यालय के द्वारा प्रशस्ति पत्र निर्गत किया गया है. उक्त जानकारी विद्यालय के प्राचार्य रजनीश कुमार पांडेय ने दी. उन्होंने बताया कि शनिवार को विद्यालय प्रबंधन ने उक्त पत्र को सादा समारोह के माध्यम से सम्मानित किया. प्रशस्ति पत्र प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अमित साहू, सचिव नागेंद्र साहू, कोषाध्यक्ष रोहित व प्रधानाचार्य रजनीश कुमार पांडेय आदि ने संयुक्त रूप से अपने कर कमलों से दिया. सबों ने इस होनहार भैया के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दिया.

बरकट्ठा में मनरेगा जॉब कार्ड धारियों का कैंप लगाकर खोला गया खाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के गयपहाड़ी पंचायत भवन में मनरेगा जॉबकार्ड धारियों का पोस्ट ऑफिस का कैम्प लगाकर बीपीएम कलहाबाद एंव झुरझुरी बीपीएम के द्वारा खाता खुलवाया गया। मौके पर मुखिया कलावती देवी ने बताया कि जॉब कार्ड धारी को डी पी टी से पेमेंट कराने के लिए पंचायत के सभी मजदूरों को इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक में कैंप में खाता खुलवाना अनिवार्य है जिससे आने वाले समय पर मजदुर एंव किसानों को पेमेंट में दिक्कत करना ना पडे। मौके पर पंसस सुषमा रानी, रोजगार सेवक मनोहर कुमार दास, डाकपाल छोटेलाल मेहता, उपेन्द्र कुमार शर्मा, पंचायत सचिव ,प्रशांत तिर्की सिकंदर कुमार, गौरव सिंहा ,गौतम दास ,गुड़िया रानी, राहुल कुमार प्रियंका कुमारी ,अनिल आजाद बैजनाथ तुरी समेत कई लोग उपस्थित थे।

धनबादः गोमो के आजाद हिन्द हाई स्कूल मैदान में लगा ओपेन जिम

धनबाद। तोपचांची प्रखंड के जीतपुर ग्राम पंचायत की ओर से आजाद हिन्द हाई स्कूल गोमो के मैदान में बच्चों को व्यायाम कराने के लिए ओपेन जिम लगाया गया है. जिम की लागत 1 लाख 48 हजार रुपये बताई जा रही है. ओपेन जिम में बच्चे खेल कूद रहे हैं. हालांकि इसकी गुणवत्ता को लेकर ग्रामीण आशंकित हैं. मैदान में एक्सरसाइज कर रहे किशोर कुमार, रवि सिंह, कौशल कुमार प्रभात कुमार आदि युवकों ने बताया कि ग्राम पंचायत जीतपुर द्वारा जिम का निर्माण कार्य कराया गया है. जिम में बच्चों का मनोरंजन होगा व शारीरिक एक्सरसाइज के लिए भी लाभप्रद होगा. परंतु जिम का निर्माण कार्य संतोषजनक नहीं है. जिम के उपकरण सामान्य किस्म के हैं. घेराबंदी के लिए लगाई गई जाली बिल्कुल निम्न स्तरीय है. कुछ ही दिन में उसके बिगड़ जाने की संभावना है. ग्रामीणों ने बताया कि जिम लगाने में वित्तीय अनियमितता हुई है. राशि की निकासी दिसंबर माह में हुई और 6 महीने के अंतराल पर जुलाई माह में जिम का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है.

रेला पारल के जंगल में दो आईईडी बरामद

चाईबासा। गोईलकेरा थानान्तर्गत ग्राम रेला पारल के आसपास जंगली/पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाये गये दो आईईडी बरामद किया गया. सुरक्षा के दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता की सहायता से उसे विनिष्ट किया गया है. एसपी आशुतोष शेखर ने इसकी पुष्टि की है. उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित भाकपा (माओ) नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील हैं. मालूम हो कि 27 मई से एक अभियान टोन्टो थानान्तर्गत ग्राम तुम्बाहाका एवं अंजदबेड़ा के सीमावर्ती क्षेत्र तथा गोईलकेरा थानान्तर्गत ग्राम कुईड़ा एवं मारादिरी के सीमावर्ती क्षेत्र में प्रारंभ किया गया है.

हजारीबाग : बेटी की शादी के लिए बैंक से निकाले एक लाख, छीनकर फरार हुए उच्चके

हजारीबाग। हजारीबाग स्थित कोर्रा थाना क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया साकेतपुरी ब्रांच के पास शनिवार को झपट्टामार गिरोह के उचक्कों ने दिनदहाड़े महिला से एक लाख रुपए रखे बैग को छीनकर फरार हो गए. बैग में दो मोबाइल भी थे. भुक्तभोगी आनंदपुरी निवासी राजीव रंजन सिंह उर्फ पप्पू सिंह और उनकी पत्नी कांति देवी बेटी के रिंग सेरेमनी के लिए बैंक ऑफ इंडिया से एक लाख रुपये निकाले थे. पैसे निकाल कर स्कूटी से जैसे ही देवांगना चौक पहुंचे, वहां पीछे से आ रहे एक बाइक पर सवार दो उच्चकों में से एक ने महिला के हाथ से बैग झपट लिया. राजीव रंजन ने स्कूटी से पकड़ो-पकड़ो चिल्लाते हुए उचक्कों का करीब दो किमी तक पीछा किया. लेकिन उस ओर शहर के किसी व्यक्ति से सहयोग नहीं मिलने के कारण उचक्के फरार हो गए. फिर तुरंत पेट्रोलिंग गाड़ी को भी इसकी सूचना दी गई. इस संबंध में उन्होंने कोर्रा थाने में आवेदन भी दिया है. सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है. राजीव रंजन ने बताया कि अब उनके खाते से पैसा खत्म हो गया. ऐसे में बेटी की रिंग सेरेमनी और शादी कैसी होगी, इसकी फिक्र सता रही है. एक लाख रुपए छीने जाने से पूरा परिवार सदमे में है.

सांसद ने सुनी ग्रामीणों की समस्याए

चाईबासा। सांसद गीता कोड़ा शुक्रवार देर शाम गुवा के जाटा हाटिंग पहुंची जहां उन्होंने ग्रामीणों के साथ वार्ता की और उनकी समस्याओं से रूबरू हुई. इस दौरान ग्रामीणों ने उन्हें पीने के पानी और बिजली को लेकर उत्पन्न समस्या से अवगत कराया. इस पर सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए हर घर नल योजना को धरातल पर लाया गया है. इसके तहत जाटा हाटिंग में पांच जगहों पर डीप बोरिंग कराई गई है, अब जल्द ही सभी घरों में पाइप लाइन के माध्यम से पानी पहुंचाया जाएगा. वहीं बिजली की समस्या पर सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि उनके प्रयास व विद्युत विभाग की मदद से हाटिंग में एक ट्रांसफार्मर लगाया गया है, जल्द ही बिजली की समस्या भी दूर हो जाएगी. इस दौरान सांसद गीता कोड़ा ने हर घर नल योजना के कार्य प्रगति की जानकारी ली ताकि हाटिंग के लोगों को पानी की कमी ना हो. मौके पर पूर्वी पंचायत मुखिया चांदमनी लागुरी, पश्चिमी पंचायत मुखिया पद्मिनी लागुरी, पंचायत समिति सदस्य भादो टोप्पो, समाजसेवी दीनबंधु दास आदि मौजूद थे.

तोपचांची प्रखंड की स्वच्छता सर्वेक्षण कार्यशाला में खूब हुआ हंगामा

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। तोपचांची प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सभागार में शनिवार 15 जुलाई को प्रखंड स्तरीय स्वच्छता सर्वेक्षण कार्यशाला में खूब हंगामा हुआ. कार्यशाला में स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 के बारे में मुखिया व जल सहिया को जानकारी देना था. हालांकि तोपचांची प्रखंड के सभी मुखिया ने बैठक का बहिष्कार करते हुए कहा कि पीएचईडी विभाग ने भीषण गर्मी में न तो चापानल का निर्माण कराया और न ही मरम्मत कराई. भीषण गर्मी के बाद अब पंचायतों में सर्वेक्षण किया जाएगा. जीतपुर पंचायत के मुखिया जाबिर अंसारी ने कहा कि यह मीटिंग सिर्फ खानापूर्ति के लिए है. धरातल से

इसका कोई मतलब नहीं है. तांतरी पंचायत के मुखिया द्वारिका प्रसाद महतो ने भी धरातल पर काम नजर नहीं आने का रोना रोया. कहा कि पंचायत के एक युवक ने आरटीआई से जानकारी मांगी, परंतु उसका भी जवाब नहीं दिया गया. ग्रामीण शौचालय तथा अन्य चीजों की मांग करते हुए मुखिया के पास पहुंचते हैं. मुखिया उन लोगों का नाम ऑनलाइन कराने जाते हैं तो पहले से उनका काम पूरा बताया जाता है. परंतु धरातल पर वह नहीं दिखता है. तोपचांची प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में सरकारी कागज पर सैकड़ों शौचालय का निर्माण कराया गया है, परंतु धरातल पर कोई शौचालय नहीं बना है.

माहलीपाड़ा सिपाही लाइन में करंट लगने से मां बेटी की मौत

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर। मुसाबनी थाना क्षेत्र के एक नंबर माहलीपाड़ा सिपाही लाइन में शनिवार सुबह को करंट से मां और बेटी की मौत हो गई. थाना प्रभारी अंचित कुमार घटना स्थल पर पंहुचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मूलरूप से गुड़ाबांदा के भालकी निवासी बासो सोरेन (65) और उसकी बेटी मालती सोरेन (35) माहलीपाड़ा में एक टीना शेड के घर में रहती थी. शनिवार की सुबह कपड़े सुखाने के दौरान करंट की चपेट में आ गई. मां को छटपटाते देखकर उसकी बेटी बचाने के लिए आ गई. इससे दोनों करंट की चपेट में आ गई. आसपास के लोगों ने लकड़ी से दोनों को छुड़ाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी. इसके बाद स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग को सूचना देकर विद्युत आपूर्ति बंद करवाई. तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी. थाना प्रभारी ने बताया कि टीना शेड के घर में तार को पेड़ से बांधा गया था. घर में झूले हुए तार से बिजली जलाई जा रही थी. छप्पर के पाइप में बिजली प्रवाहित होकर कपड़े सुखाने वाले तार तक विद्युत प्रवाहित होने की आंशका है. घटना स्थल पर पूर्व जिला पार्षद बुद्धेश्वर मुर्मू और मुखिया दुलाल माहली भी पहुंचे. उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने और बिजली के खुले तारों को बदलने की मांग की.

टाटा मोटर्स ने जनवि. के साथ साझेदारी की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। टाटा मोटर्स ने जवाहर नवोदय विद्यालय के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत टाटा मोटर्स वर्ष 2022 में लागू की गई 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित व्यावसायिक पाठ्यक्रम के तहत जेएनवी के सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी स्टूडेंट्स को ऑटोमोटिव का व्यावहारिक कौशल और औद्योगिक अनुभव प्रदान करेगी। यह प्रोग्राम गुजरात, महाराष्ट्र झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में 25 जवाहर नवोदय विद्यालयों में संचालित किया जा रहा है। अभी तक इस प्रोग्राम के अंतर्गत 2500 स्टूडेंट्स को प्रशिक्षण दिया जा चुका है और इस वर्ष 5000 स्टूडेंट्स को प्रशिक्षित किए जाने की उम्मीद है। इस अनूठी पहल के तहत, टाटा मोटर्स जेएनवी के स्टूडेंट्स के व्यावसायिक कौशल के लिए ऑटोमोटिव कोर्सेज (404 और 804) प्रदान करने के लिए ऑटोमोबाइल क्षेत्र में अपनी व्यापक विशेषज्ञता का प्रयोग करेगी। यह कोर्स 9वीं से 12वीं कक्षा तक के स्टूडेंट्स के लिए हैं और पाठ्यक्रम तथा प्रयोगशाला की व्यवस्था को सीबीएसई के दिशानिदेर्शों और टाटा मोटर्स की टीम के सुझावों के अनुसार डिजाइन किया गया है। इस प्रोग्राम का लक्ष्य स्टूडेंट्स को उनके विद्यालय परिसर में ही ऑटोमोटिव से सम्बंधित व्यावहारिक कौशल और उद्योग के अनुभव से सुसज्जित करना है। टाटा मोटर्स ने 25 जवाहर नवोदय विद्यालयों में आवश्यक 'ऑटोमोटिव स्किल लैब' की बुनियादी सुविधाओं का निर्माण किया और इन व्यावसायिक विषयों को पढ़ाने वाले प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किया। यह प्रशिक्षण जमशेदपुर में टाटा मोटर्स के कारखाने में दिया गया था। व्यावसायिक ऑटोमोटिव कुशलताओं के साथ अपने स्कूल की पढ़ाई समाप्त करने के बाद ये स्टूडेंट्स मेक्ट्रोनिक्स में डिप्लोमा का विकल्प चुन सकते हैं जिसका पूरा खर्च टाटा मोटर्स द्वारा वहां किया जाएगा।

बड़कागांव : अदाणी फाउंडेशन ने ग्रामीणों के बीच बांटीं मॉनसून सामग्री

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। अदाणी फाउंडेशन ने गोंदलपुरा खनन परियोजना के तहत ग्रामीणों के बीच निःशुल्क मॉनसून किट का वितरण किया. बड़कागांव स्थित कार्यालय परिसर में शुक्रवार व शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन के अधिकारियों ने ग्रामीणों को मॉनसून किट के तहत छाता, थर्मस, मच्छरदानी, तौलिया, जूट का बैग आदि प्रदान किया. पिछले दिनों ही बारिश के दौरान बड़कागांव प्रखंड के गाली, बलोदर और गोंदलपुरा के ग्रामीणों के बीच 50-50 किलोग्राम डीएपी खाद, 50-50 किलोग्राम यूरिया और दस-दस किलोग्राम धान के बीज प्रदान किए गए थे. कार्यक्रम में अदाणी फाउंडेशन ने अधिकारियों के कहा कि इलाके में ग्रामीणों के लिए लगातार जनकल्याण के कार्य किए जा रहे हैं, जिसे लगातार आगे बढ़ाया जाएगा. मौके पर गोंदलपुरा खनन परियोजना के प्रमुख धर्मेंद्र दुबे, डीजीएम संजय कुमार, सेवानिवृत्त डीएसपी सूर्य कुमार सिंह, वरीय प्रबंधक भीखम सिंह, उप प्रबंधक मोहित गुप्ता, संतोष तिवारी, चेतन साई, शरद मिश्रा समेत काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे.

डीसी ने सभी विभागों के लक्ष्यों व उपलब्धियों की दी जानकारी

हजारीबाग। उपायुक्त की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली मासिक प्रेसवार्ता में शनिवार को डीसी नैंसी सहाय ने सभी विभागो की ओर से जारी इस वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों व उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी देते हुए अब तक के प्रगति प्रतिवेतन को मीडिया से साझा किया. उपायुक्त ने एजेंडावार ग्रामीण विकास विभाग, आपूर्ति विभाग, डीएमएफटी, समाज कल्याण, कल्याण विभाग, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, राजस्व, नगर निगम, विद्युत, जिला खनन, जिला परिवहन, खेल विभाग, सहायक आयुक्त उत्पाद, कृषि प्रौद्योगिकी, कृषि विभाग, जेएसएलपीएस, पशुपालन विभाग, निर्वाचन शाखा, जिला पंचायत राज, उप श्रम आयुक्त, ई गवर्नेंस और वर्तमान में चल रहे विभिन्न जन जागरुकता अभियान के बारे में बताया.

जनसभा

विधायक अंबा प्रसाद ने आंदोलन को दिया समर्थन

गोंदलपुरा कोल ब्लॉक के खिलाफ भू-रैयतों की रैली

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। बड़कागांव के गोंदलपुरा कोल ब्लॉक के खिलाफ आंदोलनकारियों ने शनिवार को रैली व जनसभा की. बड़कागांव ब्लॉक पहुंचे रैली में गोंदलपुरा गाली, बलोदर, चपरी, सेहदा, हाहे से हजारों की संख्या में भू-रैयत शामिल थे. रैली गोंदलपूरा आंदोलन स्थल से शुरू हुआ बाबू पारा, बादम, हरली, विश्रामपुर, पिपराडीह, शिवाडीह, सांढ़, होरम, मोड़, गुरुचट्टी, बड़कागांव थाना मुख्य चौक होते हुए सूर्य मंदिर पहुंची. वहां से पुनः वापस होकर बड़कागांव हाई स्कूल मैदान में रैली जनसभा में तब्दील हो गई. जनसभा की अध्यक्षता व संचालन पूर्व मुखिया श्रीकांत निराला ने किया. मौके पर विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि संविधान में लिखा गया है

कि खेती योग्य एवं हरियाली जमीन में किसी प्रकार का कारखाना नहीं करना है. कोल कंपनियां संविधान का उल्लंघन नहीं कर सकती है. विधायक ने कहा कि वह भू-रैयतों के साथ जीने-मरने के लिए तैयार हैं. श्रीकांत निराला ने कहा कि बहु फसली भूमि को किसी भी कीमत में कोल कंपनी के लिए आवंटित नहीं किया जा सकता है. जनसभा में अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश कुमार महतो, प्रदेश अध्यक्ष अभय कुमार महतो, खतियानी भाषा संघर्ष समिति के मनोज यादव अपनी बात रखी.

बीडीओ को सौंपा गया ज्ञापन

जनसभा के बाद बीडीओ सह सीओ के नाम से ज्ञापन सौंपकर आंदोलनकारियों ने अलग-अलग 15 मामले दर्ज कराए. मौके पर प्रो. मिथिलेश दांगी, उप प्रमुख वचनदेव, पूर्व जिला परिषद सह पूर्व प्रमुख टूकेश्वर प्रसाद, विकास महतो, परमेश्वर महतो, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, मुखिया बासुदेव यादव, उप मुखिया रवि महतो, दीपक दास, राकेश कुमार, लखींद्र ठाकुर, मोहम्मद इब्राहिम, अधिवक्ता अनिरुद्ध कुमार, संजय मेहता, पूर्व मुखिया भीखन महतो, प्रो. ज्योति जलधर समेत हजारों महिला-पुरुष शामिल थे.

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2023 के तहत कार्यशाला आयोजित

बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करें : डीडीसी

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। समाहरणालय रामगढ़ के जिला परिषद स्थित सभागार में शनिवार को उप विकास आयुक्त रामगढ़ रोबिन टोप्पो की अध्यक्षता में 16 जुलाई 2023 से 15 अगस्त 2023 तक चलने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2023 के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान सर्वप्रथम यूनिसेफ सहयोगी संस्था डेबनेट, निर्भय कुमार द्वारा पीपीटी के माध्यम से सभी को स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2023 के सभी मानकों की विस्तार से जानकारी दी गई। तत्पश्चात उप विकास आयुक्त ने संबंधित सभी को प्रत्येक गांव में बिना कोताही किए स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण 2023 का कार्य तय समय सीमा के अंदर करने का निर्देश दिया। कार्यशाला के दौरान उप विकास आयुक्त ने सॉलिड/लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट हेतु प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर सभी सम्बंधित अधिकारियों, कर्मियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में

कार्यशाला आयोजित कर आमजनों को स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2023 के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने नाडेप एवं ग्रेवाटर मैनेजमेंट, घरेलू कचरा का प्रबंधन आदि का कार्य स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2023 के मानकों के अनुरूप ही करने का निर्देश दिया। वहीं उन्होंने किये गए कार्य का प्रतिवेदन जिला स्तर पर भी उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया। बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उन्होंने विद्यालय स्तर पर स्वच्छता संबंधित विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित कर बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का निर्देश अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी को दिया। वहीं, उन्होंने यूनिसेफ प्रतिनिधि को जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रामगढ़ डॉ० असीम कुमार से समन्वय स्थापित कर स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2023 का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया। कार्यशाला के दौरान, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल रामगढ़, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सहित अन्य उपस्थित थे।

सप्ताह दिन के अंदर सर्पदंश के दर्जनों मामले, सभी सुरक्षित

जयदीप सिन्हा

बरही। बरसात के दिनों में सर्पदंश का मामला ज्यादातर देखने को मिलते है. जानकारी के अनुसार बीते एक सप्ताह के अंदर मलकोको, पड़रिया, लठिया, बरसोत आदि क्षेत्रों से सर्पदंश के 11 मामले सामने आए है. जो सभी सुरक्षित है. सर्पदंश के अधिकतर मामले ग्रामीण क्षेत्रों से देखने को मिला है. इसका मुख्य कारण नंगे पैर खेतो में काम करना सामने आया है. अनुमंडलीय अस्पताल के चिकत्सक डॉ प्रकाश ज्ञानी ने बताया कि वर्तमान समय में स्नेकबाइट की समुचित दवाइयां उपलब्ध है. जिस किसी को भी सांप काटता है वह बिना समय गवाएं सीधे अस्पताल से संपर्क करें. उन्होंने यह भी बताया कि इस क्षेत्र ने ज्यादातर करैत, गेहूंअन, शिउर चंदवा तीन विशेष विषैले सांप देखने को मिले है. ज्यादातर सांप विषहीन होते है. सलाह : डॉ ज्ञानी ने बताया कि सर्पदंश के मरीज को सर्वप्रथम शांति की आवश्यकता है. उसे अधिक भीड़ भाड़ से बचाएं और घरेलू उपचार

अथवा झाड़ फूंक से बचने की आवश्यकता है. सर्पदंश वाले व्यक्ति को हिमोग्लोबलाईजेशन की नितांत आवश्यक है. इसके तहत पीड़ित व्यक्ति के सर्पदंश स्थान को पटरा इत्यादि पर सीधे रखने के लिए बांधकर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करनी चाहिए. सर्पदंश स्थल को करना नही चाहिए.

रामगढ़ विस का समुचित विकास मेरा लक्ष्य : विधायक

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर परिषद के वार्ड नंबर 9 मरार स्कूल की चहारदीवारी निर्माण एवं गेट का शिलान्यास किया गया. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी द्वारा शिलान्यास किया गया. कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रुप में रामगढ़ नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो, महिला मोर्चा अध्यक्ष अनुपमा सिंह, अनुज तिवारी, राजेंद्र कुमार महतो, नरेश महतो, उद्घाटन उपस्थित हुए. मौके पर विधायक सुनीता चौधरी ने कहा की रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र का समुचित विकास ही उनका लक्ष्य है, जिसके लिए वह लगातार कार्य कर रही हैं. इस अवसर पर केंद्रीय

वार्ड नंबर 9 में स्कूल की चहारदीवारी एवं गेट निर्माण का शिलान्यास

सदस्य देवेंद्र प्रसाद ,वार्ड पार्षद शिव शंकर मिश्रा, जिला संगठन सचिव गुड्डू सिंह, भाजपा नेता उमेश प्रसाद, पवन साव ,लोचन प्रसाद,प्रवीण पांडे, गणेश प्रसाद, राजेश मुंडा, बालेश्वर करमाली, रामाशीष करमाली, महावीर करमाली, महावीर रजवार, कुलदीप रजवार, संजय रजवार, राजेश करमाली, दिनेश करमाली, विजेंद्र करमाली, बिरु करमाली, रमेश करमाली आदि उपस्थित थे.

12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए पैदल यात्रा पर निकले महंत जगनपुरी जी महाराज पहुंचे बरही

बरही। हिंदू नव वर्ष प्रारंभ से देश के 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए पैदल निकले महंत जगनपुरी जी महाराज शनिवार को बरही पहुंचे. विशेष भेंट के क्रम में उन्होंने बताया कि जनकल्याण के उद्देश्य से वह भगवान भोले के सभी बारहों ज्योतिर्लिंग का दर्शन करने राजस्थान जैसलमेर के महाराज योगेश्वर जी महाराज के हीरापुर मठ से अपनी यात्रा प्रारंभ किए है. अब तक उन्होंने बद्रीनाथ धाम, केदारनाथ धाम विश्वनाथ धाम की यात्रा कर चुके है. उनका अगला पड़ाव बाबा बैजनाथ धाम है. उन्होंने बताया कि

अब तक करीब हजारों किमी की पैदल यात्रा कर चुके है. रास्ते में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आई है. भगवान भोले पर उन्हें पूर्ण आस्था है, उनकी कृपा से वह पूरी यात्रा पूर्ण करेंगे.

पासवा का छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह, शामिल हुए मंत्री

2200 टॉपर्स को किया गया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड सरकार के मंत्री रामेश्वर उरांव शनिवार को मैट्रिक और इंटर की परीक्षा में 80% से अधिक अंक पाने वाले टॉपर्स विद्यार्थियों को सम्मानित किया. पैराडाइज रिसोर्ट में पासवा की ओर से आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में उन्होंने कहा कि पासवा राज्य भर में वैसे विद्यार्थी जिन्होंने 80% भी अंक आया है, उसे सम्मानित कर रही है. इसका उद्देश्य छात्रों को उत्साहित करना है. प्रायः नियम बनता जा रहा है कि टॉपर्स को ही सम्मानित किया जाता है. लेकिन वैसे बच्चे जो अंक कम लाए हैं, उन्हें भी अगर सम्मानित किया जाए, तो एक दिन अच्छा करेंगे. उन्होंने यह भी कहा कि

इतिहास देखा जाए, तो कम अंक लाने वाले छात्र आज बड़े-बड़े पदों पर सेवा दे रहे हैं. आजादी के आंदोलन में भी कम अंक लाने वाले छात्रों ने अपना भरपूर योगदान दिया था. उन्होंने छात्रों को टिप्स दिया कि 80% अंक कम नहीं है, खूब मेहनत करें. पासवा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक दूबे ने कहा कि हजारीबाग प्राइवेट स्कूल ऐंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन ने बेहतर कार्यक्रम किया है. लगभग 2200 से अधिक विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया है. सम्मान पाने वाले छात्र भी उत्साहित हैं. साथ ही समाज के लोगों को भी सम्मानित किया गया, जिससे वह भी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं. बच्चों को सम्मानित करने का एकमात्र उद्देश्य उन्हें मोटिवेट करना है. अगर बच्चों को प्रोत्साहित किया जाए, तो भविष्य में वह अच्छा करेंगे. प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन के छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह में सीबीएसई, आईसीएसई एवं जैक बोर्ड के वैसे सभी बच्चे जिन्होंने 10वीं एवं 12 वीं बोर्ड की परीक्षा में 80% और उससे अधिक नंबर हासिल किया, उन्हें मेडल, मोमेंटो एवं सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया. यह हजारीबाग जिले का अबतक का सबसे बड़ा छात्र प्रतिभा सम्मान बताया जा रहा है. कार्यक्रम में मंच संचालन संजय कुमार तिवारी ने किया.

रामगढ़ में जिला कल्याण पदाधिकारी ने युवतियों/महिलाओं को सौंपा जॉब ऑफर लेटर

रामगढ़। रामगढ़ जिला अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में युवतियों व महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य पतरातू प्रखंड में कल्याण गुरुकुल संचालित है। इसी क्रम में कल्याण गुरुकुल के बैच नंबर 16 की युवतियों व महिलाओं का सिलाई प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य शनिवार को जिला कल्याण पदाधिकारी रामेश्वर चौधरी ने युवतियों व महिलाओं को जॉब ऑफर लेटर सौंपा। ऑफर लेटर प्राप्त करने के उपरांत सभी युवतियां व महिलाएं तमिलनाडु राज्य में कपड़ा कारखाना उद्योग में रोजगार प्राप्त करेंगी। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन रामगढ़ कल्याण गुरुकुल के प्राचार्य राम साह द्वारा किया गया।

जिला मैदान में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। सिद्धू कान्हू जिला मैदान परिसर में 15 जुलाई को पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीए अजीत जायसवाल, रामचरित वर्मा, दिवाकर प्रसाद, डॉ रंधीर, शंकर साव, अनिल कुशवाहा शामिल हुए। पौधरोपण करते हुए सीए अजीत जायसवाल ने कहा की हमलोग पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने के लिए पौधरोपण अभियान चला रहे हैं। कहा की हमारा अभियान आगामी 1 माह तक जारी रहेगा। इस दरम्यान हम पौधरोपण के साथ लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का भी कार्य करेंगे। ताकि लोग जागरूक हों और अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण किया जा सके। कहा की हमारा मुख्य लक्ष्य लोगों के लिए पर्यावरण को बेहतर बनाना है, जिसके लिए लोगों का जागरूक होना आवश्यक है।

बीएसएफ जवानों ने लगाए कई फलदार पौधे

बड़कागांव। सीमा सुरक्षा बल नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय मेरू कैंप के जवानों ने शनिवार को परिसर में कई फलदार पौधे लगाए. मौके पर बीएसएफ हजारीबाग के महानिरीक्षक केएस बन्याल ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन एवं भविष्य के लिए अतिआवश्यक निवेश है. वह जलवायु परिवर्तन और कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन स्तर को कम करने में सहायक सिद्ध होते हैं. इसे जन-जन के सहयोग से सार्थक किया जा सकता है. पौधरोपण से हमारी धरती का बेजोड़ शृंगार होता है.

लखवार स्कूल में पांच दिनों से लटका है ताला, पढ़ाई से वंचित हो रहे बच्चे

नवीन मेल संवाददाता

बरही। चौपारण प्रखंड की दादपुर पंचायत के अमरौल स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय ब्रजादास- लखवार में पांच दिनों से ताला लटका है. बच्चे शिक्षण कार्य से वंचित हैं. इधर शिक्षा विभाग के स्थानीय और जिले के अधिकारी जानकर भी अनजान बने हुए हैं. चार दिनों के बाद बीइइओ राकेश सिंह स्कूल पहुंचे और अभिभावक को बुलाकर बातचीत कर स्कूल खोलने पर सहमति बनाई. दरअसल 10 जुलाई को विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चे आठ वर्षीय रिशु भुइयां की मौत सर्पदंश से हो गई थी. टिफिन में वह स्कूल के बगेल में एक पेड़ पर तोते के घोंसले में हाथ डाला था और वहीं विषैले सांप ने उसे डंस लिया था. स्कूल में शिक्षकों को पता नहीं चल पाया. उन्होंने तोता के काटने की बात समझ उसके हाथ पर डिटॉल लगा दिया. हालत बिगड़ने पर धवैया के इस बच्चे को झाड़-फूंक के लिए इटखोरी ले गए. फिर हजारीबाग सदर अस्पताल लाने के क्रम में बच्चे की मौत हो गई थी. दूसरे दिन बच्चे के शव के साथ परिजनों ने विद्यालय में प्रदर्शन किया था और तब से ताला लटका हुआ है. बच्चे के परिजन वहीं धरना डाले हुए हैं. विद्यालय बंद रहने बाद निर्धारित समय पर प्राचार्य राखी सिंह और सहायक शिक्षक, रसोइया पहुंच रहे हैं. लेकिन ग्रामीण ताला खोलने नहीं दे रहे हैं.

क्या कहते हैं बीईईओ

झामुमो के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र राणा ने बताया कि गांव में आपसी सहमति की पहल की जा रही है, लेकिन अधिकारियों की ओर से कोई पहल नहीं हो रही है. बीईईओ राकेश सिंह ने बताया कि ब्रजादास लखावर उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय में पांच दिनों से ताला लटका है. शिक्षक, रसोइया और कुछ बच्चे विद्यालय आ रहे हैं।

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री 18 को करेंगी विकास योजनाओं का शिलान्यास

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र में दो अलग अलग जगहों पर 18 जूलाई को केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री करोड़ों की योजनाओं का शिलान्यास करेगी। इसकी जानकारी विधायक अमित कुमार यादव ने दी। श्री विधायक ने कहा कि बेडोकला से केंदुआ वन दुलकी नदी में पुल निर्माण और चेचकपी से रोसा तक सड़क निर्माण की आधारशिला रखी जाएगी। साथ ही बरवां,सलैया,गंगपाचो के बच्चों को प्लस टू उच्च विद्यालय बरकट्ठा के लिए लंबी दूरी तय कर पढ़ाई करने के लिए आना पड़ता है। इसके लिए सलैया ढुलकी नदी के पास भी एक पुल का शिलान्यास जल्दही किया जाएगा। विधायक ने कहा कि यह मांग ग्रामीण विगत कई दिनों से कर रहे थे, सो ग्रामीणों का सपना साकार हुआ।

उद्घाटन

बरही में कायस्थ महासभा के फ्री स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

100 से अधिक मरीजों की जांच, दी मुफ्त दवाएं

नवीन मेल संवाददाता

बरही। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा हजारीबाग जिला इकाई के तत्वाधान में चित्रांश परिवार बरही के सौजन्य से एनएच डाक बंगला में फ्री स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया. जिसमे 44 दांत और 55 आंख के मरीजों की जांच की गई. जिन्हे आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयां भी दिया गया. शिविर का उद्घाटन प्रदेश उपाध्यक्ष गिरवर नंदन प्रसाद, कार्यकारी हजारीबाग जिला उपाध्यक्ष बृज मोहन प्रसाद, जिला महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा अर्चना कुमारी सिन्हा महामंत्री रश्मि बिहारी लाला, बरही चित्रांश परिवार के डॉ प्रकाश ज्ञानी, शैलेंद्र सिन्हा, अजीत कटरियार, महेश श्रीवास्तव आदि ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. प्रदेश उपाध्यक्ष ने बताया कि कायस्थ समाज ने सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के सिद्धांतों पर आधारित जनहित के कार्यक्रम कर रहा है. जिसमे विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम मरीजों के नेत्र और दांत की जांच कर उचित मार्गदर्शन करेगे. शिविर में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जिला इकाई के माया शंकर वर्मा, अनूप सिन्हा, संजय कुमार सिन्हा, शशिकांत, रुपेश बिहारी लाला इत्यादि मौजूद थे. जिसे सफल बनाने में बरही चित्रांश परिवार के संजय कुमार सिन्हा, कुणाल कटरियार, अमित कुमार सिन्हा, प्रभात कुमार सिन्हा आदि ने

सक्रिय भूमिका निभाई. चिकित्सीय दल में डॉ रोहित चंद चौधरी, डॉ रेजिना टोप्पो, डॉ ऋषिकेश कुमार सिंह, डॉ सौम्या राज, डॉ अरिजीत बंधोपाध्याय, डॉ भारती कुमारी, डॉ इंद्रनील सिंह, डॉ अमिम अंसारी, डॉ रितिका प्रसाद, डॉ प्रगति कुमार, डॉ सोनू गुप्ता, डॉ साइना नूरी, डॉ अविनाश कृष्ण और प्रो राजकुमार दास मौजूद थे.

हजारीबाग : हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया आधा दर्जन से अधिक घरों को किया ध्वस्त

हजारीबाग। केरेडारी प्रखंड क्षेत्र के गरीकला में झुंड से बिछड़े एक हाथी ने बीते गुरुवार रात जमकर उत्पात मचाया. यहां के नरेश रजक के घर पर रात करीब 10 बजे हाथी ने धावा बोला और मकान ध्वस्त कर दिया. साथ ही घर में रखे चावल समेत खाने की अन्य वस्तुओं को भी चट कर गया. वहीं पास में बिहारी राम की पक्की बाउंड्री को तोड़ कर घुसने के बाद खिड़की-दरवाजा को कबाड़ बना दिया. रात में हाथी ने पारपैण गांव के तिलैया टांड़ टोला में लगभग आधा दर्जन घरों में तोड़ फोड़ की. ग्रामीण नरेश रजक ने बताया कि हाथी को भगाने के लिए वन विभाग, बड़कागांव की ओर से कोई सार्थक पहल नहीं की जा रही है. घटना की जानकारी पर गरीकला के मुखिया हित नारायण साव और हल्का कर्मचारी जीतेंद्र कुमार ने नुकसान का जायजा लिया और मुआवजा दिलाने की बात कही.

हजारीबाग के बड़कागांव प्रखंड के 19 हजार बच्चे पाठ्यपुस्तक से वंचित

हजारीबाग। बड़कागांव प्रखंड के सरकारी स्कूलों में 2022-23 सत्र के पाठ्यपुस्तक नहीं मिलने के कारण छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन में परेशानी हो रही है. छात्र फटे-पुराने किताबों से काम चला रहे हैं. जिन्हें पुरानी किताबें उपलब्ध नहीं हो पायी है, वैसे विद्यार्थियों को अधिक परेशानी हो रही है. बड़कागांव में कुल 126 सरकारी विद्यालय हैं, जिसमें लगभग 20 हजार विद्यार्थी पढ़ते हैं. बीपीएम प्रह्लाद गुप्ता ने बताया कि बड़कागांव में पहली से दसवीं कक्षा तक में सिर्फ कक्षा चार के ही पुस्तक वितरण के लिए आयी हैं. प्रखंड के बीस हजार छात्रों में से अब तक महज एक हजार छात्रों को ही पुस्तकें मिल पायी हैं. डीइओ उपेंद्र नारायण का कहना है कि अगले सप्ताह तक सभी वर्गों को किताबें मिल जाएंगी.

कोलेबिरा नगर भवन में झारखंड पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

भाजपा-कांग्रेस के लोग झापा का दामन थामा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। झारखंड पार्टी की ओर से शनिवार को कोलेबिरा नगर भवन में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला अध्यक्ष मतीयस बागे की अध्यक्षता में की गई कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री एनोस एक्का, केंद्रीय सचिव सह सिमडेगा जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग, झापा युवा जिला अध्यक्ष संदेश एक्का मौजूद रहे। मौके पर उपस्थित जिला अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड पार्टी 2024 के चुनाव की तैयारी में अभी से जुट गई है इसके लिए सभी कार्यकताओं के साथ बैठक करते हुए उन्हें जमीनी समस्याओं को प्राथमिकता देने एवं हर आम आदमी की समस्या को खुद की समस्या समझते हुए दूर करने के लिए प्रेरित कर रही है। झापा युवा जिला अध्यक्ष संदेश एक्का ने कहा वर्तमान जो राज्य की सरकार है वह पूरी तरह से लचर व्यवस्था का शिकार हो गए जिसे कारण इस प्रकार के कार्यकाल में किसी प्रकार के कार्य नहीं हो रहे हैं ऐसे में लोग परेशान हैं इसे ध्यान में रखते हुए अब झारखंड पार्टी को लोग विकल्प मान कर देख रहे हैं ऐसे में आने वाले दिनों में सभी सीटों पर चुनाव लड़ी जाएगी इसलिए सभी कार्यकर्ता अभी से चुनाव की तैयारी में जुटे और निश्चित तौर पर झारखंड पार्टी जीत दर्ज करेगी। केंद्रीय अध्यक्ष एनोस एक्का ने कहा झारखंड पार्टी माटी की पार्टी है और शुरूआती दौर झारखंड आंदोलन में भी अपनी भूमिका निभाई है ऐसे में झारखंड का भला झारखंड पार्टी सोचती है भाजपा और कांग्रेस एक दूसरे को धर्म के नाम पर राजनीति करते हुए लोगों को लड़ाने का काम करती है और लोगों को डरा कर वोट लेती है और वोट लेने के बाद जनता को भूल जाती है ऐसी पार्टियों से दूर रहने की आवश्यकता है इसलिए अब झारखंड पार्टी का सहयोग करें इस दौरान उन्होंने झारखंड पार्टी की नीतियों सिद्धांतों से लोगों को अवगत कराया। इस दौरान कांग्रेस एवं भाजपा के दर्जनों कार्यकर्ता झारखंड पार्टी का दामन थामा जिन्हें माला पहनाकर पार्टी में शामिल की गई। के दौरान हामिद अंसारी ,जियाउल अंसारी, अंकित रेणु देवी ,संतोषी देवी ,प्रेमलता सोरेंग,सुरेश लोहरा ,सतेंद्र सिंह, आशीष सिंह, रवि बड़ाईक, असीमा लुगुन, अभिषेक महतो, सवीना देवी, दिलीप लुगुन, जत्रु लोहरा ,शेख मुबारक ,प्रवीण देवी, विरसा मांझी, बाबूराम लकड़ा, फुल मनी कुमारी आदि लोगों ने पार्टी का दामन थामा।

गशैमरॉक गुरुकुल में मना 9वां स्थापना दिवस

नवीन मेल संवाददाता

झुमरी तिलैया। गांधी स्कूल रोड स्थित शैमरॉक गुरुकुल में बड़े हर्ष और उल्लास के साथ 9वां स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत निदेशक पल्लव कुमार के द्वारा पूजा अर्चना कर किया गया।इस अवसर पर बच्चों ने रंगा रंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। केजी ग्रुप के बच्चों ने रैंप वॉक करके अपने आत्म विश्वास का परिचय दिया जिसमें लड़को के ग्रुप में विजेता भव्यम सिन्हा, मौलिक मोदी और पार्थ केसरी रहा। वहीं लड़कियों के ग्रुप में विजेता पृषिता मोदी, वैष्णवी सिंह और आरोही आर्या रही। वहीं कक्षा दो के छात्रों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बढ़ चढ़ कर भाग लिया। जिसमें बच्चों ने अपने आप को हरी भरी सब्जियों के रूप में दशार्या, सब्जियों की महत्व और खूबियों को अपने शब्दों में बताया। जिसके विजेता विधान केशरी, अवीक आर्या और परी कुमारी रही। इस कार्यक्रम में सीनियर ग्रुप के बॉयज और गर्ल्स ने अपने सोलो डांस से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। जिसमें गर्ल्स ग्रुप में प्रथम श्वेता राणा, द्वितीय स्थान पर प्रणाम्य राज और तीसरे स्थान पर कनक कुमारी रही। वहीं बॉयज ग्रुप में प्रथम अर्णव शर्मा, द्वितीय रिशु राज और तीसरे पर विपुल राणा रहा। सभी विजेताओं को सर्टिफिकेट और मेडल देकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस सुनहरे मौके पर विद्यालय की प्राचार्या सीमा सिंह ने बच्चों के लिए विद्यालय में बेहतर पढ़ाई के लिए कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षकों की भी अहम भूमिका रही। मंच का संचालन एकता सिंह और लिली केशरी ने किया। दूसरी तरफ श्रद्धा सुमन, रानी कुमारी, अंजली कुमारी, श्रेया कुमारी, उम्जा प्रवीण, रागिनी सिंह, संजीता बरनवाल और प्रिया कुमारी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरा सहयोग किया।

कविता वाचन प्रतियोगिता में सेक्रेड हार्ट स्कूल को मिला प्रथम पुरस्कार

डीएवी बना उपविजेता, मेरिडियन रहा तीसरे स्थान पर

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा/ डोमचांच। कोडरमा स्कूल्स सहोदया कंपलेक्स के तत्वावधान में मंजुला शर्मा प्लस टू स्कूल में डोमचांच में शनिवार को कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें सहोदया स्कूल के 14 विद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में एडीजी झारखंड के राजकुमार मलिक मुख्य अतिथि, पुलिस कप्तान गौरव कुमार व भारतीय मूल के अमेरिकी सोशल एक्टिविस्ट रवि कुमार सिन्हा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि राजकुमार मल्लिक ने कहा की कविता वाचन भावपूर्ण होना आवश्यक है। वहीं उन्होंने कहा साहित्य के विभिन्न भागों के भाव अलग-अलग हैं। प्रतिभागी जिस भाव या रस का वाचन कर रहे हैं उन्हें उसी भाव में प्रदर्शित करने की बात कही। एसपी गौरव कुमार ने कहा कि बच्चों में साहित्य के प्रति रुचि पैदा करने के प्रति सहोदया के प्रयास सराहनीय है। न्होंने कहा साहित्य आधुनिक शिक्षा व सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। अमेरिकन सोशल एक्टिविस्ट रवि कुमार सिन्हा ने कहा साहित्य में ही भारत की झलक दिखती है। तथा राष्ट्रीयता की भावना मन में जगाती है। प्रतियोगिता में से सेक्रेड हार्ट की हंशिका रानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। डीएवी स्कूल की शांतिका मोदी ने दूसरे स्थान तथा मेरिडियन एकेडमी की सृष्टि राज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका में बैजनाथ प्रसाद स्नेही के प्राचार्य भूपेंद्र ठाकुर सीडी बालिका उच्च विद्यालय के कृष्णा कुमारी सतगांव उच्च विद्यालय के अखिलेश शुक्ला ने निभाई। अतिथियों ने सभी विजेताओं को ट्रॉफी देकर उनका हौसला बढ़ाया।

झुमरी तिलैया: इनरव्हील ने किया 100 पौधरोपण

नवीन मेल संवाददाता

झुमरी तिलैया। अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संस्था इनरव्हील क्लब के शताब्दी वर्ष शुरू होने की खुशी में कोडरमा इनरव्हील की अध्यक्ष आशा गुप्ता की अगुवाई में 100 पौधरोपण किया गया। क्लब के द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम शहर के अलग अलग स्थलों के अलावे रामलखन सिंह यादव इंटर कॉलेज परिसर में भी किया गया, जहा पपीता, आम, शीशम, अमरुद, बहेड़, पीपल तथा वट का पौधे लगाया गए। कार्यक्रम मे कॉलेज के एनसीसी कैडेटस नें भी बढ़-चढ़ कर कार्यक्रम मे हिस्सा लिया और उत्साह के साथ पौधे लगाए। मौके पर अध्यक्ष आशा गुप्ता नें कहाँ कि क्लब के सौ वर्ष पूर्ण होने व गो ग्रीन के तहत पुरे जिलें मे 5 हजार पौधे को लगाने व उनकी देखभाल करने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके तहत सभी सदस्यो नें अपने अपने घरों मे पौधे लगाए है। उन्होंने कहा की हमें अपने जीवन मे किसी भी शुभ कार्य दिवस पर पौधारोपण करना चाहिए, क्योंकि पौधे ही हमारे पर्यावरण को सुरक्षित रखते है, उन्होंने कहाँ कि हमें अपने आस पास व खाली स्थान हो तो वहाँ पर पौधे अवश्य लगानें चाहिए। वही कॉलेज प्राचार्य डॉ जीतेन्द्र बहादुर ने इंरव्हील के पौधारोपण अभियान की काफी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस

तरह के कार्यक्रम को सफल बनाना प्रत्येक लोगों का दायित्व बनता है। वही परयोजना निर्देशक दिपाली भदानी नें कहा की अगला कार्यक्रम शहर के मुख्य पोस्ट ऑफिस मे रखा जाएगा जहाँ विभिन्न तरह के पौधे लगाए जायेंगे और वहाँ खूबसूरत पार्क डेवलप किया जाएगा। मौके पर क्लब कि सदसय आरती आर्य, सरिता विजय, संध्या सेठ व कॉलेज के प्रो आर के गुप्ता,प्रो. कमलेश कमल, प्रो उमेश प्रसाद सिंह, डॉ पी एल यादव,प्रो आरपी केशरी, प्रो बिपिन चंद्र यादव,ड़ॉ नीता कुमारी, प्रो एस जोजो, प्रो एस के पटेल,प्रो समसुद्दीन, प्रो दिनेश यादव, प्रो नित्यानंद पांडेय, प्रो पी एन सिन्हा, प्रो उषा कमल, प्रो चंदन कुमार,प्रो सविता कुमारी,प्रो अभिषेक रंजन,प्रो प्रीति कुमारी, मो. मोजिब फैज, बालेश्ववर यादव, कोलेश्वरा यादव, विष्णुदेव यादव, विशेश्वर यादव, रामचंद्र यादव, ललन यादव, विजय कुमार यादव, नयन सिंह, राजेश कुमार, शुभाष यादव, राहुल सिंह, द्रोपदी देवी, रामू डोम सहित कॉलेज के सभी एनसीसी कैडेटस आदि कर्मी मौजूद थे।

पानी में डूबने से मासूम की मौत

जलडेगा। ओडगा ओपी क्षेत्र के सारूबहार घांसी टोली में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। गांव के फ्रांसिस लुगुन के तीन वर्षीय पुत्र तनिश लुगुन की पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतक के चाचा प्रकाश लुगुन से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह लगभग 6.30 बजे के बीच बच्चा घर के आंगन में रखे पानी डेकची में खेल रहा था। बच्चे की मां सब्जी बनाने के लिए कटहल काट रही थी। बच्चा पानी में खेलने में मस्त था, मां का ध्यान बच्चे में जब तक गया तब तक बच्चा का सिर डेकची के अंदर घुस गया था और पैर ऊपर निकला हुआ था, बच्चे को सर पानी में डूबा देख उसकी मां आस पास के लोगों को आवाज दी, आनन फानन में परिजनों ने बच्चे को राउरकेला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

सर्पदंश से लहरू मांझी की मौत

जलडेगा। ओड़गा ओपी क्षेत्र के कुटुंगिया पंचायत अंतर्गत डूमरमुंडा मांझी टोली निवासी लहरू मांझी 73 वर्षीय की सर्पदंश से मृत्यु हो गई। मृतक की पत्नी सावित्री देवी ने बताया कि लहरू मांझी एवं पुत्री परनामी मांझी एवं पत्नी स्वयं एक कमरे में जमीन में बिना मच्छरदानी के सोए हुए थे तभी अहले सुबह 4 बजे लहरू को हाथ मे कुछ काटने का आभास हुआ एवं उसने पत्नी को घटना के बारे में बताया जिसके बाद पत्नी सावित्री देवी ने आसपास देखा किंतु कहीं किसी जहरीले जीव को नही पाया जिसके बाद जागरूकता के अभाव में परिवारवालों ने लहरू मांझी का झाड़ फूंक शुरू कर दिया जिससे लहरू की हालत बिगड़ गई दिन भर झाड़ फूंक में समय व्यर्थ करने के बाद शाम 5 बजे के आसपास लहरू मांझी को जलडेगा अस्पताल लाया गया। जहां प्रभारी चिकित्सक डॉ अमित ने लहरू मांझी को मृत घोषित कर दिया। इधर शनिवार को पुलिस द्वारा शव को अपने कब्जे में लेने के पश्चात सदर अस्पताल सिमडेगा भेजा इधर सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम हुआ एवं शव परिजनों को सौंप दी गई।

दो फरार वारंटियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

सिमडेगा। सिमडेगा सदर थाना की पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे दो बार आंटियों को शनिवार को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया जानकारी देते हुए थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जय गोविंद गुप्ता ने बताया कि सिमडेगा थाना कांड संख्या 111/22 के तहत सेवई निवासी टिबरा सिंह को गिरफ्तार करते वे जेल भेजा गया इसके अलावा 87/17 के तहत दर्ज मामले में भट्टी टोली निवासी राजू जर्दा उर्फ अरशद गनी नामक युवक को गिरफ्तार करते हुए जेल भेजा उन्होंने बताया कि बेल होने के बावजूद यह लोग अदालत में सशरीर उपस्थित नहीं हुए जिसके बाद अदालत के द्वारा वारंट जारी किया गया इसी के आरोप में गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेजा गया।

मुहर्रम पर्व को लेकर समिति का हुआ गठन

सिमडेगा। सिमडेगा में आगामी 30 जुलाई को मोहर्रम पर्व मनाने को लेकर शहर के अजमेरी कंपलेक्स में सेंट्रल मोहर्रम कमेटी की ओर से एक बैठक रखी गई ।जिसमें सज्जाद अंसारी के अध्यक्षता में मोहर्रम कमेटी का चुनाव किया गया एवं मोहर्रम पर जुलूस निकालने का निर्णय लिया गया इधर मोहर्रम पर्व को सफलतापूर्वक संचालन को लेकर कमेटी की गठन हुई जिसमें रूप में मोहम्मद शमीम फौजी, मोहम्मद मन्नान खान, मन्नान खान, मोहम्मद इकबाल साहब संरक्षक बनाया गया ।वही अध्यक्ष मोहम्मद सफीक खान को बनाया गया जबकि उपाध्यक्ष सज्जाद अंसारी एवं सलमान खान,सचिव अजीमुल्लाह अंसारी को बनाया गया सह सचिव मोहम्मद अनस, उप सचिव इबरार साहब को बनाया गया कोषाध्यक्ष अलाउद्दीन खान को बनाया वही सदस्य फैजान,जुनैद, नसीम खान, सलीम, अबूतला, तालिब मोहम्मद यासीन, नसीम खान, गुल फराज खान , रोशन जमीर, साहिल खान, तबरेज अब्दुल गफ्फार को बनाया गया।

हाथी ने मचाया उत्पात, चट कर गए अनाज

जलडेगा। प्रखंड के टिनगिना, पियोसोकरा, सिलिंगा आदि क्षेत्र के ग्रामीण बृहस्पतिवार को झुंड से भटके अकेले जंगली हाथी के आतंक से रात भर परेशान रहे।जंगली हाथी ने सिलिंगा बिरंगाटोली निवासी इलिसभा डुंगडुंग के घर को क्षति पहुंचाते हुए घर में रखे दो बोरा चावल, धान सहित अन्य खाद्य सामग्रियों को अपना निवाला बना लिया।इस दौरान घर के लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई। वहीं टिनगिना, पियोसोकरा, सिलिंगा, गोरूटांड आदि क्षेत्र के ग्रामीण एकजुट होकर मशाल, पटाखा के सहारे जंगली हाथी को ठेठईटांगर कोलेबिरा सीमांत क्षेत्र के जंगलों में खदेड़ दिया गया। इधर शुक्रवार को घटना की जानकारी होने के बाद पंचायत के मुखिया कल्याण गुड़िया ने हाथी पीड़ित परिवार वालों से मिले एवं वन विभाग से मुवाएजा दिलाने का आश्वासन दिया।

ओवर ब्रिज के नीचे चला अतिक्रमण

नवीन मेल संवाददाता

झुमरीतिलैया। शहर को व्यवस्थित बनाने में नगर प्रशासन जुट गया है। शहर को व्यवस्थित करने के लिए आज मुख्य बाजार और ओवर ब्रिज के नीचे अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इसके तहत ओवर ब्रिज के नीचे बने पार्किंग जोन में अवैध रूप से संचालित हो रही दुकानों को खाली कराया गया और उसकी बैरिकेडिंग कर उसे पार्किंग जोन के रूप में तब्दील करने का प्रयास नगर प्रशासन की ओर से किया जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी और विधायक डॉ नीरा यादव ने शहर की अव्यवस्था को लेकर नगर परिषद के कार्यशैली पर सवाल उठाया था। झुमरी तिलैया शहर में ओवर ब्रिज के दोनों साइड लगे दुकान, गुमटी और ठेले-खोमचे वालों को हटाकर जेसीबी मशीन की मदद से वहाँ रखे सामानों को हटाया गया। और पूरे परिसर को खाली करा दिया गया है। इसके अलावा स्थाई रूप से संचालित दुकानदारों को दुकान के बाहर अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत भी दी गई है, ताकि सड़क की चौड़ाई में बाधा उत्पन्न ना हो और यातायात की व्यवस्था सुगम बनी रहे।

बानो में शहादत दिवस पर पुलिस पब्लिक फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

नवीन मेल संवाददाता

बानो। एस एस हाई स्कूल मैदान बानो में शहीद बिद्यापति व तुराम बिरुली के शहादत दिवस पर पुलिस पब्लिक फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ बानो इंस्पेक्टर बिद्या शंकर ,थाना प्रभारी फिलिप मिंज ,बानो प्रमुख सुधीर डांग ने सयुक्त रूप से शहीद के चित्र पर फूलमाला पहना कर तथा दिप प्रज्वलित कर किया मौके पर अतिथियों द्वारा खेलाडियो से परिचय प्राप्त कर किया ।मौके पर बानो इंस्पेक्टर बिद्या शंकर ने कहा

खेल को खेल की भावना से। खेले ।आज हमारा सिमडेगा जिला खेल के नाम से जाना जाता है।आज हम जिस शहीद लोगो के याद में यह प्रतियोगिता का आयोजन कर रहे हैं आप सभी जानते हैं।इन्होंने क्षेत्र की शांति के लिये अपनी जान की बाजी लगा दी।शहीद बिद्यापति सिंह व तुराम बिरुली की शहादत कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

मानवता

प्रेरणा शाखा ने कोडरमा रेलवे स्टेशन पर वाटर कूलर लगाया

जल ही जीवन है, यात्रियों को मिलेगी राहत : सोहनी

नवीन मेल संवाददाता

झुमरी तिलैया। झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के स्थापना दिवस के अवसर पर पूर्व अध्यक्षयों के सम्मान मे आठ दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत हुई। पहले दिन संस्थापक अध्यक्ष गोविन्द मेवाड़ के सम्मान मे और जन सेवा से संबंधित कोडरमा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं.03 पर स्थायी अमृत धारा के तहत वाटर कूलर का अनावरण सोहनी देवी लड्ढा के द्वारा फीता कट कर एवं प्रदीप हिसारिया द्वारा नारियल पधारकर इसका शुभारम्भ किया गया। वाटर कूलर हिसारिया परिवार के सौजन्य से प्रेरणा शाखा को उपलब्ध कराया गया। मौके पर सोहनी देवी लड्ढा ने कहा की जल ही जीवन हैं और यह वाटर कूलर जनमानस को ठंडा और शुद्ध जल उपलब्ध कराएगा।

इस अवसर पर सहायक मंडल अभियंता गझंडी उमाकांत प्रजापति ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच राष्ट्र सेवा में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहा हैं। प्रेरणा शाखा का यह प्रयास मील का पत्थर साबित होगा। वहीं स्टेशन प्रबंधक रविन्द्र कुमार सीटीआई अरविन्द कुमार सिंह, यातायात निरीक्षक अरविन्द कुमार सुमन, आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी जवाहर लाल ने कहा कि जल ही जीवन हैं और ये वाटर कूलर यात्रियों के साथ साथ रेलवे कर्मियों कि प्यास बुझाएगा और 24 घंटा यात्रियों को ठंडा पेयजल उपलब्ध होगा। प्रेरणा शाखा का यह प्रयास मानवसेवा के लिए उपयोगी साबित होगा। प्रेरणा शाखा कि अध्यक्ष श्रेया केड़िया ने कहा कि सेवा कार्य ही प्रेरणा शाखा का प्रथम उद्देश्य हैं। राष्ट्रीय प्रकल्प अमृतधारा योजना के तहत ये तीसरा वाटर कूलर शुरू किया गया हैं। सचिव सारिका लड्ढा ने कहा कि मंच चार उद्देश्यों पर कार्य कर रहा हैं। इसमें अमृतधारा के तहत पेयजल व्यवस्था, एम्बुलेंस व्यवस्था,दिव्यांगों के लिए कृत्रिम पैर मुहैया कराने के अलावा रक्त संग्रह, कन्या भ्रूण संरक्षण, पौधारोपण, गौ आहार जैसे कार्यक्रम चला रही हैं। मायूम के संयोजक अरविन्द चौधरी ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच का उद्देश्य पनशाला (पेयजल), पाठशाला एवं गौशाला के प्रति कार्य करना मुख्य उद्देश्य हैं और पुरे राष्ट्र मे इसके प्रति युवा शक्ति राष्ट्र शक्ति के तहत कार्य कर रही हैं। मौके पर मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व अध्यक्ष संदीप हिसारिया,सेवा भारती के सचिव आलोक कुमार सिन्हा, संजय लड्ढा, संतोष लड्ढा, उपाध्यक्ष नेहा हिसारिया, निशा केड़िया, पूनम टिबड़ेबाल, रश्मि केड़िया, मिनी हिसारिया, नीतू अग्रवाल, पूनम हिसारिया, संतोष हिसारिया, अंजू लड्ढा, डॉ. कोमल लड्ढा के अलावा कई रेलकर्मी उपस्थित थे।

मायूम ने जनसेवा के तहत खाद्य सामग्री और कपड़ा कराया उपलब्ध

मारवाड़ी युवा मंच की झुमरी तिलैया शाखा ने जनसेवा के तहत एक जरूरतमंद महिला को खाद्य सामग्री और कपड़े उपलब्ध कराये. सदस्य आशीष केड़िया ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन मे अपना योगदान दिया। अध्यक्ष राज पच्चीसिया और सचिव आशीष जोशी ने कहा कि 22 जुलाई तक अलग अलग कार्यक्रम आयोजन किया जायेगा। इसमें 16 जुलाई को पौधरोपण कार्यक्रम होगा।

पर्यावरण सुरक्षा के प्रति सचेत नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ी का भविष्य होगा भयावह : मिथिलेश ठाकुर

मंत्री ने की पर्यावरण संरक्षण महा अभियान की शुरुआत

1000 लोगों ने किया पौधरोपण, 2000 पौधों का वितरण, जनसमूह ने ली पर्यावरण सुरक्षा की शपथ

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा विधायक एवं झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने शनिवार को पर्यावरण संरक्षण के महा अभियान की शुरुआत की। लायंस क्लब ऑफ गढ़वा ऑसम के तत्वावधान में गढ़वा के सुखबाना स्थित लहसुनिया पहाड़ पर आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम का उद्घाटन मंत्री ठाकुर, डीसी शेखर जमुआर, एसपी अंजनी कुमार झा, डीडीसी राजेश राय, लायंस क्लब के पूर्व जिला पाल राजीवा सिंह आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस महा अभियान की शुरुआत मंत्री ने पौधारोपण कर की। इस दौरान लहसुनियां पहाड़ पर मंत्री के साथ एक हजार लोगों ने पौधरोपण किया। साथ ही मंत्री ने स्कूली बच्चों आदि लोगों के बीच दो हजार पौधों का वितरण भी किया। साथ ही सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली।

इस मौके पर मंत्री ने कहा कि आज पर्यावरण की सुरक्षा अति आवश्यक है। यदि समय रहते लोग सचेत नहीं हुए, पर्यावरण की रक्षा नहीं की गई तो आने वाली पीढ़ी का भविष्य भयावह होगा, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। लोगों को पीठ पर ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर चलना पड़ेगा। आज पेयजल एवं प्रदूषण की जो समस्या उत्पन्न हो गई है, इससे सबक लेने की जरूरत है। मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार एवं विभाग की ओर से कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, परंतु सिर्फ इतना ही काफी नहीं है। इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। आज से 20-25 वर्ष पूर्व गढ़वा में बहुत बारिश होती थी, पर आज सावन के महीने में भी बारिश का इंतजार करना पड़ रहा है। पर्यावरण के दोहन से ही पेयजल की भी विकट समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि लायंस क्लब ऑफ गढ़वा ऑसम इस नेक कार्य के लिए धन्यवाद का पात्र है। यह कार्यक्रम महोत्सव नहीं बल्कि महा महोत्सव है। अन्य सभी क्लबों को इस प्रकार का आयोजन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम झारखंड ही नहीं पूरे देश के लिए प्रेरणादायक होगा। सभी लोग पौधा लगाने एवं जल संरक्षण का कार्य अपना कर्तव्य समझकर करें, ताकि हम आने वाली पीढ़ी को बेहतर भविष्य दे सकें। उन्होंने कहा कि आज के इस महा अभियान का दूरगामी परिणाम होगा। मंत्री ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पर्यावरण संरक्षण के लिए बड़ा कदम उठाते हुए महा अभियान चलाने का आग्रह किया है। मौके पर कमांडेंट नृपेंद्र सिंह, प्रोजेक्ट चेयरमैन ला. राकेश पाल, लायंस क्लब ऑफ गढ़वा ऑसम के अध्यक्ष कंचन साहू, शंभू त्रिपाठी, एसडीपीओ अवध कुमार यादव, सीओ कुमार मयंक भूषण, बीडीओ कुमुद झा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी साकेत पांडेय, डीएफओ शशि कुमार, डॉ यासीन अंसारी, डॉ एमपी गुप्ता, राजीव चौबे, अनिल सोनी, राजेश गुप्ता, सरोज सिंह, झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रेखा चौबे, अनिता दत्त, आराधना सिंह, चंदा देवी, मदन प्रसाद केशरी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

स्कूलों में होगा पर्यावरण संरक्षण प्रतियोगिता का आयोजन, बच्चों को पुरस्कृत करेंगे मंत्री

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा लायंस क्लब गढ़वा ऑसम के तत्वाधान में लहसुनिया पहाड़ पर आयोजित पर्यावरण संरक्षण महा अभियान पौधरोपण कार्यक्रम में विभिन्न स्कूली बच्चों का सहयोग काफी सराहनीय रहा। बच्चों ने भी पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान बच्चों के उत्साह देखते हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा कि सभी स्कूलों में पर्यावरण संरक्षण प्रतियोगिता आयोजित कराई जाए। बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को वे अपनी ओर से पांच-पांच हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान करेंगे। मौके पर जीएन कान्वेंट स्कूल, बीएनटी संत मैरी स्कूल, ब्राइट फ्यूचर स्कूल, बीपी डीएवी स्कूल, मदरसा गरीब नवाज झलुवा के छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम की सफलता में सराहनीय भूमिका निभाई। मौके पर मुख्य रूप से मदन प्रसाद केशरी, आशीष अग्रवाल, उमाकांत तिवारी, अमित तिवारी, एसएन पाठक, सुशील कुमार केशरी, प्रो. लखन कश्यप, अशोक विश्वकर्मा, नवीन तिवारी, दिलीप गुप्ता सहित जायंट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा, जायंट्स ग्रुप ऑफ आस्था, रोटरी क्लब गढ़वा, लायंस क्लब गढ़वा विशाल, लायंस क्लबऑफ गढ़वा ग्रीन, लायंस क्लब ऑफ गढ़वा सिटी, लायंस क्लब गढ़वा ग्लोरियस आदि के पदाधिकारी व सदस्य कमलेश गुप्ता, विजय केशरी, अनु दुबे, जितेंद्र कमलापुरी, अशोक केशरी, मनोज केशरी, रविंदर केशरी, दीपक तिवारी, मुजीब खान, मनोज केशरी, संतोष कश्यप, रविंद्र जयसवाल, उमेश अग्रवाल, हर्ष अग्रवाल, अमित कश्यप, ललन सोनी, चंदन मेहता, आनंद कुमार, नीरज कमलापुरी, डॉ असजद अंसारी, दया शंकर गुप्ता, संजय सोनी, विजय सिन्हा, राम नारायण प्रसाद, राहुल जयसवाल, पूनम का कांस्यकार, ज्योति प्रकाश केशरी, दीपाली अग्रवाल, सुजाता अग्रवाल, विनीता जयसवाल, अमित शर्मा,अनूप शर्मा ,वेद प्रकाश शर्मा, शमसाद खान, सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

रविवार को साप्ताहिक बंदी रखने का रखा प्रस्ताव

दुकानदारों ने व्यापारी संघ बना लिया निर्णय

नवीन मेल संवाददाता। महुआडांड़ प्रखंड स्थित गांधी चौक में शुक्रवार को महुआडांड़ के सभी दुकानदारों ने बैठक कर सर्वसम्मति से व्यापारी संघ बनाने का निर्णय लिया। दुकानदारों की सहमति से कार्यकारिणी के विस्तार के लिए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष का चयन किया गया। अध्यक्ष पद पर बृजमोहन जयसवाल, उपाध्यक्ष मोहम्मद खुर्शीद एवं कोषाध्यक्ष के रूप में मो. सहीम चुने गये। इस दौरान दुकानदारों के द्वारा साप्ताहिक बंदी के रूप में प्रत्येक रविवार, मेडिकल दुकान छोड़कर अन्य सभी प्रतिष्ठान बंद रखने का निर्णय लिया गया। व्यापारी संघ अध्यक्ष बृजमोहन जयसवाल ने संबोधन में कहा संगठन की मजबूती के लिए सभी मिलजुल कर कार्य करें। बंदी के फैसले को नहीं मानने वाले दुकानदार पर 1100 रुपये का जुर्माना लगाने का निर्णय लिया गया। इसका सभी दुकानदारों ने समर्थन किया।

एक साल से फरार अभियुक्त गिरफ्तार

बारियातु। थाना प्रभारी मुकेश चौधरी के नेतृत्व में छापामारी अभियान चला कर एक साल से फरार चल रहे अभियुक्त गिरेंदर यादव को गिरफ्तार कर शनिवार को लातेहार जेल भेज दिया। थाना प्रभारी मुकेश कुमार चौधरी ने बताया कि बालूमाथ एसडीपीओ अजीत कुमार सिंह को गुप्त सूचना मिली थी के बालूमाथ वर्तमान थाना बारियातु कांड संख्या 57/22 के प्राथमिक अभियुक्त गिरेंदर यादव घर पर आया हुआ है। इस पर थाना स्तरीय टीम गठित की गयी और छापामारी कर बालूमाथ वन क्षेत्र के वनरक्षी शिवकुमार साव के साथ मारपीट कर जख्मी कर देने एवं सरकारी काम में बाधा पहुंचाने के आरोपी गिरेंदर यादव को जावाबार अपने घर से गिरफ्तार कर लातेहार जेल भेज दिया गया। छापामारी अभियान में पुलिस अवर निरिक्षक दीपक नारायण सिंह, गगन कुमार ठाकुर, सहायक अवर निरिक्षक मिथलेश सिंह आदि शामिल थे।

बीडीओ ने मुखिया की अनुपस्थिति पर प्रतिनिधि को लगाई फटकार

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने केड पंचायत की विभिन्न योजनाओं का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता। बरवाडीह प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय ने शनिवार को प्रखंड के केड पंचायत के विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण किया करते हुए कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बीडीओ ने पीएम आवास कोऑर्डिनेटर दीपक कुमार के साथ सर्वप्रथम पंचायत सचिवालय का निरीक्षण किया। मौके पर मुखिया अनीता देवी की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मुखिया प्रतिनिधि लालमन उरांव को निर्देश दिया कि मुखिया नियमित रूप से पंचायत सचिवालय में उपस्थित रहे, जिससे पंचायत के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचने वाले लोगों की समस्याओं का निदान हो सके। बीडीओ ने पंचायत सचिवालय के सभी कमरों का निरीक्षण करते हुए शौचालय में गंदगी देख मुखिया प्रतिनिधि को फटकार लगाते हुए शौचालय समेत पूरे पंचायत सचिवालय को साफ रखने का निर्देश दिया। इसके बाद बीडीओ ने पंचायत में चल रहे 15वें वित्त आयोग के पीसीसी सड़क निर्माण समेत कई योजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मुखिया प्रतिनिधि को जनहित वाली योजनाओं का चयन करने पर जोर दिया। इसके बाद बीडीओ ने पंचायत में निमार्णाधीन पीएम आवास का निरीक्षण किया। लंबित पीएम आवास के लाभुकों को फटकार लगाते हुए अविलंब पीएम आवास पूर्ण करने का निर्देश दिया।

सीएचसी में जांच के लिए घंटों भटकते रहे दिव्यांग

10 बजे शुरू होनी थी जांच, 1:30 बजे पहुंची टीम

नवीन मेल संवाददाता। भवनाथपुर सामुदयिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को सैकड़ों दिव्यांग ईधर उधर भटकते रहे। हैरान-परेशान चलते-फिरने में लाचार ये दिव्यांग बैठकर स्वास्थ्य जांच शुरू होने का इंतजार करते रहे। साथ आए परिजन इधर-उधर पूछताछ में लगे थे। शनिवार को दिव्यांग का प्रमाण पत्र की जांच के लिए भवनाथपुर, केतार एवं खरौंधी प्रखंड के दिव्यांगों को 10 बजे बुलाया गया था, लेकिन डॉक्टरों की टीम 1:30 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची। इसके बाद जांच शुरू हुई। दिव्यांगों के परिजन संदीप कुमार मेहता, जनार्दन प्रजापति, अवधेश राम, श्याम लाल पासवान, तूफानी बैठा, सुनीता देवी, अंजू कुमारी आदि मरीजों के परिजनों ने बताया कि अगर व्यवस्था नहीं थी तो बुलाना नहीं चाहिए था। गढ़वा सिविल सर्जन अनिल कुमार सिंह की अध्यक्षता में दिव्यांगों की जांच शिविर का आयोजन किया गया। 199 लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था, जिसमें 148 लोगों की जांच की गई। 51 गूंगे एवं बहरे को गढ़वा रेफर किया गया। हड्डी 70, आंख 30 एवं मेंटल 48 विकलांगता की जांच की गई। सिविल सर्जन डॉक्टर अनिल कुमार सिंह, डाक्टर एसके रवि, डॉक्टर पीयूष प्रमोद, डॉक्टर संजय कुमार, डॉक्टर जियाउल हक, भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी दिनेश सिंह ने विकलांगता जांची।

मंत्री ने सामूहिक विवाह जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

निर्धन व असहाय लोग बेटी की शादी करने में हैं असमर्थ तो कन्या विवाह सोसाइटी से मिले : ठाकुर

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी के तत्वाधान में आगामी माह 6 दिसंबर को जिले में आयोजित 101 निर्धन असहाय कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह को सफल बनाने के लिए जन जागृती अभियान की जागरूकता रथ को झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर एवं संस्था सचिव विकाश कुमार माली, जिलाध्यक्ष मो. तनवीर आलम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना की। इस मौके पर प्रेस से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि यह संस्था बिहार सरकार से निबंधित है और इनका कार्य काफी सराहनीय है। साथ ही कहा कि संस्था में अपनी कन्याओं का निबंधन कराएं और इस कार्यक्रम को सफल करने में अहम भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्य में शिरकत करने से गौरवान्वित महसूस होता है। इस मौके पर संस्था सचिव विकास कुमार माली ने कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह, दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या पर रोक लगाना एवं सामूहिक विवाह को प्रोत्साहन देना है। समारोह के लिए गढ़वा, डालटनगंज, एवं लातेहार जिले के विभिन्न पंचायतों के गांव से 101 कन्याओं का चयन किया जायेगा। संस्था हर निर्धन परिवार के साथ है। मौके पर जेएमएम के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, अल्पसंख्यक मोर्चा के विधायक प्रतिनिधि मासूम खान, नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष अनिता दत्त, कल्याणपुर पंचायत के पूर्व मुखिया विनोद चंद्रवंशी, सत्तन माली संस्था के कोषाध्यक्ष उषा कुमारी, सहायक सचिव राजेश सिन्हा, हासिबुल्लाह अंसारी, जिला प्रबंधक अयूब खान, टिंकू तिवारी, मुकेश मेहता, अमानत खान आदि मौजूद रहे।

सीएचसी से फरार चल रहे डॉक्टरों से सीएस ने मांगा स्पष्टीकरण

डंडाई। पिछले चार दिनों से अस्पताल से फरार चल रहे चिकित्सकों के खिलाफ सीएस अनिल कुमार सिंह ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की है। उनके द्वारा उक्त सभी चिकित्सकों से स्पष्टीकरण की मांग की गई है। इसके साथ ही उन्हें उनके द्वारा चेतावनी दी गयी है कि नो वर्क नो पे और आधा काम आधा वेतन। उसके बाद भी उक्त चिकित्सकों की कार्यप्रणाली में सुधार नहीं हुआ तो सभी के वेतन भुगतान पर रोक लगाने की भी बात कही गई है। बता दें कि हिंदी दैनिक राष्ट्रीय नवीन मेल ने इस मामले को लगातार प्रमुखता से उठाया है।

आउटसोर्सिंग कर्मियों को ससमय वेतन का आदेश

जिप सदस्य शर्मा रंजनी की मांग के बाद मंत्री की पहल पर कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा भवनाथपुर जिला परिषद सदस्य सह ग्राम विकास समिति झारखंड प्रदेश अध्यक्ष रंजनी कुमारी उर्फ शर्मा रंजनी की मांग पर श्रमायुक्त संजीव कुमार बेसरा ने सकारात्मक कार्रवाई की है। श्रमायुक्त ने राज्य के सभी उपश्रमायुक्त, सहायक श्रमायुक्त एवं श्रम अधीक्षक को झारखंड सरकार के विभिन्न विभागां में आउटसोर्सिंग एजेंसियां के माध्यम से नियुक्त कर्मियों को बिना कटौती के ससमय वेतनमान सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है।

श्रमायुक्त ने निर्गत पत्र में कहा है कि इस संबंध में प्रायः झारखंड सरकार के विभिन्न विभागों में कतिपय आउटसोर्सिंग एजेंसियों द्वारा नियुक्त कर्मियों को प्रत्येक माह विलंब से वेतन भुगतान किया जा रहा है एवं उनके वेतन से अनावश्यक कटौती किए जाने की जानकारी विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त हो रही है। आउटसोर्सिंग एजेन्सियों द्वारा नियुक्त कर्मियों को प्रत्येक माह बिना कटौती के 7वीं तारीख तक वेतन भुगतान किया जाना है। इस संबंध में श्रमायुक्त बेसरा ने जेएपी आईटी के आउटसोर्सिंग एजेंसियों द्वारा नियुक्त कर्मियों को बिना गैरकानूनी कटौती के ससमय वेतन भुगतान की अगले छह माह तक से जांच-पड़ताल कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। कृत कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन हर माह की 10 तारीख तक अधोहस्ताक्षरी को देना उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। ज्ञात हो कि गढ़वा के भवनाथपुर जिला परिषद सदस्य सह ग्राम विकास समिति झारखंड प्रदेश अध्यक्ष रंजनी कुमारी उर्फ शर्मा रंजनी ने इस संबंध में गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर को आवेदन सौंपकर उचित कार्रवाई करते हुए आउटसोर्सिंग कर्मियां की विभिन्न समस्याओं के निदान की मांग की थी। मंत्री ठाकुर के पहल पर श्रमायुक्त ने यह कार्रवाई की है। इसके लिए शर्मा ने मंत्री एवं श्रमायुक्त बेसरा के प्रति आभार व्यक्त किया है।

धर्म-कर्म

चुकामुका बैठ कर पूजा करने से दरिद्रता आती है : जीयर स्वामी

भोजन बनाते समय भगवान का गीत गुनगुनाएं : स्वामी

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर भोजन बनाते समय फिल्मी गीत गाना निषेध होता है। गाना ही है तो भगवान का भजन गायें। श्री राम, भगवान कृष्ण का गीत गुनगुनायें, जिससे भोजन में स्वाद बढ़ेगा। वह भोजन जो पाएगा वह संस्कारवान होगा। श्रीमद्भागवत महापुराण में लिखा हुआ है कि यशोदा मईया जब भगवान कृष्ण के लिए दही का मंथन करती थी तो भगवान कृष्ण के गुण को गुनगुनाती रहती थी। उक्त बातें जीयर स्वामी महाराज ने पाल्हे जतपुरा ग्राम में प्रवचन के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि आठ नियमों का पालन करने वाला व्यक्ति ही राजयोग अधिकारी होता है। पहला है यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि। इसी को राजयोग और अष्टांग योग कहा जाता है। इन आठ सिस्टम को जब हम जीवन में उतारते हैं तब सही मायने में हम राजयोग के अधिकारी होते हैं। यम का मतलब होता है अपने में संयमित होना। जब संयमित होंगे तब बताया गया है कि अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रम्हचर्य, यदि विवाह शादी हुआ हो तो पत्नी के मयार्दा में रहें। यदि विवाह नहीं हुआ हो तो पूरी दुनिया की माताओं को माता समझ कर जीवन जीना ब्रह्मचर्य है। पांचवां है अपरिग्रह। परमात्मा को कभी उलाहना मत दीजिए कि उन्होंने हमारे लिए क्या किया है। परमात्मा ने जो किया है बहुत किया है। यही संतोष है।

स्वामी ने कहा कि चुकामुका बैठ कर पूजा करने से लोग दरिद्र होते हैं। योग शास्त्र में 84 आसन प्रसिद्ध बताए गए हैं। इनमें दस आसन प्रसिद्ध है। इनमें से भी तीन आसन प्रसिद्ध है सिंहासन, पद्मासन, सुखासन। चुकामुका बैठा जाता है उसका नाम है दरिद्राशन। इसको बनाया गया है शौच करने के लिए। यदि इस आसन में बैठकर पूजा करेंगे तो बताया गया है कि इंद्र के समान भी धनी रहेंगे तो पद, गति और धन जाने में देर नही लगेगी। सबसे अच्छा है सुखासन, पद्मासन। जिसने आसन को जीत लिया वह कठिन से कठिन काम भी पूरा कर लेता है। जाने अनजाने में अगर कोई पाप होता है तो संत के पास एवं तीर्थ में जाकर उसका मार्जन किया जा सकता है, लेकिन तीर्थ और संतों के यहां किये गये अपराध का मार्जन संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि भक्ति और भगवान के आश्रय में रहकर सुकर्म करते हुए अपने अपराधों के प्रभाव को कम किया जा सकता है, लेकिन पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता है। बारिश में छाता या बरसाती से आंधी में दिये को शीशे से बचाव किया जा सकता है, लेकिन बारिश एवं आंधी को रोका नहीं जा सकता है। भक्ति और सत्कर्म का प्रभाव यही होता है। प्रारब्ध या होनी का समूल नाश नहीं होता। प्रारब्ध का भोग भोगना ही पड़ता है। शास्त्रों में कहा गया है कि प्रारब्ध अवश्यमेव भोक्तव्यम। ईश्वर की भक्ति अथवा संत-सद्गुरू प्रारब्ध की तीक्ष्णता को कम किया जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति के भाग्य में उसके पिछले जन्मों के कुकर्मो के कारण शूली पर चढ़ना लिखा है, तो इस जन्म के ईश्वर-भक्ति या गुरु की कृपा से प्रारब्ध की शूली शूल का रूप ले सकती है। प्रारब्ध को मिटाया नहीं जा सकता, उसके प्रभाव को कम किया जा सकता है।

वन विभाग के अफसरों की मिलीभगत से अवैध कब्जा

नवीन मेल संवाददाता। विशुनपुरा प्रखंड क्षेत्र में वन विभाग के अफसरों की मिलीभगत से वन भूमि पर अवैध तरीके से फसल उगाई जा रही है। दबंग लोग जंगल काटते हैं, फिर खेती करते हैं। इससे जंगल का क्षेत्रफल कम होता जा रहा है। बताया जा रहा है कि जंगल की भूमि पर फसल उगाने में वन विभाग का कमीशन भी बंधा हुआ है, जिसके कारण अधिकारी जानकर भी अनजान बने हुए हैं और माफिया प्रत्येक वर्ष जंगलों की कटाई कर भूमि पर कब्जा कर रहे हैं। प्रखंड के सारो, पातो एवं ओढेया के जंगलों की सैकड़ों एकड़ भूमि जंगलों से गायब हो गयी है। वन भूमि पर हरे पेड़ की जगह माफिया फसल उगाते दिख रहे हैं। माफिया कमाई कर मालामाल हो रहे हैं और प्राकृतिक का सौंदर्य जंगल दिन प्रतिदिन खंडहर बनता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना था कि इस समय दबंग लोगों ने धान, मक्का, अरहर की फसल लगाने के लिए खेतों की जुताई करा दी है, मगर वन विभाग के अफसर चुप्पी साधे बैठे हैं। इस संबंध में वन विभाग के रेंजर गोपाल चंद्रा ने बताया कि हम कैसे मान लें कि जंगल की जमीन की जोताई हो रही है। कर्मी से जांच करवा कर ही कुछ कहा जायेगा।

एक नजर इधर भी

कामयाबी के बढ़ते कदम

अंतरिक्ष विज्ञान में भारत बड़ी महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। अंतरिक्ष की दुनिया में सबसे कम खर्च में हमारे वैज्ञानिकों ने बुलंदी का झंडा गाड़ा है। हम चांद को जीतने निकल पड़े हैं। कभी हम साइकिल पर मिसाइल रखकर लांचिंग पैड तक जाते थे, लेकिन आज हमारे पास अत्याधुनिक तकनीकी उपलब्ध है, जिसका लोहा अमेरिका और दुनिया के तकनीकी एवं साधन संपन्न देश मानते हैं। इसरो ने 14 जुलाई को श्री हरि कोटा से सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से चंद्रयान -3 का सफलता पूर्वक प्रक्षेपण कर दिया। यान पृथ्वी की कक्षा में स्थापित भी हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रक्षेपण की सफलता पर वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि अंतरिक्ष में चंद्रयान-3 एक नये चैप्टर की शुरूआत है। अंतरिक्ष में बढ़ते कदम की वजह से चंद्रमा के साथ-साथ अन्य तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जायेगी। इस मिशन का उपयोग हम विभिन्न क्षेत्रों में करेंगे। इसकी वजह कृषि एवं दूसरे क्षेत्र में बड़ा फायदा मिलेगा। हमारे सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम की वजह से मौसम की सटीक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। भीषण चक्रवातीय तूफानों की त्वरित सूचना समय पर उपलब्ध होने से लोगों को आपदा से बचा लिया जा रहा है। जनधन की हानि को नियंत्रित किया जा सका है। चंद्रमा कभी हमारे लिए किस्से कहानियों में होता था। दादी और नानी कि कहानियों में उसके बारे में जानकारी मिलती थी। लेकिन आज वैज्ञानिक शोध और तकनीकी विकास की वजह से हम चांद को जीतने में लगे हैं। चंद्रलोक के बारे में वैज्ञानिक जमीनी पड़ताल कर रहे हैं। चंद्रलोक की बहुत सारी जानकारी हमारे पास उपलब्ध है। दुनिया के लिए चांद अब रहस्य नहीं है। अब वहां मानव जीवन बसाने के लिए भी रिसर्च किये जा रहे हैं। वैज्ञानिक शोध से यह साबित हो गया है कि चांद पर जीवन बसाना आसान है। सफल प्रक्षेपण के बाद इसरो मिशन चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग की तैयारी में जुटा है। यह चंद्रयान -2 मिशन को आगे बढ़ाने की कोशिश है, क्योंकि यह अभियान वैज्ञानिकों के अथक प्रयास के बाद भी कक्षा में स्थापित होने के पहले विफल हो गया था। लिहाजा उस अभियान से सबक लेते हुए अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने सारी कमियों को दूर कर लिया है। उम्मीद है कि देश का यह अभियान सफल होगा और भारत का नाम अंतरिक्ष युग में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा। चंद्रमा पर सफल और सुरक्षित लैंडिंग करने वाले अब तक सिर्फ तीन देश हैं जिसमें अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत भी इस बिरादरी में शामिल हो जायेगा। देश के लिए यह गर्व और गौरव का विषय होगा। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के अनुसार यह मिशन पूरी तरह चंद्रयान- 2 की तरह ही होगा। अभियान पर करीब 615 करोड़ रुपये का खर्च आया है। यह 50 दिन बाद लैंड करेगा। इस यान में भी एक आर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर होगा। यह चंद्रयान -2 के मुकाबले इसका लैंडर 250 किलोग्राम अधिक वजनी होगा और 40 गुना अधिक स्थान का घेराव करेगा। यान की गति प्रतिघंटा 37 हजार किलोमीटर वैज्ञानिकों ने उस तकनीकी गड़बड़ी को दूर कर लिया है जिसकी वजह से चंद्रयान-2 सफलता के करीब पहुंचने के बाद भी फेल हो गया था। इस बार अंतरिक्ष संगठन की पूरी कोशिश है कि यह पूरी तरह सफल हो। 23 अगस्त तक सब ठीक रहा तो चंद्रतल पर इसे सुरक्षित स्थापित किया जायेगा। इस मिशन का यह सबसे चुनौतीपूर्ण मसला है। चंद्रयान-2 मिशन पर 978 करोड़ रुपये का खर्च आया था। 50 दिन से कम समय में 30844 लाख किलोमीटर से अधिक दूरी तय की थी। लेकिन अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के भरपूर प्रयास के बावजूद भी मिशन फेल हो गया था। चंद्रमा की कक्षा में सफल लैंडिंग के पूर्व रूस, अमेरिका भी कई बार विफल हो चुका था। लेकिन चीन अकेला ऐसा देश था जिसने इस मिशन को पहली बार में ही सफलता हासिल कर लिया था। भारत चार साल बाद पुनः अधूरे मिशन को कामयाब करने में जुटा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारे वैज्ञानिकों की मेहनत रंग लायेगी।

■ प्रभुनाथ शुक्ल

बालूमाथ की नकारात्मक छवि को बदल रहे हैं होनहार

उग्रवाद प्रभावित, रंगदारी व कोयला तस्करी क्षेत्र के रूप में प्रसिद्ध बालूमाथ के छात्र-छात्राएं तोड़ रहे हैं मिथक, यहां के होनहारों के हालिया प्रदर्शन पर निगाह दौड़ाई जाए तो यह बखूबी कहा जा सकता है कि सीमित संसाधन में भी बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है बस उसे उचित अवसर की तलाश होती है। इन पंक्तियों को बखूबी चरितार्थ किया है बालूमाथ के होनहार छात्रों ने अपनी कड़ी मेहनत व लगन से। इन होनहारों ने कई दशकों से बालूमाथ के माथे पर लगी कलंक को बखूबी मिटाने का अथक प्रयास किया है। हाल के दिनों तक बालूमाथ का नाम उग्रवाद -रंगदारी एवं कोयला तस्करी को लेकर प्रसिद्ध रहा था। ऐसा महसूस होता था कि बालूमाथ की यही पहचान बन गई है। ऐसे में बालूमाथ के गर्भ में छुपी हुई प्रतिभाओं ने अपने दम पर अपनी मातृभूमि की बनी हुई नकारात्मक छवि को बहुत हद तक मिटाने का काम किया है। बालूमाथ के छात्र और छात्राओं के हालिया प्रदर्शन पर निगाह दौड़ाई जाय तो यह बखूबी कहा जा सकता है कि सीमित संसाधन में भी बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है। झारखंड एकेडमिक काउंसिल जैक की ओर से आयोजित मैट्रिक व इंटरमीडिएट (आर्ट्स, कॉमर्स, साइंस) के परीक्षाफल में यहां के छात्रों का दबदबा एक अलग नजीर पेश करता है। बेहद साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली बालूमाथ प्रखंड के सुदूर क्षेत्र की रहने वाली उषा रानी, जिसके पिता जयनाथ रवि पारा टीचर हैं, ने वर्ष 2023 की परीक्षा में 95.4 प्रतिशत अंक हासिल कर न सिर्फ जिला टॉपर होने का गौरव हासिल किया बल्कि उसकी इस सफलता ने हजारों छात्र एवं छात्राओं के लिए प्रेरित करने का भी कार्य किया। उषा रानी की बहन प्रतिमा कुमारी ने भी इंटरमीडिएट आर्ट्स में जिले में सेकंड टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया। यही नहीं, इंटरमीडिएट कॉमर्स के जिला टॉपर भी क्रमशः दिलीप उरांव, नेहा कुमारी, प्रीति कुमारी तीनों राजकीय कृत प्लस टू उच्च विद्यालय बालूमाथ से ही रहे। वहीं वर्ष 2022 में राज्य स्तर पर होने वाले ओलंपियाड में अपग्रेडेड हाई स्कूल सेमरसोत की छात्रा मोहसीरा परवीन ने ब्रोंज मेडल हासिल कर बालूमाथ का नाम रोशन किया। उनकी इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री ने लैपटॉप देकर सम्मानित भी किया। बालूमाथ के लगभग आधा दर्जन से अधिक बच्चे मेडिकल की पढ़ाई या तो कर रहे हैं या हाल के दिनों में कर चुके हैं। नीट की ओर से आयोजित 2023 की परीक्षा में बालूमाथ के दो छात्र मोहम्मद व ओवैस उमर ने सफलता हासिल की है। बालूमाथ की ही अंकिता राज ने यूजीसी की ओर से आयोजित नेट/जेआरएफ की परीक्षा में सफलता पाकर बालूमाथ को गौरवान्वित किया है। यही नहीं, बालूमाथ के दर्जनों छात्र यूजीसी की ओर से आयोजित नेट जेआरएफ की परीक्षा में सफल होकर या तो लेक्चरर, प्रोफेसर बन कर विश्वविद्यालयों में अपनी सेवा दे रहे हैं या रिसर्च कर पीएचडी कर रहे हैं। ऐसे दर्जनों उदाहरण बालूमाथ के वातावरण को सुखद अनुभूति प्रदान कर रहे हैं। बालूमाथ के छात्रों ने अपनी प्रतिभा का लोहा पहले भी मनवाया है। वर्ष 2012 में अभिषेक कुमार ने यूपीएससी की परीक्षा में सफलता का झंडा गाड़ा था। वह वर्तमान में आयकर उपायुक्त के रूप में अपनी सेवा झारखंड में ही दे रहे हैं। एसएससी की परीक्षा में मो. अली जौहर ने देशभर में पहला रैंक हासिल कर बालूमाथ सहित जिला और राज्य का नाम रोशन किया था। वह वर्तमान में विदेश मंत्रालय में पासपोर्ट अधिकारी के रूप में वह कार्यरत हैं। बालूमाथ के ही मो. नौशाद आलम कालाजार पर यूएसए में रिसर्च कर रहे हैं। बालूमाथ के ही तौसीफ आलम फैलोशिप पाकर फिजिक्स में देश के प्रतिष्ठित वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से पीएचडी कर रहे हैं। अदनान परवेज का चयन वर्तमान में स्पेन में उच्च शिक्षा के लिए हुआ है। देश के प्रतिष्ठित अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, जामिया मिलिया इस्लामिया, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी व अन्य संस्थानों में उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इन तमाम सफल छात्र एवं छात्राओं में एक चीज सामान्य है कि इन्होंने अपने अब तक के सफर को अपनी मेहनत के बल पर हासिल किया है। अगर सरकार या संस्थाओं का सहयोग इन होनहारों को मिले तो निश्चित ही एक नई इबारत लिखी जा सकती है। इस संबंध में बालूमाथ स्थित इंदिरा गांधी मेमोरियल बालिका उच्च विद्यालय के शिक्षक व पिछले 30 वर्ष से बालूमाथ में अध्यापन का कार्य कर रहे निर्मल कुमार सिन्हा का कहना है कि बालूमाथ में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। बस उचित अवसर की तलाश है। जब जब बालूमाथ के बच्चों को मौका मिला है, बच्चों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। बच्चों की सफलता उसके परिवार वालों के साथ-साथ हम शिक्षकों को भी खुशी का अवसर प्रदान करता है। सामूहिक प्रयास किया जाय तो बालूमाथ राष्ट्रीय क्षितिज पर एक अलग पहचान बनाने का माद्दा रखता है। राजकीय कृत प्लस टू उच्च विद्यालय बालूमाथ की प्राचार्य व वर्ष 2021 में राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाली प्राचार्य व स्कूल का बेहतरीन रिजल्ट के लिए शिक्षा मंत्री से सम्मानित रूबी बानो का कहना है कि बालूमाथ के छात्र एवं छात्राओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। लगनशीलतता, मेहनती व लक्ष्य को ध्यान में रखकर पढ़ने वाले छात्र एवं छात्राएं जब अपने प्रदर्शन के बदौलत लक्ष्य को हासिल करते हैं, तो हम शिक्षकों के द्वारा छात्र पर किये गये मेहनत का नतीजा काफी सुखद अनुभूति करवाने वाला रहता है। इस प्रतियोगी माहौल में छात्र एवं छात्राओं को उसके अनुरूप तैयार करना हमारे लिए बड़ी चुनौती है सामूहिक प्रयास से इन चुनौतियों का सामना कर विजय प्राप्त करने की उम्मीद है। बालूमाथ प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी निर्मला लता का कहना है कि बालूमाथ 12वीं तक की शिक्षा के लिए 3 समेत 10 हाई स्कूल में हजारों छात्र एवं छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे है। शिक्षकों की कमी की समस्या से ग्रसित होने के बावजूद बच्चे बेहतर परिणाम दे रहे हैं। अगर संसाधनों पर ध्यान दिया जाय तो और भी बेहतर परिणाम हमें प्राप्त हो सकता है।

हाल के दिनों तक बालूमाथ का नाम उग्रवाद -रंगदारी एवं कोयला तस्करी को लेकर प्रसिद्ध रहा था। ऐसा महसूस होता था कि बालूमाथ की यही पहचान बन गई है। ऐसे में बालूमाथ के गर्भ में छुपी हुई प्रतिभाओं ने अपने दम पर अपनी मातृभूमि की बनी हुई नकारात्मक छवि को बहुत हद तक मिटाने का काम किया है।

इन दिनों

अजीत कुमार

भारत की बाढ़ प्रबंधन योजना का क्या?

राष्ट्रीय बाढ़ आयोग की प्रमुख सिफारिशें जैसे बाढ़ संभावित क्षेत्रों का वैज्ञानिक मूल्यांकन और फ्लड प्लेन जोनिंग एक्ट का अधिनियमन अभी तक अमल में नहीं आया है। सीडब्ल्यूसी का बाढ़ पूर्वानुमान नेटवर्क देश को पर्याप्त रूप से कवर करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके अलावा, अधिकांश मौजूदा बाढ़ पूर्वानुमान स्टेशन चालू नहीं हैं। 2006 में केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा गठित एक टास्क फोर्स ने बाढ़ जोखिम मानचित्रण का कार्य पूरा नहीं किया। बाढ़ क्षति का आकलन पर्याप्त रूप से नहीं किया गया। बाढ़ प्रबंधन कार्यक्रमों के तहत परियोजनाओं के पूरा होने में देरी मुख्य रूप से केंद्र की सहायता की कमी के कारण होती है। बाढ़ प्रबंधन के कार्य एकीकृत तरीके से नहीं किये जाते हैं। भारत के अधिकांश बड़े बांधों में आपदा प्रबंधन योजना नहीं है- देश के कुल बड़े बांधों में से केवल 7% के पास आपातकालीन कार्य योजना/आपदा प्रबंधन योजना है। चूंकि बाढ़ से हर साल जान-माल को बड़ा नुकसान होता है, इसलिए अब समय आ गया है कि केंद्र और राज्य सरकारें एक दीर्घकालिक योजना तैयार करें जो बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए तटबंधों के निर्माण और ड्रेजिंग जैसे टुकड़ों-टुकड़ों के उपायों से आगे बढ़े। इसके अलावा, एक एकीकृत बेसिन प्रबंधन योजना की भी आवश्यकता है जो सभी नदी-बेसिन साझा करने वाले देशों के साथ-साथ भारतीय राज्यों को भी साथ लाये। बाढ़ पर भारत के पहले और आखिरी आयोग के गठन के कम से कम 43 साल बाद, देश में अब तक कोई राष्ट्रीय स्तर का बाढ़ नियंत्रण प्राधिकरण नहीं है। राष्ट्रीय बाढ़ आयोग (आरबीए), या राष्ट्रीय बाढ़ आयोग, की स्थापना 1976 में कृषि और सिंचाई मंत्रालय द्वारा भारत के बाढ़-नियंत्रण उपायों का अध्ययन करने के लिए की गई थी, क्योंकि 1954 के राष्ट्रीय बाढ़ नियंत्रण कार्यक्रम के तहत शुरू की गई परियोजनायें ज्यादा सफलता हासिल करने में विफल रहीं। हाल ही में, उत्तरी राज्यों में बाढ़ ने जीवन और संपत्ति की तबाही मचाई है, जो इस क्षेत्र में एक समस्या है। हालाँकि, बाढ़ केवल उत्तर-पूर्वी भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के कई अन्य क्षेत्रों को प्रभावित करती है। मानसून के दौरान लगातार और भारी वर्षा जैसे प्राकृतिक कारकों के अलावा, मानव निर्मित कारक भी हैं जो भारत में बाढ़ में योगदान करते हैं। भारत अत्यधिक असुरक्षित है, क्योंकि इसके अधिकांश भौगोलिक क्षेत्र में वार्षिक बाढ़ का खतरा रहता है। बाढ़ के कारण होने वाली उच्च हानि और क्षति भारत की खराब अनुकूलन और शमन स्थिति और आपदा प्रबंधन और तैयारियों में अपर्याप्तता को दर्शाती है। अतः एक एकीकृत बाढ़ प्रबंधन प्रणाली की आवश्यकता है। 1980 में, राष्ट्रीय बाढ़ आयोग ने 207 सिफारिशें और चार व्यापक टिप्पणियाँ कीं। सबसे पहले, इसने कहा कि भारत में वर्षा में कोई वृद्धि नहीं हुई और इस प्रकार, बाढ़ में वृद्धि मानवजनित कारकों जैसे वनों की कटाई, जल निकासी की भीड़ और बुरी तरह से नियोजित विकास कार्यों के कारण हुई। दूसरा, इसने बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए अपनाये गये तरीकों, जैसे तटबंधों और जलाशयों की प्रभावशीलता पर सवाल उठाया और सुझाव दिया कि इन संरचनाओं का निर्माण उनकी प्रभावशीलता का आकलन होने तक रोक दिया जाय। हालाँकि, इसमें यह कहा गया कि जिन क्षेत्रों में वे प्रभावी हैं, वहाँ तटबंधों का निर्माण किया जा सकता है। तीसरा, इसमें कहा गया कि बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए अनुसंधान और नीतिगत पहल करने के लिए राज्यों और केंद्र के बीच समेकित प्रयास होने चाहिए। चौथा, इसने बाढ़ की बदलती प्रकृति से निपटने के लिए एक गतिशील रणनीति की सिफारिश की। रिपोर्ट के विश्लेषण से पता चला कि समस्या देश के बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों के आकलन के तरीकों से शुरू हुई। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा 'बाढ़ नियंत्रण और बाढ़ पूर्वानुमान के लिए योजनाएं' 2017 की ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय बाढ़ आयोग की प्रमुख सिफारिशें जैसे बाढ़ संभावित क्षेत्रों का वैज्ञानिक मूल्यांकन और फ्लड प्लेन जोनिंग एक्ट का अधिनियमन अभी तक अमल में नहीं आया है। सीडब्ल्यूसी का बाढ़ पूर्वानुमान नेटवर्क देश को पर्याप्त रूप से कवर करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके अलावा, अधिकांश मौजूदा बाढ़ पूर्वानुमान स्टेशन चालू नहीं हैं। 2006 में केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा गठित एक टास्क फोर्स ने बाढ़ जोखिम मानचित्रण का कार्य पूरा नहीं किया। बाढ़ क्षति का आकलन पर्याप्त रूप से नहीं किया गया। बाढ़ प्रबंधन कार्यक्रमों के तहत परियोजनाओं के पूरा होने में देरी मुख्य रूप से केंद्र की सहायता की कमी के कारण होती है। बाढ़ प्रबंधन के कार्य एकीकृत तरीके से नहीं किये जाते हैं। भारत के अधिकांश बड़े बांधों में आपदा प्रबंधन योजना नहीं है- देश के कुल बड़े बांधों में से केवल 7% के पास आपातकालीन कार्य योजना/आपदा प्रबंधन योजना है। नवीनतम तकनीकों की एक विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करके बाढ़ की चेतावनियों का प्रसार किया जाना चाहिए। इससे पारंपरिक सिस्टम विफल होने पर वास्तविक समय डेटा देने में मदद मिलेगी। पानी एक ही स्थान पर जमा न हो इसके लिए जल निकासी व्यवस्था का उचित प्रबंधन आवश्यक है। ठोस अपशिष्ट हाइड्रोलिक खुरदरापन बढ़ाता है, रुकावट का कारण बनता है और आम तौर पर प्रवाह क्षमता को कम करता है। पानी के मुक्त प्रवाह की अनुमति देने के लिए इन नालियों को नियमित आधार पर साफ करने की आवश्यकता है। शहरीकरण के कारण, भू- जल पुर्नभरण में कमी आई है और वर्षा और परिणामस्वरूप बाढ़ से चरम अपवाह में वृद्धि हुई है।

■ डॉ सत्यवान सौरभ

है न विचित्र बात !

योगीतत्व, वृक्ष का महत्व, जीवन रक्षा कवच

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास के मामले में पिछली सभी सरकारों को बहुत पीछे छोड़ है। अनेक रिकार्ड कायम कर चुके हैं। अब वह अपने ही रिकॉर्डों को पिछे छोड़ रहे हैं। इसमें पौधरोपण अभियान भी शामिल है। इस बार 35 करोड़ से अधिक पौधे रोपने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह नया रिकॉर्ड होगा। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक साथ पांच करोड़ पौधे लगाये जायेंगे। छह वर्षों में सवा सौ करोड़ से अधिक पौधे रोपे जा चुके हैं। एक से सात जुलाई तक आयोजित जागरुकता सप्ताह चलाया गया। 'पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ' का संदेश गूंजेगा। हाइटेक नर्सरी तैयार होगी। पौधरोपण स्थलों की जियो टैगिंग होगी। 'मुख्यमंत्री कृषक वृक्ष धन योजना' लागू होगी। 'खेत पर मेड़-मेड़ पर पेड़' के संदेश को चरितार्थ होगा। विगत वर्षों में बनाए गए 'खाद्य वन, बाल वन, नगर वन, अमृत वन, युवा वन और शक्ति वन' जैसे नियोजित पौधरोपण का अभियान आगे बढ़ेगा। पर्यावरण के बिगड़ने की समस्या से मानव जीवन प्रभावित हो रहा है। यह पशु पक्षियों, जीव-जंतुओं, पेड़ पौधों, वनस्पतियों, वनों, जंगलों,पहाड़ों, नदियों सभी के अस्तित्व के लिए घातक है। पर्यावरण और जीवन परस्पर आश्रित है। वृक्ष मानव के स्वास्थ्य का सबसे बड़ा रक्षा कवच है। वृक्ष के आसपास रहने से जीवन में मानसिक संतुलन और संतुष्टि मिलती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अनेक योजनाओं ने कीर्तिमान स्थापित किये हैं। इनमें से कई विश्वस्तर पर भी प्रतिष्ठित हुई है। वन महोत्सव में पौधरोपण इसी प्रकार का अभियान रहा है। भारत की केंद्र और उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार पर्यावरण व प्रकृति संरक्षण के प्रति सजग है। इसको पर्यटन व तीर्थाटन से भी जोड़ा गया है। यह विकास की समग्र अवधारणा में समाहित विचार है। इसके दृष्टिगत पर्यटन व तीर्थ स्थलों का विकास और इनसे संबंधित राजमार्ग का निर्माण शामिल है। विगत वर्षों के दौरान इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। योगी आदित्यनाथ ने राम वनगमन मार्ग को वन महोत्सव अभियान में शामिल किया। इसके अंतर्गत इस मार्ग पर त्रेता युगकालीन वाटिकाओं की स्थापना होगी। भारत में आदिकाल से प्रकृति संरक्षण का विचार रहा है। योगी आदित्यनाथ उससे प्रेरणा लेते हैं। उनका मानना है कि अतीत से जुड़ना वर्तमान समाज के लिए आवश्यक है। त्रेता युग की वाटिका व उपवन भी वर्तमान पीढ़ी में पर्यावरण चेतना का संचार करेंगी। महर्षि वाल्मीकिकृत रामायण में अयोध्या से चित्रकूट तक राम वन गमन मार्ग में मिलने वाली अट्ठासी वृक्ष प्रजातियों एवं वनों एवं वृक्षों के समूह का उल्लेख है। महर्षि वाल्मीकि कृत रामायण एवं विभिन्न शास्त्रों में शृंगार वन, तमाल वन, रसाल वन,चम्पक वन, चन्दन वन,अशोक वन, कदम्ब वन,अनंग वन, विचित्र वन,विहार वन का उल्लेख मिलता है। रामायण में उल्लिखित अट्ठासी वृक्ष प्रजातियों में से कई विलुप्त हो चुकी हैं अथवा देश के अन्य भागों तक सीमित हो गई हैं। यथा रामायण में उल्लिखित रक्त चंदन के वृक्ष वर्तमान में दक्षिण भारत तक सीमित हैं। वन विभाग द्वारा राम वन गमन मार्ग में पड़ने वाले जनपदों अयोध्या, प्रयागराज चित्रकूट में रामायण में उल्लिखित अट्ठासी वृक्ष प्रजातियों में से प्रदेश की मृदा, पर्यावरण व जलवायु के अनुकूल तीस वृक्ष प्रजातियों का रोपण कराया जा रहा है। यह वृक्ष प्रजातियां- साल, आम, अशोक, कल्पवृक्ष पारिजात, बरगद, महुआ, कटहल, असन, कदम्ब,अर्जुन, छितवन, जामुन, अनार, बेल, खैर, पलाश, बहेड़ा, पीपल, आंवला, नीम, शीशम, बांस, बेर, कचनार, चिलबिल, कनेर, सेमल, सिरस, अमलतास, बड़हल हैं। मानव सभ्यता को बचाने के लिए वर्तमान कृषि प्रणाली में कृषि वानिकी, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन सभी को अपनी खेती में बराबर का स्थान देना होगा।

■ डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

सड़कें तो आधुनिक बना दीं पर ट्रैफिक नियमों का पालन कब होगा?

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओर से दी गई यह जानकारी हतप्रभ करने वाली है कि देश में प्रतिदिन करीब 415 लोग यानी प्रति वर्ष डेढ़ लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाते हैं। यह बहुत बड़ी संख्या है। भारत का सड़क यातायात तमाम विकास की उपलब्धियों एवं प्रयत्नों के बावजूद असुरक्षित एवं जानलेवा बना हुआ है, सुविधा की खूनी एवं हादसे की सड़कें नित-नयी त्रासदियों की गवाह बन रही है। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर हुए दिल दहलाने एवं रूह कंप-कंपाने वाले एक भीषण एवं दर्दनाक हादसे में एक कार में सवार एक परिवार के छह लोगों की मौत ने एक बार फिर यह खौफनाक एवं डरावना तथ्य उजागर किया कि अपने देश में जैसे-जैसे अच्छी एवं सुविधा की सड़कें बन रही हैं, वैसे-वैसे ही दुर्घटनाएं या यातायात नियमों की अवहेलना भी बढ़ रही हैं और उनमें जान गंवाने वालों की संख्या भी। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर हादसा इसलिए हुआ, क्योंकि एक कार की भिड़ंत गलत दिशा से आ रही बस से हो गई। यह अंधेरगर्दी एवं घोर लापरवाही है कि यह बस करीब आठ किमी तक गलत दिशा में चलती रही, लेकिन किसी ने उसे रोका-टोका नहीं। आखिर कोई यह देखने वाला क्यों नहीं था कि बस चालक ट्रैफिक नियमों की अनदेखी कर अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डाल रहा है? जिस समय यह हादसा हुआ, उसके बाद भी उसी हाइवे एवं अन्य सड़क मार्गों पर ऐसी ही लापरवाही देखी गयी। ट्रैफिक पुलिस का ध्यान आज भी हादसों एवं यातायात नियमों की अवहेलना को रोकने की बजाय अपनी जेब भरने में लगा रहता है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय लोगों के सहयोग से वर्ष 2025 तक सड़क हादसों में 50 प्रतिशत की कमी लाना चाहता है, लेकिन यह काम तभी संभव है जब सड़क दुर्घटनाओं के मूल कारणों का निवारण करने के लिए ठोस कदम भी उठाये जायेंगे। यह तो बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए कि एक्सप्रेसवे या हाईवे पर गलत दिशा में वाहन चलें, खड़े रहें या जानवर उनमें प्रवेश करें, लेकिन ऐसा खूब होता है। एक्सप्रेसवे पर दोपहिया वाहन भी दिख जाते हैं और कभी-कभी तो तीन सवारी के साथ। सारे करतब मोटर साईकिल सवार इन आधुनिक सड़कों पर करते देखे जाते हैं। ट्रैफिक नियमों का ऐसा खुला उल्लंघन ही जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण बनता है। ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता एवं लापरवाही की काली छाया का पसरना त्रासद है और इससे भी बड़ी त्रासदी सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना है। हर स्थिति में मनुष्य जीवन ही दांव पर लग रहा है। इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? हमारे देश की तुलना में अमेरीका में पांच गुणा दुर्घटनाएं होती हैं तो जापान में लगभग हमारे देश जितनी ही, लेकिन वहां मरने वालों की संख्या नगण्य है, क्योंकि वहां के लोगों में यातायात अनुशासन देखने को मिलता है, हमारे देश में ऐसा अनुशासन लाने के लिये सरकार को व्यापक प्रयत्न करने होंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओर से दी गई यह जानकारी हतप्रभ करने वाली है कि देश में प्रतिदिन करीब 415 लोग यानी प्रति वर्ष डेढ़ लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाते हैं। यह बहुत बड़ी संख्या है, लेकिन इसके बाद भी सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए वैसे प्रयत्न एवं उपाय नहीं किये जा रहे, जैसे अनिवार्य हो चुके हैं। अपने देश में यातायात पुलिस की भारी कमी है, लेकिन उसे दूर करने का काम प्राथमिकता से चाहिए। इतना ही नहीं, तेज गति के लिए उपयुक्त इन सड़कों पर हर किस्म के वाहन गलत तरीके से चलते हैं। 'दुर्घटना' एक ऐसा शब्द है जिसे पढ़ते ही कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं, खूनी होते हैं। अध्ययन के मुताबिक, खूनी सड़कों एवं त्रासद दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं- वाहनों की बेलगाम या तेज रफ्तार, गलत दिशा में एवं शराब पीकर गाड़ी चलाना, हेलमेट नहीं पहनना और सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना। भले ही हर सड़क दुर्घटना को केन्द्र एवं राज्य सरकारें दुर्भाग्यपूर्ण बताती हैं, उस पर दुख व्यक्त करती हैं, मुआवजे का ऐलान भी करती हैं लेकिन बड़ा प्रश्न है कि एक्सीडेंट रोकने के गंभीर उपाय अब तक क्यों नहीं किये जा सके हैं? जो भी हो, सवाल यह भी है कि इस तरह की तेज रफ्तार सड़कों पर लोगों की जिंदगी कब तक इतनी सस्ती बनी रहेगी? सच्चाई यह भी है कि पूरे देश में सड़क परिवहन भारी अराजकता का शिकार है। सबसे भ्रष्ट विभागों में परिवहन विभाग शुमार है। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर जो बस कार सवार लोगों के लिए काल बनी, उसका ड्राइवर इसी हाइवे पर पूर्व में भी अनेक बार गलत दिशा में बस चलाता रहा है, उसका कम से कम 15 बार चालान हो चुका था। इसके बाद भी चालक की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ा। यह समझा जाना चाहिए कि इस तरह के दिखावे के चालान से अराजक यातायात और उसके चलते होने वाले जानलेवा हादसों पर लगाम नहीं लगने वाली। लगाम तब लगेगी जब यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को कठोर दंड का भागीदार बनाया जाएगा। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तो यह है कि लोग यह जानते हुए भी मनमाने तरीके से वाहन चलाते हैं कि वे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो सकते हैं। हमारी ट्रैफिक पुलिस एवं उनकी जिम्मेदारियों से जुड़ी एक बड़ी विडम्बना है कि कोई भी ट्रैफिक पुलिस अधिकारी चालान काटने का काम तो बड़ा लगन एवं तन्मयता से करता है, उससे भी अधिक रिश्वत लेने का काम पूरी जिम्मेदारी से करता है, प्रधानमंत्री के तमाम भ्रष्टाचार एवं रिश्वत विरोधी बयानों एवं संकल्पों के यह विभाग धड़ल्ले से रिश्वत वसूली करता है, लेकिन किसी भी यातायात अधिकारी ने यातायात के नियमों का उल्लघंन करने वालों को कोई प्रशिक्षण या सीख दी हो, यह कहीं नजर नहीं आता।

■ ललित गर्ग

एक्सप्रेसवे पर दोपहिया वाहन भी दिख जाते हैं और कभी-कभी तो तीन सवारी के साथ। ट्रैफिक नियमों का ऐसा खुला उल्लंघन ही जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण बनता है। ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता एवं लापरवाही की काली छाया का पसरना त्रासद है और इससे भी बड़ी त्रासदी सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना है।

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नई दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com।

NEWS इन ब्रीफ

एएसआई ने सर्विस रिवाल्वर से खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

शिवपुरी। शिवपुरी जिले में शनिवार तड़के खनियाधाना थाने में पदस्थ एएसआई ने सर्विस रिवाल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। एएसआई ने रिवॉल्वर से सिर में गोली मार ली, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी मिलते ही एसडीओपी प्रशांत शर्मा पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है, इसकी जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार खनियाधाना थाने में पदस्थ एएसआई सुकल मरावी (40 साल) ने शनिवार सुबह करीब पांच बजे एक कॉन्सटेबल के कमरे में अपनी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या की। घटना के समय कॉन्सटेबल भी रात की गश्त पर गया हुआ था। आत्महत्या करने से पहले एएसआई मरावी भी रात की गश्त करके पुलिस थाने लौटे थे। उनकी आत्महत्या की खबर लगते ही एसडीओपी प्रशांत शर्मा तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और कॉन्सटेबल के कमरे को सील कर दिया है। एसपी रघुवंश कुमार भदोरिया और एफएसएल टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। फोरेंसिक साइंस लैब की टीम मौके से साक्ष्य जुटा रही है। बताया जा रहा है कि एएसआई काम के दबाव और बीमारी से परेशान थे। जिसके चलते उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया। फिलहाल एएसआई के आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

यूपी के 2 प्रवासी मजदूरों की कर्नाटक में संदिग्ध मौत

हासन। कर्नाटक के हासन जिले के हनुमंतपुरा गांव में उत्तर प्रदेश के दो प्रवासी मजदूर संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। घटना का खुलासा शनिवार को हुआ। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के नयनपुर निवासी 24 वर्षीय नवाब और 30 वर्षीय रामसंजीवन के रूप में हुई है। वह काम की तलाश में हासन जिले में आए थे। पुलिस के अनुसार, पीड़ित बुधवार को अपने आवास पर सो गए और फिर कभी नहीं उठे। बताया जा रहा है कि उनमें बुखार के लक्षण विकसित हुए और उन्होंने दवा ली। उन्होंने स्थानीय मकान मालिक महेश से किराए का मकान लिया था और बुखार आने के कारण वे दो दिनों से काम से छुट्टी पर थे। वे डॉक्टर के पास गए थे और बुधवार की रात में दवा लेने के बाद सो गए। मकान मालिक ने देखा कि गुरुवार को पूरे दिन मजदूरों की ओर से कोई गतिविधि या आवाजें नहीं सुनाई दी, तो वह शुक्रवार को दरवाजा तोड़कर घर में दाखिल हुआ और पाया कि दो मजदूरों की मौत हो चुकी है। हसन ग्रामीण पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया है और शवों को हासन के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है।

सोनभद्रः कुएं में गिरने से मां-बेटे की मौत

सोनभद्र। बभनी थाना क्षेत्र में शनिवार की दोपहर में एक महिला घर के सामने स्थित कुएं पर स्नान कर रही थी। इसी दौरान पास में खेल रहा पांच वर्षीय पुत्र कुएं में गिर गया, जिसको बचाने के लिए मां भी कुएं में कूद गई। दोनों की मौत हो गई। सेंदुर गांव निवासी श्याम दास की पत्नी ललिता देवी (28)घर के सामने कुएं पर स्नान कर रही थी। इसी बीच उसका पांच वर्षीय पुत्र सतेश भी कुएं के पास आकर खेलने लगा। एका-एक सतेश का पैर फिसला और कुएं में जा गिरा। बच्चे को बचाने के लिए ललिता भी कुएं में कूद गई और दोनों गहरे पानी में चले गए। आसपास के लोगों की निगाह पड़ी तो लोग दौड़कर कुएं के पास पहुंचे। कुछ ही देर में पति श्याम दास भी कुएं पर पहुंचा ग्रामीणों के सहयोग से दोनों के शवों को कूएं से बाहर निकाला।

मुख्यमंत्री योगी ने 400 अभ्यर्थियों के बीच वितरित किए नियुक्ति पत्र, कहा

युवाओं के रोजगार के लिए प्रतिबद्ध

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने मिशन रोजगार के तहत शनिवार को लोकभवन में 17वें नियुक्ति पत्र कार्यक्रम में 400 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार रोजगार के सृजन की दिशा में नए कदम आगे बढ़ाते हुए 18 और 20 जुलाई को फिर से नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। इसकी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश युवाओं के अनुकूल है, जो उन्हें सफलतापूर्वक आगे बढ़ने के लिए मंच प्रदान कर रहा है। प्रदेश के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने और सरकारी नौकरी देने के लिए ग्रुप टू और थ्री के नॉन गजटेड पदों में इंटरव्यू की प्रक्रिया को समाप्त किया गया है, जो सरकार के हर युवा को नौकरी उपलब्ध कराने के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

17वें नियुक्ति पत्र कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 66 समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी (उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद), 204 अनुदेशक (प्राविधिक शिक्षा विभाग) एवं 130 कनिष्ठ सहायक (लोक निर्माण विभाग) के अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिये गये। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब सरकार की कार्यपद्धति में कोई खोट नहीं होता है तो उसके कार्यों का लाभ पूरे प्रदेशवासियों को मिलता है, जिस तरह आज प्रदेश के हर वर्ग को मिल रहा है। यही वजह है कि आज प्रदेश की पहचान का संकट भी समाप्त हुआ है। प्रदेश के युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में नहीं भटकना पड़ रहा है। योगी ने कहा कि सरकार की नीतियों का यह असर रहा कि पिछले 6 वर्षों में लगभग 6 लाख शासकीय नियुक्तियां दी गयी हैं। इन नियुक्तियों की प्रक्रिया में कोई प्रश्न खड़ा नहीं कर पाया। साथ ही किसी भी विभाग के नियुक्ति की कोई भी प्रक्रिया न्यायालय में लंबित नहीं है और ना ही न्यायालय द्वारा कोई टिप्पणी की गयी।

उन्होंने कहा कि आज निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, शिक्षा आयोग या विभिन्न विभागों के स्तर पर चयन की प्रक्रिया संपन्न की जा रही है। इससे प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा को प्रदेश में ही सम्मान मिलने लगा है। वर्ष 2017 के पहले क्या स्थितियां थीं, सभी जानते हैं। उस समय प्रदेश के युवाओं के मन में निराशा और हताशा थी। प्रदेश में चयन की प्रक्रिया में भेदभाव होता था। ऐसे में उन्हे बाहर जाने के लिए मजबूर होना पड़ता था। इस दौरान वह अपनी पहचान को छुपाता था क्योंकि उत्तर प्रदेश का नाम लेते तो लोग वहां पर चयन की बात तो दूर किराए पर कमरा भी नहीं देते थे। वहीं आज प्रदेश का युवा देश में कहीं भी जाए उसका लोग पलक बिछाए स्वागत और सम्मान करते हैं।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश के बहुत से युवा 2017 के पहले वाले दौर से भी गुजरे होंगे। उन्होंने नौकरी समेत अन्य व्यवस्थाओं में भेदभाव, भाई-भतीजावाद और जातिवाद के दंश को झेला होगा। इस दौरान उन्होंने अराजकता के कारण अपने बहुमूल्य समय को खोते हुए देखा होगा, लेकिन पिछले 6 वर्षों में जो परिवर्तन हुआ है, उससे सभी को एक नई व्यवस्था देने का कार्य किया गया है। उन्हे आज सुरक्षा, भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था, पूरी शुचिता और पारदर्शी तरीके से नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे हैं। वहीं प्रदेश सरकार भी आप सब से अपेक्षा रखती है कि इसी प्रकार की व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में आप सभी अपना योगदान देते रहें। आप सभी के प्रयासों से आने वाली पीढ़ी को अनवरत लाभ प्राप्त होगा।

बेगूसराय में जमीन ब्रोकर की गोली मारकर हत्या, एक गिरफ्तार

बेगूसराय। बेगूसराय में हत्या का सिलसिला लगातार जारी है। शनिवार को भी दिनदहाड़े बेखौफ अपराधियों ने एक अधेड़ की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पहाड़चक की है। मृतक की पहचान पहाड़चक निवासी सुरेश पंडित के रूप में की गई है। घटना के बाद लोगों में आक्रोश है। पुलिस ने लोगों को किसी तरह से समझा-बुझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया तथा मामले की छानबीन कर रही है, एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है सुरेश पंडित जमीन का कारोबार करता था। शनिवार को जब वह लालपुर में एक चाय दुकान पर बैठा हुआ था, तभी किसी ने फोन करके बुलाया। इसके बाद सुरेश पंडित के पहाड़चक चिमनी के समीप स्थित मुर्गा फार्म के पास पहुंचते ही सिर में ताबड़तोड़ तीन गोली मार दी और मोटरसाइकिल से फरार हो गए। गोली की आवाज सुनकर लोग घटनास्थल की ओर दौड़े, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। फिलहाल घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच पड़ताल कर रही है।

आज युवा नौकरी देने वाले बन रहे हैं: शिवराज

एजेंसी। भोपाल

आज (शनिवार) विश्व युवा कौशल दिवस है। युवाओं की बेरोजगारी की चुनौतियों को दूर करने के उद्देश्य से हर साल 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस मनाया जाता है। इस खास मौके पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने युवाओं को विश्व युवा कौशल दिवस पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि आज के युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बन रहे हैं। मुख्यमंत्री चौहान ने ट्वीट कर अपने शुभकामना संदेश में कहा, ऊर्जा से भरे सभी युवाओं को विश्व युवा कौशल दिवस की हार्दिक बधाई। प्रत्येक युवा के कौशल का विकास हो और वह आत्मनिर्भर होकर मध्य प्रदेश के साथ देश के विकास को गति देने में सहभागी बने, हमारा यही प्रयास है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में युवाओं की उड़ान को नए पंख लगे हैं। साथ ही प्रदेश में हमारी सरकार युवाओं के लिए सीखो-कमाओ जैसी अद्भुत योजना लेकर आई है, जो उनके उज्ज्वल भविष्य की राह को आसान बनाएगी। आने वाले दिनों में युवाओं को हर क्षेत्र में नियुक्तियां मिलेंगी। इससे युवाओं को आर्थिक स्वावलंबन तो होगी ही साथ ही राज्य में खुशहाली भी आएगी। केंद्र और राज्य सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्धि करने के लिए कई योजनाएं चला रही है। इसका लाभ युवा ले रहे हैं। आने वाले दिनों में भी ऐसे प्रयास किये जा रहे हैं कि रोजगारोन्मुख शिक्षा दी जाय जिससे युवाओं को आय के साधन दिए जायें। मुझे प्रसन्नता है कि आज युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बन रहे हैं। हर युवा समर्थ हो, शुभकामनाएं।

कांग्रेस और भाजपा की सरकार से दलितों को उम्मीद नहीं: मायावती

एजेंसी। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने राजस्थान में हुई दलित बच्ची के अपहरण के बाद हत्या को लेकर वहां की सरकार पर हमला बोला है। मायावती ने अपने ट्विवटर हैंडल से ट्वीट करते हुए कहा कि राजस्थान में भी दलित उत्पीड़न, हत्या का मामला अति-दुःखद है। वहां की राज्य सरकार के लिए अति-शर्म की बात। उन्होंने कहा कि करौली ज़िले में दलित बच्ची की घर से सोते हुए अपहरण व हत्या करके एसिड से जली उसकी लाश को कुएं में फेंकने की सुनियोजित जातिवादी घटना की जितनी भी निन्दा की जाए वह कम। बसपा प्रमुख ने कहा कि वैसे तो कांग्रेस हो या बीजेपी जैसी अन्य पार्टियों की सरकारों से गरीबों, मजलूमों, दलितों, आदिवासियों व अति पिछड़े आदि उपेक्षितों के उत्पीड़न तथा उनकी सुरक्षा व सम्मान की उम्मीद कतई नहीं की जा सकती है। फिर भी सरकार से मांग है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि दलितों के खिलाफ अत्याचार बढ़े हैं इसके बावजूद कोई भी सरकार सख्त कदम उठा नहीं रही है। इससे दलितों में ऐसी पार्टियों के खिलाफ रोष है।

बंगाल पशु तस्करी मामला : अनुब्रत मंडल से दोबारा पूछताछ कर सकती है सीबीआई

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के पशु तस्करी घोटाले की जांच कर रही सीबीआई न्यायिक हिरासत में तृणमूल कांग्रेस नेता अणुब्रत मंडल से पूछताछ करने के लिए नए सिरे से अनुमति मांगेगी। सूत्र ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी के अधिकारी मंडल और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर पंजीकृत नई संपत्तियों और उसका पता लगाने के बाद इस नए कदम पर विचार कर रहे हैं।

तृणमूल कांग्रेस के बीरभूम जिले के अध्यक्ष मंडल, करोड़ों रुपये के पशु तस्करी मामले में कथित संलिप्तता के सिलसिले में वर्तमान में नई दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। मंडल, उनके परिवार के सदस्यों और करीबी सहयोगियों के नाम पर नई संपत्तियों में पेट्रोल पंप, जमीन-जायदाद और चावल मिल शामिल हैं। केंद्रीय एजेंसी के वकील ने जांच अधिकारियों द्वारा की गई नई बरामदगी के बारे में पश्चिम बर्धवान जिले के आसनसोल में सीबीआई की एक विशेष अदालत को पहले ही सूचित कर दिया है। सीबीआई के वकील ने विशेष रूप से मंडल की बेटी सुकन्या मंडल के नाम पर पंजीकृत एक पेट्रोल पंप का जिक्र किया है, जो सत्तारूढ़ पार्टी के मजबूत नेता के करीबी सहयोगी विदुयत बरन गायेन के साथ संयुक्त रूप से पंजीकृत है। इसके अलावा रियल एस्टेट निर्माण कंपनी के खातों में भारी लेनदेन भी सीबीआई जांच के दायरे में है। सुकन्या मंडल और सहगल हुसैन, दोनों वर्तमान में नई दिल्ली की तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। सूत्रों ने कहा कि जांच से पता चला है कि कथित घोटाले के सरगनाओं ने अपने करीबी परिवार के सदस्यों और उनके रिश्तेदारों को घोटाले में आय को इधर-उधर करने में शामिल किया है, जैसे मंडल ने अपनी बेटी को शामिल किया था।

लाठीचार्ज राज्य प्रायोजित हिंसा, मामले की ज्यूडिशियल इनक्वारी हो : रघुवर दास

एजेंसी। पटना

पटना में भाजपा के नेताओं एवं कार्यकताओं पर हुई पुलिस प्रशासन की बर्बरता एवं राज्य सरकार के तानाशाही रवैये की जांच के लिए झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास की अध्यक्षता में सांसद मनोज तिवारी वीडी राम और सुनीता दुग्गल के साथ जांच दल पटना पहुंचा। दल ने पटना के पीएमसीएच में जाकर घायल भाजपा कार्यकताओं से मुलाकात की। उनका हालचाल जाना और घटना की विस्तार से जानकारी ली। इसके बाद आईजीआईएमएस अस्पताल जाकर महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल जी से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जानकारी होने के बावजूद उनके सिर पर लाठियां बरसाई, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई है। इसके बाद जांच दल एलएनजेपी अस्पताल पहुंचा। वहां महिला कार्यकताओं ने बताया कि पुरुष पुलिसकर्मियों ने महिला कार्यकताओं पर भी लाठीचार्ज किया। इससे लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। पटना स्थित भाजपा कार्यालय में भी घायल कार्यकताओं से जांच दल मिला। सभी ने बताया कि नीतीश-तेजस्वी की सरकार ने बर्बरता की सारी हदें पार कर दमनकारी नीति अपनाई, जिसका नतीजा है कि राज्य में 1000 से ज्यादा भाजपा कार्यकर्ता घायल हैं, जिसमें 300 गंभीर रूप से घायल है। एक कार्यकर्ता विजय कुमार सिंह की मौत भी हो गई।

पटना के डाकबंगला चौराहे पर जहां पुलिस ने यह कार्रवाई की थी, जांच दल पहुंचा और लोगों से बातचीत की। वहां लोगों ने बताया कि पहले पुलिसकर्मियों ने जुलूस को सकरी गली की तरफ मोड़ा और जब जुलूस गली में पहुंचा, तो बिना कोई चेतावनी दिए पुलिसकर्मियों ने लाठियां बरसानी शुरू कर दी। इससे कार्यकताओं को कहीं छुपने का मौका भी नहीं मिला।

विधायक डॉ आलोक रंजन ने विस में उठाया एम्स अस्पताल का मुद्दा

एजेंसी। सहरसा

विधायक डॉक्टर आलोक रंजन ने शनिवार को तारांकित प्रश्न में बिहार सरकार से सहरसा में एम्स अस्पताल निर्माण का आग्रह किया। उन्होंने प्रश्न में कहा कि क्या यह बात सही है कि भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित बिहार में दूसरा एम्स हेतु राज्य सरकार द्वारा पूर्व में सहरसा जिलाधिकारी से प्रस्तावित एम्स के लिए जमीन की मांग की गई थी। तत्कालीन जिलाधिकारी द्वारा सरकार को सहरसा में उपलब्ध जमीन का ब्यौरा भी भेज दिया गया था। उसके बावजूद भी सरकार दरभंगा में जमीन की स्वीकृति दी।जबकि राज्य सरकार द्वारा दरभंगा में जो जमीन दिया गया उसे भारत सरकार द्वारा अस्वीकृत कर दिया गया। बिहार सरकार ने जवाब दिया कि प्रश्न स्वीकारात्मक है। राज्य सरकार की स्वीकृति के आलोक में दरभंगा जिला के बहादुरपुर अंचल में 151.17 एकड़ भूमि एम्स दरभंगा के स्थापना हेतु सरकार को हस्तांतरण की स्वीकृति और बिहार सरकार द्वारा दी गई है।वही स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा उक्त भूमि पर एम्स दरभंगा की स्थापना संबंधी प्रस्ताव को अस्वीकृत किए जाने के पश्चात बिहार सरकार द्वारा अर्द्ध सरकारी पत्र द्वारा पुनर्विचार का अनुरोध स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार से किया गया है।विधायक डॉ आलोक रंजन ने कहा कि सहरसा में कोई बड़ा सरकारी अस्पताल नहीं रहने के कारण स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। इसीलिए सरकार को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

पहल सरकार का बांस के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने पर है फोकस

जनजातियों की समृद्धि का द्वार खोलेगा 'बांस'

एजेंसी। गोरखपुर

28 जातियों और 100 से अधिक उपजातियों के रूप में भारत में पाये जाने वाले बांस के दिन बहुरने लगे हैं। ठोस, पोली, मोटी, पतली, लंबी, छोटी चाहे जैसा भी हो; अब इसको पहचान मिलने वाली है। यहां तक जनजातियों और बांस से काम करने वाले हुनर को भी मुकाम हासिल होगा। वजह, सरकार ने इसे बहुपयोगी बनाने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। सरकार के इस प्रयास से जहां किसानों में उम्मीद जगी है, वहीं बांस के शिल्पयों को भी अच्छा अवसर दिख रहा है। दरअसल, इसकी खेती बढ़ाने के साथ किसानों और शिल्पियों को इससे जोड़ने को कॉमन फैसिलिटी सेंटर भी खुल रहे हैं। सरकार ने बांस उत्पादों की विस्तृत चेन और बाजार बनाने की योजना पर भी काम शुरू किया है। बांस उपचार संयंत्र लगाने की मुहिम भी शुरू है। राष्ट्रीय बांस मिशन योजना के प्रशिक्षण और जागरूकता के लिए पांच जिलों सहारनपुर, बरेली, झाँसी, मीरजापुर तथा गोरखपुर में सामान्य सुविधा केंद्रों (कॉमन फेसिलिटी सेंटर) की स्थापना की गई है। इनमें प्रशिक्षण के लिए क्रॉस कट, बाहरी गांठ हटाने, रेडियल स्प्लिटर, स्लाइसर, सिलवरिंग, स्टिक मेकिंग और स्टिक साइजिंग जैसी मशीनें स्थापित हैं। ये केंद्र बांस कारीगरों के समूहों, स्वयं सहायता समूहों, कृषक उत्पाद संगठनों या वन विभाग की संयुक्त वन प्रबंधन समिति की स्थानीय इकाइयों द्वारा संचालित होंगे। इनमें क्षेत्र के कृषकों, कारीगरों, उद्यमियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। रोजगार सृजन के अवसर उपलब्ध कराये जाएंगे। बांस को रोजगार से जोड़ने के लिए सरकार ने खेती से मार्केटिंग तक की चेन तैयार करने की योजना पर काम शुरू किया है। राष्ट्रीय बांस मिशन के तहत बांस की नई किस्मों को विकसित करने, अनुसंधान को प्रोत्साहन करने, हाईटेक नर्सरी लगाने, पौधों में कीट एवं बीमारी प्रबंधन, बांस से जुड़ी हस्तकला को बढ़ावा देने, बांस उत्पादकों की आय बढ़ाने, बांस उत्पादों के लिए विपणन नेटवर्क विकसित करने तथा कारीगरों को कच्चा माल उपलब्ध कराने के लिए शुरू किया गया है।

फिलहाल, सरकार ने राष्ट्रीय बांस मिशन योजना को बुंदेलखण्ड और विंध्य क्षेत्र सहित 32 जिलों के 38 वन प्रभागों में लागू कर दिया है। इसके आलावा बिजनौर सामाजिक वानिकी, नजीबाबाद (बिजनौर), सहारनपुर सामाजिक वानिकी, शिवालिक (सहारनपुर), मुजफ्फरनगर, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर, पीलीभीत सामाजिक वानिकी, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, उत्तर खीरी, दक्षिण खीरी, बहराइच, बाराबंकी, रायबरेली, सुल्तानपुर, प्रयागराज, प्रतापगढ़, फतेहपुर, काशी वन्यजीव (चन्दौली), जौनपुर, वाराणसी, आजमगढ़, गोरखपुर, सोहागीबरवा वन्यजीव (महराजगंज), बलिया, ललितपुर, महोबा, हमीरपुर, बांदा, झांसी, उरई (जालौन), चित्रकूट, मिर्जापुर, सोनभद्र, ओबरा तथा रेनूकूट में भी लागू कर रही है।

पर्यावरणीय लाभों पर चर्चा करते हुए पर्यावरणविद प्रत्युष पिंगिता कहती हैं कि बांस को ऊसर या कम उपजाऊ जमीन पर लगाया जाना चाहिए। इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि स्थानीय प्रजातियों को कोई नुकसान न पहुंचे। वैज्ञानिक गुण भी हैं। इसमें कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने की क्षमता किसी दूसरे पौधे के मुकाबले अधिक होती है। यह ऑक्सीजन भी अधिक उत्पन्न करता है।

विष्णुपुर में तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या

दक्षिण 24 परगना। राज्य में पंचायत चुनाव को लेकर जारी हिंसा अब तक रूकी नहीं है। अब दक्षिण 24 परगना जिले के विष्णुपुर में शुक्रवार रात तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की गोली मार कर हत्या कर दी गई। शनिवार सुबह मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। स्थानीय और पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मृत तृणमूल कार्यकर्ता का नाम प्रलय मंडल था। वह पेशे से प्रमोटर था। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रलय शुक्रवार रात करीब 10 बजे बिष्णुपुर के दक्षिण बागी इलाके से बाइक से घर लौट रहे थे। स्थानीय लोगों का दावा है कि उसी समय बदमाशों ने उन पर गोली चला दी। प्रलय तुरंत जमीन पर गिर गए। अस्पताल ले जाने पर डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

भारतीय महिला हॉकी टीम चीन के खिलाफ जर्मनी दौरे

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम जर्मनी दौरे के पहले मैच में रविवार को चीन से भिड़ेगी। भारतीय टीम इस दौरे पर 16 जुलाई से 19 जुलाई तक तीन मैच खेलेगी। शीर्ष गोलकीपर सविता और उप-कप्तान दीप ग्रेस एक्का के नेतृत्व वाली टीम 16 जुलाई को लिम्बर्ग में विश्व नंबर 11 चीन के खिलाफ एक मैच खेलेगी, इसके बाद मेजबान जर्मनी के खिलाफ क्रमशः वेसबाडेन और रसेलहेम में 18 जुलाई और 19 जुलाई को दो बैक-टू-बैक मैच खेलेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम का लक्ष्य इस दौरे का उपयोग हांग्जो एशियाई खेल 2023 की तैयारी के लिए करना है। चीन के खिलाफ मैच को लेकर, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने कहा, "यह मैच हमारे लिए प्रतिष्ठित हांग्जो एशियाई खेलों 2023 से पहले एक एशियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खुद को परखने का एक अच्छा मौका है। हमारे पास एक लंबा राष्ट्रीय कोचिंग शिविर है। बेंगलुरु में साई केंद्र और हमने उन क्षेत्रों पर चर्चा की है जहां हमें ध्यान केंद्रित करना है और सुधार करना है। हम आगामी खेलों के लिए तैयार हैं।"

पिछली बार भारत का सामना चीन से एफआईएच महिला विश्व कप स्पेन और नीदरलैंड्स 2022 में हुआ था और मैच 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ था। 2013 महिला एशिया कप के बाद से दोनों टीमों का 17 बार आमना-सामना हुआ है, जिसमें भारत 10 मौकों पर विजयी रहा है, जबकि चीन ने पांच मैच जीते हैं, और दो मैच टाई पर समाप्त हुए हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम की उप-कप्तान दीप ग्रेस एक्का ने कहा, "हम अपने विरोधियों को अच्छी तरह से जानते हैं, और हमने हाल के दिनों में कई बार चीन के खिलाफ मुकाबला किया है। हम जानते हैं कि वे क्या करने में सक्षम हैं, लेकिन साथ ही, यह हमें उनके अनुसार खुद को तैयार करने के लिए अनुमति भी देता है। हमें मैच से अच्छा परिणाम मिलने का भरोसा है।" भारतीय महिला हॉकी टीम ने आखिरी बार पिछले साल 13 मार्च को 2021-22 एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग में विश्व नंबर 4 जर्मनी के खिलाफ मुकाबला किया था। मैच शूट-आउट में भारत की 3-0 (1-1) की जीत के साथ समाप्त हुआ था। 2013 के बाद से, दोनों टीमें पांच बार एक-दूसरे के खिलाफ आमने-सामने हुई हैं, जिसमें भारत ने दो और जर्मनी ने तीन बार जीत दर्ज की है। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच जेनेके शोपमैन ने कहा कि टीम जर्मनी दौरे पर अपनी योजनाओं पर कायम रहेगी और अपनी ताकत के अनुसार खेलेगी। उन्होंने कहा,"दौरे से पहले हमने एक लंबा शिविर लगाया था और हमने अपनी ताकत को पहचाना है। चीन और जर्मनी दोनों के पास मजबूत और अच्छी तरह से संतुलित टीमें हैं।

विनेश फोगाट ने रैंकिंग सीरीज इवेंट से अपना नाम वापस लिया

एजेंसी। नई दिल्ली

दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता पहलवान विनेश फोगाट ने कथित तौर पर बुखार और फूड पॉइजनिंग का हवाला देते हुए शुक्रवार देर रात बुडापेस्ट में रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को होने वाले 55 किग्रा भार वर्ग के अपने मुकाबलों के साथ, विनेश ने बुखार और फूड पॉइजनिंग का हवाला देते हुए शुक्रवार देर रात रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। इस फैसले से आयोजकों के साथ-साथ भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को भी अवगत करा दिया गया है। इस सप्ताह की शुरूआत में, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने विनेश को पता-ठिकाने की आवश्यकताओं का पालन करने में विफलता के लिए नोटिस जारी किया था। 27 जून को, एक डोपिंग नियंत्रण अधिकारी (डीसीओ) ने प्रताप कॉलोनी, सोनीपत में पते का दौरा किया, लेकिन विनेश उस स्थान पर मौजूद नहीं थी और फोन के माध्यम से भी उससे संपर्क नहीं किया जा सका। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि डीसीओ ने उस तक पहुंचने की कोशिश में 40 मिनट से अधिक समय बिताया और उसके पति सोमवीर राठी को भी फोन किया, लेकिन उनकी ओर से भी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। नाडा के परियोजना अधिकारी अंकुश गुप्ता ने विनेश से एडीआर की ठिकाना आवश्यकताओं का अनुपालन न करने के संबंध में जवाब मांगा है। इस नोटिस का जवाब देने के लिए विनेश के पास 14 दिन का समय है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, हालांकि, विनेश को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि 12 महीनों में यह पहली बार है कि उसके ठिकाने का पता नहीं चल पाया है। नाडा के पंजीकृत परीक्षण पूल में एक एथलीट को त्रैमासिक आधार पर ठिकाने की जानकारी प्रदान करने की आवश्यकता होती है जिसमें शामिल हैं: घर का पता, ईमेल पता और फोन नंबर, रात भर रहने के लिए एक पता, प्रतियोगिता कार्यक्रम और स्थान और प्रत्येक दिन के लिए 60 मिनट का समय स्लॉट।

भारत ने वेस्टइंडीज को को पारी से रौंदा

रविचंद्रन अश्विन ने झटके 12 विकेट

एजेंसी। रोसेउ (डोमिनिका)

ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (71 रन पर सात विकेट) के मैच में कुल 12 विकेट और युवा स्टार यशस्वी जयसवाल के 171 रनों की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट में पारी और 141 रनों से रौंद दिया, जिससे रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने शुक्रवार को यहां बड़ी जीत के साथ सही नोट पर नए डब्ल्यूटीसी चक्र की शुरूआत की।

पहले टेस्ट में उत्कृष्ट समग्र प्रदर्शन ने भारत को नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में महत्वपूर्ण अंक दिलाए हैं। यशस्वी जायसवाल को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। अश्विन ने दूसरी पारी में 71 रन पर सात विकेट लिए और मैच में दस विकेट पूरे किये। विंडीज की दूसरी पारी 130 रन पर सिमट गयी। कप्तान रोहित शर्मा ने अश्विन और रवींद्र जडेजा की स्पिन गेंदबाजी क्षमताओं पर भरोसा दिखाया और उन्हें स्पिनरों को भरपूर मदद देने वाली पिच पर भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व सौंपा। दोनों स्पिनर उम्मीदों पर खरे उतरे और मैच में वेस्टइंडीज के 20 में से 17 विकेट चटकाए।

पहली पारी में, 21 वर्षीय जयसवाल ने कप्तान शर्मा के साथ 229 रनों की मजबूत साझेदारी की, जिसमें दोनों बल्लेबाजों ने शतक बनाए। जयसवाल ने 171 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि अनुभवी विराट कोहली ने 76 रनों की बेहतरीन पारी खेली। अश्विन ने दुनिया को दिखाया कि वह नंबर 1 रैंक वाले टेस्ट गेंदबाज क्यों हैं, उन्होंने 34वीं बार पांच विकेट लेने का कारनामा करके अपनी प्रतिष्ठा को और मजबूत किया - जो कि टेस्ट इतिहास में किसी भी गेंदबाज द्वारा पांचवें सबसे अधिक पारी में पांच विकेट के बराबर है।

जैसे-जैसे पोर्ट ऑफ स्पेन में दूसरा टेस्ट नजदीक आ रहा है, भारत अपनी लय बरकरार रखने के लिए उत्सुक होगा, जबकि मेजबान टीम सीरीज बराबर करने के लिए बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य रखेगी। इससे पहले, चाय तक, जडेजा और अश्विन ने मिलकर वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाजों को आउट कर दिया, क्योंकि मेजबान टीम का स्कोर 27/2 हो गया और वह भारत से 244 रनों से पीछे हो गई।

यह एक ऐसा सत्र था जहां रन कछुआ गति से आए - केवल 48 रन बने जबकि तीन विकेट गिरे, भारत 421/5 पर पारी घोषित करने के बाद मैच जीतने के लिए शीर्ष स्थिति में था, भारत ने इस प्रकार 271 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। घोषणा के बाद, चार ओवर तेज गेंदबाजों से कराये और फिर अश्विन और जडेजा का रुख किया।

आर्सेनल ने अजाक्स से डच अंतरराष्ट्रीय डिफेंडर टिम्बर को साइन किया

एजेंसी। लंदन

आर्सेनल और अजाक्स 22 वर्षीय डच अंतरराष्ट्रीय डिफेंडर ज्यूरियन टिम्बर के लंदन स्थानांतरण पर एक समझौते पर पहुंच गए हैं, दोनों क्लबों ने यह घोषणा की है। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों पक्ष 40 मिलियन यूरो हस्तांतरण शुल्क (45 मिलियन अमेरिकी डॉलर) पर एक समझौते पर पहुंचे, जिसे विभिन्न तरीकों से 45 मिलियन यूरो तक बढ़ाया जा सकता है। लगभग 82 मिलियन अमेरिकी डॉलर में चेल्सी से फॉरवर्ड काई हैवर्ट को पकड़ने के बाद टिम्बर ने आर्सेनल के साथ क्लोज-सीजन में दूसरा हस्ताक्षरकर्ता बनने के लिए पांच साल के समझौते पर सहमति व्यक्त की है। टिम्बर 2014 में अजाक्स युवा अकादमी में शामिल हुए और मार्च 2020 में पहली टीम में पदार्पण किया। कुल मिलाकर, उन्होंने अजाक्स की पहली टीम के लिए 121 आधिकारिक मैच खेले, जिसमें उन्होंने छह गोल किए। उन्होंने दो बार (2021, 2022) डच चैम्पियनशिप और एक बार (2021) डच कप जीता। उन्हें डच राष्ट्रीय टीम के लिए भी 15 बार कैप किया गया है, जिनमें से चार 2022 कतर विश्व कप में आए थे। उन्होंने आर्सेनल की आधिकारिक वेबसाइट को बताया, मैं हमेशा से आर्सेनल का प्रशंसक रहा हूं। यह मेरे भाइयों के कारण था। वे हमेशा आर्सेनल के प्रशंसक थे, और मुझे आर्सेनल को खेलते हुए देखना बहुत पसंद था। उनके पास बड़े खिलाड़ी थे, जिस शैली से वे खेलते थे । मुझे बस क्लब पसंद है।" टिम्बर ने कहा कि उन्हें आर्सेनल के पूर्व महान खिलाड़ियों, रॉबिन वैन पर्सी और थिएरी हेनरी को देखना भी पसंद है उन्होंने कहा, वे मेरे पसंदीदा खिलाड़ी थे। इस बीच आर्सेनल के बॉस, मिकेल अटेर्टा हस्ताक्षर करके प्रसन्न हुए। हम वास्तव में उत्साहित हैं कि ज्यूरियन हमारे साथ जुड़ गए हैं। वह एक बहुमुखी युवा डिफेंडर हैं, जो हमारे सिस्टम में फिट होंगे और हमारी टीम को अतिरिक्त गुणवत्ता प्रदान करेंगे। ज्यूरियन एक युवा खिलाड़ी है, लेकिन पहले ही बहुत कुछ हासिल कर चुका है।

वर्ल्ड नंबर 1 के लिए भिड़ेंगे अल्काराज और जोकोविच

एजेंसी। लंदन

कार्लोस अल्काराज और नोवाक जोकोविच रविवार को विंबलडन फाइनल में आमने-सामने होंगे और ग्रास-कोर्ट मेजर में 2023 चैंपियन का फैसला करेंगे। दोनों ऑल इंग्लैंड क्लब में दोहरी प्रेरणा के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे, इस जोड़ी यह तीसरा एटीपी करियर मुकाबला होगा और साथ ही विश्व नंबर 1 की रैंकिंग दांव पर रहेगी। यह एटीपी रैंकिंग के शीर्ष पर यो-यो वर्ष में एक और रोमांचक अध्याय होगा। 2023 में अल्काराज और जोकोविच के बीच नंबर 1 की स्थिति पहले ही छह बार बदल चुकी है, जो 2018 (सात) के बाद से एक सीजन में सबसे अधिक है, स्पैनियार्ड ने हाल ही में द क्वीन्स में अपना पहला ग्रास-कोर्ट एटीपी टूर खिताब जीतने के बाद शीर्ष स्थान हासिल किया है। 20 वर्षीय अल्काराज वर्तमान में एटीपी लाइव रैंकिंग में जोकोविच से 80 अंकों से आगे हैं। यह दूसरी बार होगा जब वह किसी बड़े फाइनल में भाग लेंगे, यह जानते हुए कि जीत उन्हें विश्व नंबर 1 की गारंटी भी देगी। वह पिछले सितंबर में 2022 यूएस ओपन चैंपियनशिप मैच में कैस्पर रूड को हराकर पहली बार टेनिस रैंकिंग के शीर्ष पर पहुंचे। दूसरी ओर, अगर जोकोविच विंबलडन में लगातार पांचवें साल जीतते हैं, तो वह सोमवार को एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर रहते हुए अपने रिकॉर्ड 390वें सप्ताह की शुरूआत करेंगे।

अमेरिकी ओपन

लक्ष्य सेमीफाइनल में सिंधू का सफर खत्म

एजेंसी। वशिंगटन

हाल ही में संपन्न कनाडा ओपन के विजेता और भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन हमवतन शंकर मुथुसामी को हरा कर अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर गये हैं। शुक्रवार को खेले गये सेमीफाइनल में लक्ष्य का सामना चीनी शटलर ली शि फेंग से होगा। लक्ष्य ने चेन्नई के युवा शटलर शंकर को आसान मुकाबले में 21-10, 21-17 से मात दी। करीब 38 मिनट तक चले मैच में शंकर कभी भी लक्ष्य के सामने टिकते दिखाई नहीं दिए। उधर, महिला एकल में पीवी सिंधू को एक बार फिर महत्वपूर्ण मोड़ पर हार का सामना करना पड़ा। वर्ल्ड नंबर 12 सिंधू को चीन की गाओ फांस जि ने 22-20, 21-13 से हराया। सिंधू को चीनी बाला ने शुरू से ही परेशान किया। पहले गेम में सिंधू ने हालांकि कडी टक्कर दी मगर दूसरे गेम में वह प्रतिद्वंदी के सामने थकी नजर आयी जिसका भरपूर फायदा उठाते हुये फांस जि ने उन्हे उबरने का मौका नहीं दिया और अंतिम चार में अपनी जगह बना ली।

मोटोजीपी भारत के शहरों के दौरों की श्रृंखला शुरू करेगा

हैदराबाद चैप्टर आज शुरू होगा

एजेंसी। नई दिल्ली

मोटोजीपी भारत ने 'रोड टू मोटोजीपी' की घोषणा की है - एक मल्टीपल सिटी इवेंट जो देश भर के प्रमुख शहरों को कवर करेगा और मोटोजीपी के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए बाइकिंग उत्साही, बाइकर समूहों और कई अन्य लोगों तक पहुंचेगा। यह अनूठा आयोजन प्रतिभा की भी खोज करेगा और खेल को पेशेवर रूप से अपनाने के इच्छुक युवा राइडरों के साथ सकारात्मक जुड़ाव पैदा करेगा।

मोटोजीपी के भारतीय प्रमोटरों, फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स के मुख्य परिचालन अधिकारी, पुष्कर नाथ श्रीवास्तव ने राष्ट्रव्यापी आयोजन के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम इन शहरी दौरों को आयोजित करने और भारत भर के विभिन्न शहरों में मोटोजीपी की लोकप्रियता फैलाने के लिए रोमांचित हैं। यह दौरा हमारे देश की जीवंत बाइकिंग संस्कृति का उत्सव है और देश भर में मोटरस्पोर्ट्स को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम जीवन के सभी क्षेत्रों से बाइकिंग के शौकीनों का स्वागत करने और इसमें शामिल सभी लोगों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बनाने के लिए तत्पर हैं। 16 जुलाई को होने वाले 'हैदराबाद चैप्टर' में ध्रुव कॉलेज ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी हाईटेक शहर से शुरू होने वाली नियंत्रित सवारी में 500 से अधिक बाइकर्स के भाग लेने की उम्मीद है, जो लगभग 30 किमी के लूप में सवारी करेंगे और शुरूआती बिंदु पर लौटेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य, अन्य मोटोजीपी भारत कार्यक्रमों की तरह, 'सड़कें सवारी के लिए हैं' और 'ट्रैक रेसिंग के लिए हैं' के अपने दर्शन का प्रचार करना है और युवा और महत्वाकांक्षी सवारों को इस वैश्विक आईपी के बारे में जागरूक होने और एक मजबूत सौहार्दपूर्ण भावना विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

भारत से मिली बड़ी हार, ब्रेथवेट बोले- मैं भी रन नहीं बना सका

एजेंसी। रोसीयू

वेस्टइंडीज के कप्तान क्रेग ब्रेथवेट ने अपने बल्लेबाजों पर जमकर भड़ास निकालते हुए कहा कि भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में उन्होंने निराश किया। वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 150 और दूसरी पारी में 130 रन पर आउट हो गई थी। रविचंद्रन अश्विन ने 131 रन देकर 12 विकेट लिए। भारत ने यह मैच एक पारी और 141 रन से जीता । ब्रेथवेट ने मैच के बाद कहा, हमने बल्लेबाजी में निराशाजनक प्रदर्शन किया। पहली पारी का स्कोर पर्याप्त नहीं था।" उन्होंने कहा ,ह्यह्य मैं भी रन नहीं बना सका। कप्तान होने के नाते मुझे मोर्चे से अगुवाई करके रन बनाने चाहिये थे। पहली पारी में हमने लंच से पहले ही विकेट गंवा दिया। सीनियर बल्लेबाजों को रास्ता दिखाना चाहिये। चैम्पियन गेंदबाजों के खिलाफ बल्लेबाजी कठिन होती है लेकिन हमें जिम्मेदारी से खेलना चाहिये था।" उन्होंने कहा, हमने कुछ बेहद खराब शॉट खेले।

आईसीसी विश्व कप **पाकिस्तान को भारत आना होगा, मिस्बाह बोले-**

नहीं गए तो बहुत बड़ा अन्याय होगा

एजेंसी। कराची

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेट कप्तान मिस्बाह उल हक ने अपने देश की टीम को भारत में एकदिवसीय विश्व कप में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देने की वकालत करते हुए कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो यह 'प्रशंसकों' के साथ नाइंसाफी होगी जो चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ मैच नहीं देख पाएंगे। इस 49 साल के पूर्व कोच ने शुक्रवार को यहां एक समारोह में कहा, दोनों देश जब अन्य खेलों में एक-दूसरे का सामना कर सकते है तो क्रिकेट में क्यों नहीं। क्रिकेट को राजनीतिक संबंधों से क्यों जोड़ा जाए? लोगों को अपनी टीमों को एक-दूसरे के खिलाफ खेलते देखने के मौके से वंचित करना अनुचित है।"

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 11,000 से अधिक रन बनाने वाले इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, यह उन प्रशंसकों के साथ बहुत बड़ा अन्याय होगा जो पाकिस्तान और भारतीय क्रिकेट को बहुत पसंद करते हैं।" पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हाल ही में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) और बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) को बताया कि दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण इस साल अक्टूबर-नवंबर में विश्व कप में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी सरकार के मंजूरी के अधीन है। भारत ने पाकिस्तान में एशिया कप के मैचों को खेलने से मना कर दिया जिसके बाद इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट का आयोजन 'हाईब्रिड' आधार पर हो रहा। 31 अगस्त से 17 सितंबर तक होने वाले टूर्नामेंट के चार मैच पाकिस्तान और नौ मैच तटस्थ स्थल श्रीलंका में होंगे।

मिस्बाह का मानना है कि अब समय आ गया है कि पाकिस्तान को भारत जाना चाहिए और भारतीय टीम को भी मैच खेलने के लिए पाकिस्तान आना चाहिए। उन्होंने कहा, निश्चित तौर पर पाकिस्तान को भारत में विश्व कप खेलना चाहिए। मैंने जितनी बार भी भारत में खेला है, हमने वहां दबाव और दर्शकों की भीड़ का आनंद लिया है। इससे आपको प्रेरणा मिलती है और भारत की परिस्थितियां हमारे अनुकूल होती हैं। हमारी टीम भारतीय परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता रखती है।"

अफरीदी को भी लगता है कि पाकिस्तान को विश्व कप के लिए भारत जाना चाहिए। अफरीदी ने कहा, मेरे लिए या किसी भी पेशेवर क्रिकेटर के लिए सबसे बड़ी चुनौती भारत में खेलने और वहां भारतीय दर्शकों के सामने अच्छा प्रदर्शन करने से दबाव से निपटना है। इस पूर्व हरफनमौला ने कहा, कुल मिलाकर हमने भारत में खेलने का लुत्फ उठाया है क्योंकि अगर आप भारत में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो आपको एक अलग स्तर की संतुष्टि और पहचान मिलती है।" इस पूर्व कप्तान ने कहा कि पाकिस्तान को विश्व कप मैचों के लिए अच्छे स्थल मिले हैं और टीम के लिए उचित योजना बनाना जरूरी होगा। उन्होंने कहा, हमारी टीम काफी अच्छी है। टीम में कुछ शानदार प्रतिभाएं भी है। मुझे कोई कारण नहीं दिखता कि हम भारत जाकर अहमदाबाद या किसी और स्थल पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करें।"

NEWS इन ब्रीफ

सोना फिर 59 हजार के पार निकला, चांदी 75 हजार रुपए के करीब पहुंची

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में शानदार तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सराफा बाजार में इस हफ्ते की शुरूआत, यानी 10 जुलाई को सोना 58,648 रुपए पर था, जो अब, यानी 15 जुलाई को 59,338 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत में 690 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते चांदी में 4 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरूआत में ये 70,514 रुपए पर थी, जो अब 74,979 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 4,464 रुपए बढ़ी है।

तेल की कीमतें बढ़ने से पेंट कंपनियों पर बढ़ेगा दबाव

नई दिल्ली। तेल की कीमतें बढ़ने से पेंट कंपनियों के कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी होने की संभावना है। दरअसल, सप्लाई में कमी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा रेट हाइक में ब्रेक लगने की उम्मीदों के बीच तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। पिछले कुछ समय से कच्चे तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। पिछले सत्र में ब्रेंट क्रूड ऑयल तीन महीने के उच्चतम स्तर 81.57 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। लीबिया और नाइजीरिया से जुड़े मामलों के कारण आपूर्ति में कमी की चिंताओं के चलते तेल की कीमतों में तेजी देखी गई।

एलजी ने 2030 तक 79 अरब डॉलर की बिक्री का लक्ष्य रखा

39.5 अरब डॉलर का करेगी निवेश

एजेंसी। नई दिल्ली

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने अनुसंधान एवं विकास, सुविधा और रणनीतिक निवेश पर 39.5 अरब डॉलर खर्च करने और 2030 तक बिक्री को 79 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, जो पिछले साल 51.4 अरब डॉलर से अधिक रही थी। कंपनी का लक्ष्य 2030 तक अपने हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) व्यवसाय की बिक्री को दोगुना करना और एक वैश्विक शीर्ष स्तरीय व्यापक एयर कंडीशनिंग कंपनी बनना है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स (एलजी) ने शीर्ष वैश्विक घरेलू उपकरण ब्रांड के रूप में अपनी वर्तमान स्थिति से स्मार्ट लाइफ सॉल्यूशन कंपनी में बदलने की अपनी दृष्टि की घोषणा की, जो

2030 तक 100 लाख करोड़ दक्षिण कोरियाई वॉन के वैश्विक वार्षिक राजस्व की तरफ बढ़ते हुए ग्राहकों के विविध अनुभवों और बेहतर बना सके। कंपनी के सीईओ विलियम चो ने एक बयान में कहा, एलजी एक स्मार्ट जीवन समाधान कंपनी के रूप में बदलाव और आगे बढ़ने की अपनी साहसिक दृष्टि को जारी रखेगी जो ग्राहकों के विभिन्न स्थानों और अनुभवों को जोड़ती है और विस्तारित करती है, बजाय इसके कि वह गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ घरेलू उपकरण ब्रांड के रूप में अपनी वर्तमान स्थिति पर टिकी रहे। उन्होंने कहा, हम इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपने काम करने और संवाद करने के तरीके को नया रूप देकर एक बिल्कुल नया एलजी बनाएंगे। शुरूआती चरण में इस साल के अंत तक टीवी व्यवसाय में कंपनी अपने वेबओएस ऑपरेटिंग सिस्टम के आधार पर एक बड़ा बदलाव करने जा रही है। दुनिया भर में 20 करोड़ से अधिक स्मार्ट टीवी में वेबओएस है। कंपनी सामग्री प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने और विज्ञापन-आधारित मुफ्त प्रसारण मंच एलजी चैनल्स की वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए पांच वर्षों में एक लाख करोड़ से अधिक दक्षिण कोरियाई वॉन का निवेश करेगी। एलजी की योजना भविष्य में नए व्यवसायों का चयन करके और उन पर ध्यान केंद्रित करके भविष्य के विकास में तेजी लाने की है, जिनमें समान रूप से उच्च विकास क्षमता होने की उम्मीद है। कंपनी डिजिटल हेल्थकेयर में भी अपना रणनीतिक निवेश जारी रखे हुए है।

गूगल जुर्माना मामले में न्यायालय 10 अक्टूबर को करेगा अंतिम सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल के एंड्रॉयड ऐप मामले में अपीलीय न्यायाधिकरण के फैसले के खिलाफ दायर अपीलों पर 10 अक्टूबर को अंतिम सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की एक पीठ ने शुक्रवार को इस मामले में दायर गूगल और भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग (सीसीआई) की अपीलों पर कहा कि वह मामले से जुड़े पहलुओं पर गौर करने के लिए कुछ वक्त चाहती है। इस पर एक पक्ष की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने कहा कि याचिका को बाद में अंतिम निपटान के लिए रखा जा सकता है। फिर न्यायालय ने कहा कि दोनों अपीलों को अंतिम निपटान के लिए 10 अक्टूबर को सूचीबद्ध किया जा सकता है।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.23 अरब डॉलर बढ़कर 596.28 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार सात जुलाई को समाप्त सप्ताह में 1.23 अरब डॉलर बढ़कर 596.28 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 1.85 अरब डॉलर बढ़कर 595.05 अरब डॉलर रहा था। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था लेकिन वैश्विक घटनाओं के कारण पैदा हुए दबावों के बीच रुपए को संभालने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने से इसमें गिरावट आई है। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, सात जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 98.9 अरब डॉलर बढ़कर 528.97 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। रिजर्व बैंक के अनुसार स्वर्ण भंडार का मूल्य 22.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 44.06 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 40 लाख डॉलर घटकर 18.23 अरब डॉलर रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा हुआ देश का मुद्रा भंडार 1.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.02 अरब डॉलर हो गया।

थोक महंगाई घटकर आठ साल के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। खाने-पीने की वस्तुओं, ईंधन और विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में गिरावट से थोक महंगाई जून, 2023 में घटकर शून्य से 4.12 फीसदी नीचे आ गई। यह अक्तूबर, 2015 के बाद थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगाई का करीब 8 साल का निचला स्तर है। उस समय इसमें 4.76 फीसदी की गिरावट आई थी। वाणिज्य मंत्रालय को जारी आंकड़ों के मुताबिक, जून लगातार तीसरा महीना है, जब थोक महंगाई शून्य से नीचे आ गई। इससे पहले यह मई, 2023 में (-)3.48 फीसदी और अप्रैल में (-)0.92 फीसदी रही थी। वहीं, जून, 2022 में यह महंगाई 16.23 फीसदी रही थी। मंत्रालय ने कहा, खनिज तेल, खाद्य उत्पादों, मूल धातुओं, कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस और कपड़ों की कीमतों में कमी से जून में थोक महंगाई में गिरावट आई है।

7.27 लाख तक सालाना आय पर कोई टैक्स नहीं: वित्त मंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने मध्यम वर्ग के लोगों को कई कर लाभ दिए हैं। इसमें 7.27 लाख सालाना आय वाले लोगों को आयकर से छूट शामिल है। सीतारमण ने कहा कि सरकार समाज के हर व्यक्ति को साथ लेकर चल रही है। जब 2023-24 के केंद्रीय बजट में सात लाख रुपए तक की कमाई वालों के लिए आयकर छूट प्रदान करने का फैसला किया गया था, तब कुछ तबकों में इसको लेकर संदेह

जताया गया था। संदेह इस बात को लेकर था कि सात लाख रुपए से कुछ अधिक की कमाई वाले का क्या होगा। वित्त मंत्री ने कहा, इसलिए, हमने यह पता लगाने के लिए कि आप प्रत्येक अतिरिक्त एक रुपए के लिए किस स्तर पर कर का भुगतान करते हैं, एक टीम के रूप में बैठकर विचार किया... उदाहरण के लिए 7.27 लाख रुपए के लिए, अब आप कोई कर नहीं देते हैं। आप तभी कर देते हैं, जब कमाई इससे ऊपर होती है। उन्होंने कहा, ह्यह्यआपके पास 50,000 रुपए की मानक कटौती भी है। नई योजना के तहत, शिकायत यह थी कि कोई मानक कटौती नहीं थी। यह अब दी गई है। हम भुगतान दर और अनुपालन पक्ष में सरलता लाए हैं। सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) का कुल बजट 2013-14 में 3,185 करोड़ रुपए था, जो 2023-24 में बढ़कर 22,138 करोड़ रुपए हो गया है।

सरकार समाज के हर व्यक्ति को साथ लेकर चल रही है। जब 2023-24 के केंद्रीय बजट में सात लाख रुपए तक की कमाई वालों के लिए आयकर छूट प्रदान करने का फैसला किया गया था

सरकार ने तेल कंपनियों को दिया झटका पेट्रोलियम क्रूड पर लगाया विंडफॉल टैक्स

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों को दो महीने के अंतराल के बाद एक बार फिर झटका दिया है। सरकार ने ऐलान किया है पेट्रोलियम क्रूड पर 2 महीने अंतराल के बाद एक बार फिर विंडफॉल टैक्स लगाया जाएगा। 14 जुलाई को जारी किए गए नोटिफिकेशन के अनुसार घरेलू क्रूड उत्पादन पर विंडफॉल टैक्स को बढ़ाकर 1600 रुपए प्रति टन कर दिया गया है। पहले इस पर जीरो टैक्स लग रहा था। नई दरें 15 जुलाई, 2023 यानी शनिवार से लागू हो चुकी है। वहीं पेट्रोल, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर विंडफॉल टैक्स को शून्य रखा गया है। इससे पहले 15 मई, 2023 को केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम क्रूड पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में बड़ी कटौती करते हुए उसे 4,100 रुपए प्रति टन से घटाकर शून्य कर दिया था। वहीं इससे पहले 1 मई को भी सरकार ने इसमें 2,200 रुपए प्रति टन की कटौती की थी। वहीं 17 जून को भी सरकार ने तय किया था कि वह पेट्रोलियम क्रूड, पेट्रोल, डीजल और अळ्ऋपर किसी तरह का विंडफॉल टैक्स नहीं लगाएगी लेकिन एक महीने के भीतर सरकार ने अपने फैसले में बड़ा बदलाव कर दिया है।

विदेश

यूएस डॉलर के बराबर हो भारतीय रुपये का इस्तेमाल : रानिल

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने शनिवार को कहा कि उनका देश चाहता है कि भारतीय रुपये का इस्तेमाल अमेरिकी डॉलर के बराबर हो। नकदी संकट से जूझ रहे देश के प्रमुख का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब कुछ दिन बाद उनके दिल्ली दौरे की संभावना है। द्वीप राष्ट्र के वित्त मंत्री विक्रमसिंघे ने इस सप्ताह यहां इंडियन सीईओ फोरम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। विक्रमसिंघे ने कहा, 'जिस तरह जापान, कोरिया और चीन जैसे देशों सहित पूर्वी एशिया में 75 साल पहले उल्लेखनीय विकास हुआ था, उसी तरह अब हिंद महासागर क्षेत्र के साथ भारत की बारी है। विक्रमसिंघे के अगले सप्ताह नई दिल्ली की यात्रा करने की उम्मीद है, जो द्वीप राष्ट्र में अभूतपूर्व आर्थिक और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच एक साल पहले राष्ट्रपति बनने के बाद उनका पहला दौरा है।

दक्षिण कोरिया में मूसलाधार बारिश 21 लोगों की मौत, 10 हुए लापता

एजेंसी। सियोल

दक्षिण कोरिया में भारी बारिश के कारण 21 लोगों की मौत हो गई और हजारों लोगों को अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि 10 लोग लापता हैं और नौ अन्य घायल हो गए। सबसे ज्यादा मौतें दक्षिण-पूर्वी प्रांत उत्तरी ग्योंगसांग से हुईं, जहां भूस्खलन और मकान ढहने से 16 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। सरकारी एजेंसियां देशभर में हुई क्षति का आकलन कर रही हैं। गोएसन बांध के ओवरफ्लो होने के कारण केंद्रीय काउंटी गोएसन के लगभग 6,400 निवासियों को निकाला गया है। बांध के पास स्थित कई निचले गांवों में

जलभराव हो गया और गांवों को जोड़ने वाली सड़कें और पुल टूट गए, जिससे कुछ निवासी अपने घरों में ही फंस गए। देशभर में भारी बारिश जारी रहने के कारण 13 शहरों और काउंटियों में 1,002 घरों के कुल 1,567 लोगों ने शनिवार सुबह तक अस्थायी आश्रय की मांग की थी। इनमें से 1,114 लोग सुरक्षा चिंताओं के कारण घर नहीं लौट सके। सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के इकतीस मामले सामने आए, जिनमें 10 भूस्खलन और छह सड़कें नष्ट होने के मामले शामिल हैं। जबकि, निजी संपत्ति को नुकसान के 71 मामले सामने आए, जिनमें 22 बाढ़ वाले घर भी शामिल हैं। देश भर के 13 शहरों और काउंटी में बिजली ब्लैकआउट की सूचना मिली। जबकि अधिकांश स्थानों पर बिजली बहाल कर दी गई है, उत्तरी ग्योंगसांग प्रांत के मुंगयोंग, येओंगजू और येचिओन में 8,300 से अधिक घरों में अभी भी बिजली नहीं है। बाढ़ से फसलों को नुकसान पहुंचा है और सड़कें भी बह गईं। राष्ट्रव्यापी, 97 सड़कें बंद हैं, जबकि 19 राष्ट्रीय उद्यानों में 384 रास्ते बंद हैं। कोरिया मौसम विज्ञान प्रशासन ने विशेष रूप से चुनचेओंग और जिओला प्रांतों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी करते हुए कहा कि पूरे देश में 18 जुलाई तक और जेजू द्वीप में अगले वीकेंड तक भारी बारिश होने का अनुमान है।

कारोबार

भारत-फ्रांस मिलकर बनाएंगे तीन स्कॉर्पिन पनडुब्बियां

इमैनुएल मैक्रॉन की बैठक के बाद हुई घोषणा

एजेंसी। पेरिस

भारत और फ्रांस अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों के लिए नए इंजनों के अलावा तीन और पनडुब्बियों का सह-उत्पादन करने के लिए तैयार हैं। पेरिस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन की हुई बैठक के बाद इस आशय की घोषणा की गई। स्कॉर्पिन पनडुब्बियों का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक में किया जाएगा। लड़ाकू विमानों के लिए अगली पीढ़ी के इंजन और 13-टन हेलीकॉप्टर के इंजन के संयुक्त विकास और सह-उत्पादन के लिए इंजन के लिए सफरान के साथ गठजोड़ होगा। विदेश मंत्रालय के दस्तावेज में कहा गया है, भारत और फ्रांस लड़ाकू विमान इंजन के संयुक्त विकास का समर्थन करेंगे। इस परियोजना के लिए एक रोडमैप इस साल के अंत से पहले सफरान और डीआरडीओ द्वारा तैयार किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, सफरान ने भारत में 110 किलो का नया

न्यूटन इंजन बनाने की पेशकश की थी। छठी पीढ़ी का उन्नत बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान इससे संचालित होगा। फ्रांसीसी पेशकश में भारतीय स्थान पर आपूर्ति श्रृंखला और विनिर्माण के साथ एक नया इंजन शामिल है। इंजन विकास के लिए एचएएल और सफरान के बीच शेयरधारकों का समझौता संपन्न हो गया है। अधिकारी ने कहा, यह 13 टन वजनी भारतीय मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर के लिए है। इससे पहले, भारत में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने 13 जुलाई 2023 को तीन प्रस्तावों को मंजूरी दी थी। डीएसी ने अंतर-सरकारी समझौते (आईजीए) के आधार पर फ्रांसीसी सरकार से भारतीय नौसेना के लिए संबंधित सहायक उपकरण, हथियार, सिम्युलेटर, स्पेयर, दस्तावेजीकरण, चालक दल प्रशिक्षण और रसद समर्थन के साथ 26 राफेल समुद्री विमानों की खरीद के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अन्य देशों द्वारा इसी तरह के विमान की तुलनात्मक खरीद कीमत सहित सभी प्रासंगिक पहलुओं को ध्यान में रखने के बाद कीमत और खरीद की अन्य शर्तों पर फ्रांसीसी सरकार के साथ बातचीत की जाएगी। इसके अलावा, भारतीय डिजाइन किए गए उपकरणों के एकीकरण और विभिन्न प्रणालियों के लिए रखरखाव, मरम्मत और संचालन (एमआरओ) हब की स्थापना को उचित बातचीत के बाद अनुबंध दस्तावेजों में शामिल किया जाएगा।

ईरान से तनाव के बीच खाड़ी में एफ-16 लड़ाकू विमान भेजेगा अमेरिका

वाशिंगटन। जहाजों को ईरान द्वारा जब्त किए जाने से बचाने के लिए अमेरिका सामरिक रूप से महत्वपूर्ण हरमूज जलडमरूमध्य के आसपास अपने लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल बढ़ा रहा है। एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि पश्चिम एशिया में ईरान, रूस और सीरिया के बीच बढ़ते संबंधों को लेकर अमेरिका चिंतित है। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन में पत्रकारों से बातचीत में अधिकारी ने कहा कि अमेरिका इस सप्ताहांत खाड़ी क्षेत्र में एफ-16 लड़ाकू विमान भेजेगा। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब ईरान ने पिछले सप्ताह जलडमरूमध्य के पास दो तेल टैंकर को जब्त करने की कोशिश की थी और उनमें से एक पर गोलियां चलाई थीं। रक्षा अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि एफ-16 लड़ाकू विमान जलडमरूमध्य से गुजर रहे जहाजों को हवाई सुरक्षा मुहैया कराएंगे। अमेरिकी नौसेना के मुताबिक, दोनों मामलों में अमेरिकी नौसेना की प्रतिक्रिया के बाद ईरानी नौसैनिक जहाज पीछे हट गए और दोनों वाणिज्यिक जहाजों ने अपनी यात्रा जारी रखी।

पेज एक के शेष

फतह करेंगे 2024...

मूल में एग्रीकल्चर होता है। 04 जुलाई को जिस दिन मेरे अध्यक्ष बनने की घोषणा हुई वह सावन माह का पहला दिन था। यह हमारे लिए बहुत सौभाग्य है।

मरांडी ने कहा कि देश में लुटेरों का गठबंधन हो रहा है। हम सबों के सामने चुनौती है। कार्यकताओं को तैयार रहना होगा। गठबंधन करने वाले लोग भारत ही नहीं दुनिया में घूम घूम कर कहते हैं कि लोकतंत्र की हत्या हो रही है। सही मायनों में गठबंधन करने वाले लोग लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं। बंगाल में विषम परिस्थितियों में बीजेपी ने पंचायत चुनाव में प्रचंड जीत हासिल की, सभी कार्यकर्ता का आभार है। साथ ही उन्होंने पंचायत चुनाव में मृत कार्यकताओं के प्रति संवेदना भी प्रकट की। बंगाल में जब भी कोई चुनाव हुआ तभी हिंसा हुई परंतु मिल बैठकर इन दलों ने कभी इस घटना की भ्रत्सना तक नहीं की। बिहार की घटना को ही देखिए, जिस प्रकार लाठीचार्ज हुआ, भाजपा के एक जिला महामंत्री की हत्या हुई वह किसी से छुपा नहीं है। झारखंड की सरकार भी इससे भिन्न नहीं है। हम सबों को संघर्ष के लिए तैयार रहना होगा। झारखंड में पिछले कुछ दिनों की घटना देखिए। चाहे गढ़वा की हो, धनबाद की हो या टुंडी की घटना हो, झारखंड में कार्यकर्ताओं की हत्या और हमले की लंबी फेहरिस्त है।

मरांडी ने कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार करते हुए कहा कि अब चुप रहने का वक्त नहीं है। अब यह नहीं सोचना है कि प्रदेश से आदेश मिलेगा तभी कुछ करेंगे। आप प्रदेश को सूचना कीजिए कि फलां मामला है हमलोग वहां जा रहे हैं। आप अपने जिले के सांसद, विधायक, पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर जरूरत पड़े तो हजारों की भीड़ के साथ आंदोलन करें। प्रदेश का इंतजार नहीं करें। अगर कुछ हो जायेगा तो हम सब लोग देख लेंगे, उसकी चिंता मत कीजिए। अब 5जी का युग है। आदेश का इंतजार करते रहेंगे तो आप चूक जायेंगे। आज मिडिया, सोशल मीडिया का जमाना है।

झारखंड को पता भी नहीं होगा लेकिन दिल्ली को खबर हो जाती है। जनता को सिर्फ भाजपा पर ही भरोसा है। इस सरकार से लोग नाउम्मीद हो चुके हैं। हमें लोगों के भरोसे पर खरा उतरना है। हमें भाजपा सरकार की उपलब्धियों को बार बार दुहराना है। हमें सभी को बताना है कि भाजपा ने इस राज्य को सम्मान दिया। आदिवासी राष्ट्रपति, अलग आदिवासी मंत्रालय भाजपा की देन है। भाजपा की संचालित सभी योजनाओं को सही तरीके से जनता के समक्ष रखने की जरूरत है। मरांडी ने कहा कि यहां की सरकार लुटेरी है। कोयला, बालू, पत्थर, जमीन तक को लूटने का काम किया है। भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने कहा की कई सेवा के लिए पैसों की जरूरत नहीं होती। आप गांवों में रोजमर्रे की समस्याओं से जूझ रहे लोगों की समस्या का उचित विभाग जाकर उनकी समस्या का समाधान कर सेवा कर सकते हैं। अधिकारी और सरकार को बताना होगा कि बीजेपी के कार्यकर्ता अब जाग चुके है। कोई गड़बड़ी नहीं चलेगी। मरांडी ने कहा कि जब तक टीम की कोई रचना नहीं हो जाती है। तब तक सभी पदाधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

गैंगस्टर अमन साव...

जानकारी भी दुमका जेल प्रशासन को दिया गया है इसके बाद का मोबाइल फोन अचानक डीएक्टिव हो गया। सीआईडी पूरे मामले की तफ्तीश कर रही है। रांची में कोयला कारोबारी रंजीत गुप्ता पर फायरिंग के बाद अमन साव के गुर्गो ने कई कारोबारियों को फोन पर धमकाना शुरू कर दिया है। रांची, लातेहार और चतरा के कोयला कारोबारियों को अमन साव का गुर्गा बताने वाले मयंक सिंह ने फोन करना शुरू कर दिया है। मयंक सिंह ने फोन कर कई लोगों से रंगदारी की मांग की है, साथ ही पैसे नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी भी मयंक के द्वारा दी जा रही है। चतरा के कारोबारी रिंकू सिंह से 2 दिन पूर्व ही अमन के नाम पर एक करोड़ रुपए की रंगदारी मानी गई है। रिंकू सिंह का परिवार की रांची में ही रहता है।

यूएपीए के तहत मामला दर्ज होगा : अमन साहू पर नकेल कसने के लिए अब उस पर अनलॉफुल एक्टिविटिज प्रिवेंशन एक्ट (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।आमतौर पर उग्रवादी संगठन के सदस्यों पर लगने वाली यूएपीए की धारा 16 के तहत अमन साव पर मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया है अमन साव की गतिविधियों की समीक्षा के बाद सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता ने एटीएस एसपी को लिखित आदेश दिया है कि वह अमन साव के खिलाफ नया केस दर्ज करें। लिखित आदेश के बाद एटीएस ने इस संबंध में तैयारी शुरू कर दी है।

देश के 70 फीसदी...

मामलों वाले विधायकों की औसत संपत्ति 11.45 करोड़ रुपये है।रिपोर्ट में विधायकों की सबसे अधिक औसत संपत्ति और सबसे कम औसत संपत्ति वाले राज्यों के भी आंकड़े हैं। कर्नाटक 223 विधायकों के लिए 64.39 करोड़ रुपये की औसत संपत्ति के साथ इस सूची में सबसे ऊपर है। इसके बाद आंध्र प्रदेश में 174 विधायकों के लिए औसत संपत्ति 28.24 करोड़ रुपये और महाराष्ट्र में 284 विधायकों के लिए 23.51 करोड़ रुपये है।

उधर 59 विधायकों के लिए 1.54 करोड़ रुपये के साथ सबसे कम औसत संपत्ति वाला राज्य त्रिपुरा रहा। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 293 विधायकों के लिए ये संपत्ति 2.80 करोड़ रुपये और केरल में 135 विधायकों के लिए 3.15 करोड़ रुपये थी।विश्लेषण किए गए 4,001 विधायकों में से 88 (दो फीसदी) अरबपति पाए गए, जिनके पास 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति थी। कर्नाटक में 223 में से 32 (14 प्रतिशत) विधायकों के साथ अरबपतियों की संख्या सबसे अधिक है। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश में 59 में से चार (सात फीसदी) और आंध्र प्रदेश में 174 में से 10 (छह फीसदी) हैं। महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश में भी ऐसे विधायक हैं जिनकी दौलत 100 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist &
Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज
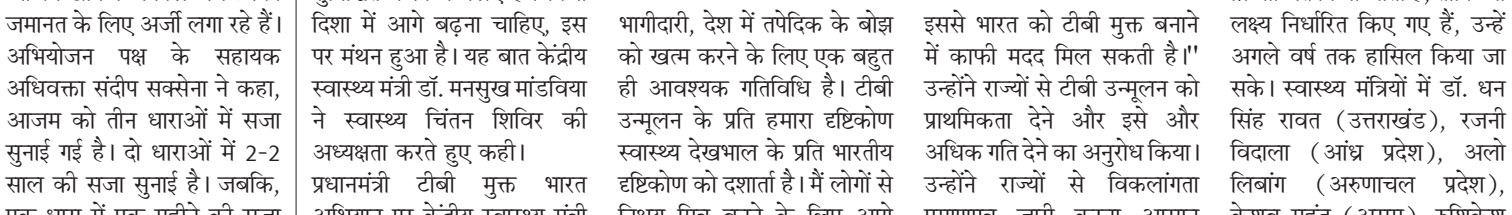
CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

भड़काऊ भाषण मामले में आजम खान को दो साल की सजा

लखनऊ। सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान को नफरती भाषण मामले में कोर्ट ने दोषी करार दिया है। कोर्ट ने आजम खान को दो साल की कैद और ढाई हजार रुपये जुमार्ना की सजा सुनाई है। सजा के प्रश्न पर आजम खान के अधिवक्ता और अभियोजन का पक्ष सुना गया। आजम खान न्यायिक अभिरक्षा में हैं। हेट स्पीच मामले में एलपी-एमएलए कोर्ट का फैसला आने पर दोषी पाए गए आजम खान को 2 साल की सजा सुनाए जाने के बाद न्यायिक हिरासत में ले लिया गया। आजम खान के वकील अब उनकी जमानत के लिए अर्जी लगा रहे हैं। अभियोजन पक्ष के सहायक अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने कहा, आजम को तीन धाराओं में सजा सुनाई गई है। दो धाराओं में 2-2 साल की सजा सुनाई है। जबकि, एक धारा में एक महीने की सजा सुनाई गई है।

'स्वास्थ्य योजनाओं का व्यापक प्रचार हो ताकि कोई पात्र लाभार्थी छूट न जाएं'

एजेंसी। देहरादून

स्वास्थ्य चिंतन शिविर को हमें स्वास्थ्य में अंतिम मील कनेक्टिविटी के विचार के करीब लाने में मदद करनी चाहिए। पिछले दो दिनों में हमने आज भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र का विस्तृत अवलोकन देखा है और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज सुनिश्चित करने के लिए हमें किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, इस पर मंथन हुआ है। यह बात केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने स्वास्थ्य चिंतन शिविर की अध्यक्षता करते हुए कही।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मांडविया ने कहा, लोगों की भागीदारी, देश में तपेदिक के बोझ को खत्म करने के लिए एक बहुत ही आवश्यक गतिविधि है। टीबी उन्मूलन के प्रति हमारा दृष्टिकोण स्वास्थ्य देखभाल के प्रति भारतीय दृष्टिकोण को दर्शाता है। मैं लोगों से निक्षय मित्र बनने के लिए आगे आने का आह्वान करता हूं, क्योंकि इससे भारत को टीबी मुक्त बनाने में काफी मदद मिल सकती है।" उन्होंने राज्यों से टीबी उन्मूलन को प्राथमिकता देने और इसे और अधिक गति देने का अनुरोध किया। उन्होंने राज्यों से विकलांगता प्रमाणपत्र जारी करना आसान बनाकर देश की दिव्यांग आबादी का समर्थन करने का भी आग्रह किया। चिंतन शिविर में नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वीके पॉल ने कहा, पिछले दो दिनों में सभी उपस्थित लोगों के इनपुट से स्वास्थ्य सेवा के लिए एक समग्र प्रतिमान बनाया गया है और यह आवश्यक है कि आज हम जो प्रस्ताव पारित करते हैं, इसे क्रियान्वित किया जाता है, ताकि जो लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं, उन्हें अगले वर्ष तक हासिल किया जा सके। स्वास्थ्य मंत्रियों में डॉ. धन सिंह रावत (उत्तराखंड), रजनी विदाला (आंध्र प्रदेश), अलो लिबांग (अरुणाचल प्रदेश), केशब महंत (असम), रुशिकेश पटेल (गुजरात), बन्ना गुप्ता (झारखंड), शामिल हैं। इसके अलावा दिनेश गुंडू राव (कर्नाटक), सपम रंजन सिंह (मणिपुर), डॉ. आर. लालथ्यांगलियाना (मिजोरम), थिरु मा. सुब्रमण्यम (तमिलनाडु) विचार-मंथन सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। इनके साथ टीएस सिंह देव (उपमुख्यमंत्री, और स्वास्थ्य मंत्री, छत्तीसगढ़), ब्रजेश पाठक (उपमुख्यमंत्री, और स्वास्थ्य मंत्री, उत्तर प्रदेश), बीएस पंत (पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्री, सिक्किम), विश्वास सारंग (राज्य चिकित्सा शिक्षा मंत्री, मध्य प्रदेश), के लक्ष्मी नारायणन (लोक निर्माण मंत्री, पुडुचेरी) भी इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने पहुंचे हैं।

राहुल ने गुजरात हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ एससी का दरवाजा खटखटाया

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 'मोदी सरनेम' मानहानि मामले को लेकर अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। राहुल गांधी ने सजा पर रोक लगाने से इनकार करने वाले गुजरात हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। गुजरात हाईकोर्ट ने आपराधिक मानहानि मामले में राहुल गांधी की दोषसिद्धि और दो साल की जेल की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इस मामले में कांग्रेस नेता को अपनी लोकसभा सदस्यता भी गंवानी पड़ी थी। ज्ञात हो कि सूरत की एक अदालत ने राहुल गांधी की अप्रैल 2019 में कर्नाटक में एक चुनावी रैली के दौरान की गई टिप्पणी सभी चोरों का सरनेम मोदी कैसे है, के लिए दोषी ठहराया था और दो साल जेल की सजा सुनाई थी। इसके बाद अदालत ने राहुल गांधी को मार्च में संसद सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया था।

अजित की बढ़ सकती हैं कानूनी मुश्किलें, 21 जुलाई को सुनवाई

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार को कानूनी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि बंबे उच्च न्यायालय वकील नानासाहेब जाधव की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए 21 जुलाई की तारीख तय की है। सूत्रों ने शनिवार को यहां बताया कि जाधव ने यह याचिका जित, उनके चाचा एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस (राकांपा) प्रमुख शरद पवार तथा पार्टी की नेता सुप्रिया सुले के खिलाफ लवासी हिल स्टेशन के विकास में कथित अनियमितता में उनकी भूमिका लेकर दायर की है। जाधव ने 12 जुलाई के यह याचिका कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश नितिन जामदार तथा न्याया आरिफ डॉक्टर की खंडपीठ के समक्ष दायकर दी थी और इस मामले में तत्काल सुनवाई की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि अजित उप मुख्यमंत्री बन गए हैं।

विश्वविद्यालयों को बदलते समय के अनुरूप तैयार करना चाहिए पाठ्यक्रम : ओम बिरला

एजेंसी। नई दिल्ली

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विश्वविद्यालयों को बदलते समय की उभरती आवश्यकताओं के अनुरूप प्रगतिशील पाठ्यक्रम तैयार करने की नसीहत देते हुए कहा कि शिक्षा ही विकास और समानता का वाहक है। लोक सभा अध्यक्ष बिरला ने शनिवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली परिसर में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की एक प्रतिमा का अनावरण करने के बाद छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर एक दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने देश के संविधान के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया है। समानता और न्याय के आदर्श, जो भारतीय लोकतंत्र को लगातार मजबूत करते हैं, बाबासाहेब के दिल के सबसे करीब थे और न केवल भारतीय शासन के संदर्भ में एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं, बल्कि दुनिया के कई संविधानों की आधारशिला भी हैं। बिरला ने कहा कि आजादी की शुरूआत में हमारे संविधान निमार्ताओं के सामने चुनौतियां बहुत बड़ी थीं। भारत न केवल आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़ा था बल्कि साक्षरता का स्तर भी बहुत कम था। यह मानते हुए कि शिक्षा और सामाजिक न्याय नवोदित लोकतंत्र की प्रगति के लिए सर्वोपरि हैं, बाबासाहेब ने लोगों के जीवन में उनके महत्व पर जोर दिया। यह उल्लेख करते हुए कि बाबासाहेब का विचार था कि ज्ञान और शिक्षा सामाजिक और आर्थिक विकास के साधन हैं।

सीयूईटी-यूजी परिणाम घोषित

22 हजार उम्मीदवारों ने शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट-अंडरग्रेजुएट (सीयूईटी-यूजी) के नतीजे घोषित कर दिए। इसमें 22,000 से अधिक उम्मीदवारों ने शत प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। सबसे ज्यादा टॉप स्कोरर अंग्रेजी में हैं, उसके बाद बायोलॉजी और इकोनॉमिक्स में हैं। सीयूईटी (यूजी)-2023 का रिकॉर्ड परिणाम घोषित होने की तारीख से 90 दिनों तक सुरक्षित रखा जाएगा। परीक्षा के लिए कुल 14,99,796 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 3,83,778 अनुपस्थित रहे। परीक्षा के लिए कुल 11,16,011 उम्मीदवार उपस्थित हुए थे। सीयूईटी (यूजी)-2023 परीक्षा असमिया, बंगाली, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, पंजाबी, उड़िया, तमिल, तेलुगु और उर्दू में आयोजित की गई थी। परीक्षा में सबसे अधिक 5,685 उम्मीदवारों ने अंग्रेजी में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं जबकि हिंदी में 102 छात्रों ने शत प्रतिशत अंक हासिल किए।

भारत, संयुक्त अरब अमीरात ने अपनी मुद्राओं में व्यापार के लिए

एजेंसी। अबू धाबी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बातचीत की, जिन्होंने फ्रांस से उनके आगमन पर हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। पीएमओ ने एक ट्वीट में कहा : प्रधानमंत्री मोदी ने शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ एक शानदार बैठक की। चर्चा व्यापार, अर्थव्यवस्था, संस्कृति के साथ-साथ लोगों सहित कई क्षेत्रों में भारत-यूएई संबंधों को बढ़ाने पर केंद्रित थी। बैठक के दौरान मोदी और यूएई के राष्ट्रपति ने घोषणा की कि उनके देश अपनी मुद्राओं में व्यापार समझौता शुरू करने पर सहमत हुए हैं। पीएम मोदी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एमओयू पर टिप्पणी के जवाब में एक ट्वीट में कहा, ₹यह भारत-यूएई सहयोग का एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है। यह दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करता है और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बातचीत को सरल बनाएगा।

आरबीआई और यूएई के सेंट्रल बैंक ने शनिवार को सीमा पार लेनदेन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने और उनके भुगतान और मैसेजिंग सिस्टम को इंटरलिंक करने के लिए सहयोग के लिए एक रूपरेखा स्थापित करने के लिए दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। एमओयू पर आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और यूएई के सेंट्रल बैंक के गवर्नर खालिद मोहम्मद बलामा ने हस्ताक्षर किए। पीएम मोदी और शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की मौजूदगी में दोनों राज्यपालों के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। दो एमओयू का विवरण साझा करते हुए आरबीआई ने एक बयान में कहा कि भारत और यूएई के बीच लेनदेन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग के लिए एक रूपरेखा स्थापित करने पर एमओयू का उद्देश्य उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली (एलसीएसएस) स्थापित करना है। भारतीय रुपये और एईडी का द्विपक्षीय रूप से। इसमें कहा गया है कि एमओयू सभी चालू खाता लेनदेन और अनुमत पूंजी खाता लेनदेन को कवर करता है। इसमें आगे कहा गया है कि एलसीएसएस के निर्माण से निर्यातकों और आयातकों को अपनी संबंधित घरेलू मुद्राओं में चालान और भुगतान करने में सक्षम बनाया जाएगा, जो बदले में एक आईएनआर-एईडी विदेशी मुद्रा बाजार के विकास को सक्षम करेगा। इसमें कहा गया है, यह व्यवस्था दोनों देशों के बीच निवेश और प्रेषण को भी बढ़ावा देगी। स्थानीय मुद्राओं के उपयोग से लेनदेन की लागत और लेनदेन के निपटान का समय अनुकूलित होगा जिसमें संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले भारतीयों के प्रेषण भी शामिल हैं।

खड़गे ने पूर्वोत्तर के कांग्रेस नेताओं के साथ की बैठक

लस चुनाव की तैयारियों पर चर्चा

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को पूर्वोत्तर के राज्यों के पार्टी नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें राजनीतिक परिस्थिति पर चर्चा के साथ ही अगले लोकसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया गया। इस बैठक में शामिल नेताओं ने मणिपुर की हिंसा को लेकर चिंता जताई। कांग्रेस मुख्यालय में हुई इस बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, सिक्किम, त्रिपुरा और नगालैंड के प्रभारी अजय कुमार, मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह के अलावा मेघालय, अरुणाल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा व सिक्किम के प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तथा कुछ अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। कांग्रेस ने ट्वीट कर कहा, इस बैठक में लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। मणिपुर के बिगड़े हालात सभी नेताओं के लिए चिंता का सबब थे।

केंद्र ने हाईकोर्ट के तीन जजों के स्थानांतरण को किया अधिसूचित

एजेंसी। नई दिल्ली

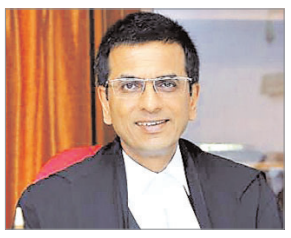

भारत के सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा सिफारिश दोहराने के बाद केंद्र ने उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों के स्थानांतरण की अधिसूचना जारी कर दी है। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने सीजेआई से परामर्श के बाद न्यायमूर्ति गौरांग कंठ को कलकत्ता उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह को केरल उच्च न्यायालय और न्यायमूर्ति मनोज बजाज को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया है। इससे पहले बुधवार को, कॉलेजियम ने इन न्यायाधीशों से उनके प्रस्तावित स्थानांतरण के खिलाफ प्राप्त अभ्यावेदन पर कार्रवाई किए बिना अपनी सिफारिश दोहराई थी। 5 जुलाई को, कॉलेजियम ने न्याय के बेहतर प्रशासन के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश गौरांग कंठ को कलकत्ता उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की सिफारिश की थी। हालांकि, न्यायमूर्ति कंठ ने मध्य प्रदेश या राजस्थान या किसी अन्य पड़ोसी राज्य के उच्च न्यायालय में अपना स्थानांतरण करने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति कंठ के स्थानांतरण के लिए कॉलेजियम की दलील का दिल्ली उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने भी यह कहते हुए विरोध किया कि उनके स्थानांतरण से दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या में कमी के कारण न्याय वितरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

उपलब्धि **भारत ने राफेल विमान के नौसैन्य संस्करण का किया चयन**

26 राफेल विमानों की खरीद को दी मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत सरकार ने नौसेना को उन्नत पीढ़ी के लड़ाकू विमानों से लैस करने के लिए राफेल विमानों के नौसैन्य संस्करण का चयन कर लिया है। राफेल की निमार्ता कंपनी और फ्रांस में विमान निर्माण क्षेत्र की अग्रणी दसॉल्ट एविएशन ने शनिवार को यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को फ्रांस से 26 राफेल (नौसैनिक) विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुक्रवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ वार्ता के बाद जारी एक दस्तावेज में राफेल विमानों की खरीद का कोई जिक्र नहीं है। दसॉल्ट एविएशन ने एक बयान में कहा, भारत सरकार ने भारतीय नौसेना को नयी पीढ़ी के लड़ाकू विमान से लैस करने के लिए नेवी राफेल के चयन की घोषणा की है। कंपनी ने कहा, भारत में सफल परीक्षण के बाद यह फैसला लिया गया है, जिस दौरान नेवी राफेल ने दशार्या कि वह भारतीय नौसेना की संचालनात्मक आवश्यकताओं को पूरा करता है और विमानवाहक पोत की विशिष्टताओं के बिल्कुल अनुकूल है।

दसॉल्ट एविएशन ने कहा, भारतीय नौसेना के 26 राफेल पहले से ही सेवा में मौजूद 36 राफेल के बेड़े में शामिल हो जाएंगे। इस संस्करण के शामिल होने के साथ ही भारत हवा और समुद्र में अपनी श्रेष्ठता बढ़ाने तथा अपनी संप्रभुत्ता सुनिश्चत करने में मदद के लिए विमान के दोनों संस्करणों का संचालन कर फ्रांस की तरह के सैन्य विकल्प को अपनाने वाला पहला देश बन जाएगा। भारत स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर तैनाती के लिए राफेल विमान खरीद रहा है।

दसॉल्ट एविएशन ने कहा कि राफेल का चयन इस विमान की श्रेष्ठता और दसॉल्ट एविएशन तथा भारतीय सेनाओं के बीच जुड़ाव की असाधारण गुणवत्ता तथा भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक संबंधों की महत्ता की पुष्टि करता है। दसॉल्ट एविएशन के अध्यक्ष और सीईओ एरिक ट्रैपियर ने कहा, भारतीय बलों के साथ हमारी साझेदारी की 70वीं वर्षगांठ का जश्न मनाने के साथ, मैं दसॉल्ट एविएशन की ओर से इस नये विश्वास और संकल्प के लिए भारतीय प्राधिकारियों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। हम राफेल के संबंध में भारतीय नौसेना की उम्मीदों पर पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

FILMY हलचल

बिग बॉस ओटीटी हाउस में 'बेकाबू' हुई पूजा भट्ट

बिग बॉस ओटीटी 2 में हर दिन एक नया ड्रामा देखने को मिल रहा है। अब इस घर में बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लेने वाली पूजा भट्ट का धैर्य टूट गया है। हाल ही में रिलीज हुए प्रोमो में साफ नजर आ रहा है कि पूजा भट्ट जिया शंकर से नाराज हैं। वह जिया शंकर को उसकी औकात याद दिलाती हैं। इतना ही नहीं पूजा भट्ट ने जिया शंकर को 'धीमा जहर' भी कहा था। जया ने भी पूजा भट्ट को करारा जवाब दिया। इससे पूजा भट्ट और जिया शंकर के बीच अच्छी तू-तू, मैं-मैं शुरू हो गई। "बिग बॉस ओटीटी 2" के घर में हाल ही में एक स्पॉन्सर टास्क खेला गया। इस टास्क में पूजा भट्ट रो रही नाज को बोर्ड समझा रही थीं। उन्होंने पैनल से कहा, "जिया की दोस्ती हर हफ्ते बदलती रहती है। पहले वह दोस्ती करती है, फिर नॉमिनेट करती है और अंत में लड़ती है और मासूम चेहरा रखती है।"

पंकज त्रिपाठी अभिनीत मैं अटल हूं' की शूटिंग पूरी

जब से पंकज त्रिपाठी अभिनीत "मैं अटल हूं" का फर्स्ट लुक जारी हुआ है, तब से दर्शक अभिनेता द्वारा भारत के लोकप्रिय प्रधान मंत्री, अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन को पर्दे पर उतारने और रवि जाधव द्वारा निर्देशित और ऋषि विरमानी एवं रवि जाधव द्वारा लिखित उनके जीवन पर सिनेमाई उत्कृष्ट कृति का अनुभव करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शूटिंग शेड्यूल के दौरान फिल्म के निमार्ताओं ने उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और फिल्म पर विस्तार से चर्चा की। आज फिल्म ने मुंबई में अपना आखिरी शेड्यूल खत्म किया।